शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, बुधवार 08 अक्तूबर 2025 ● कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 179 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

नरेंद्र मोदी @25... सीएम से देश के पीएम तक, 25 निर्णायक फैसले

एजेंसियां। नयी दिल्ली

2001 में 7 अक्टूबर के ही दिन नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सीएम पद की शपथ ली थी. उन्होंने एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए लिखा है कि आज मैंने सरकार के मुखिया के रूप में ईश्वर रूपी जनता-जनार्दन की सेवा करने के अपने 25वें वर्ष में प्रवेश किया है. इन वर्षों में हर एक दिन, हर एक क्षण मैंने देशवासियों के जीवन को बेहतर करने और उनके विकास के लिए समर्पित भाव से काम करने का प्रयास किया है. ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे आप सभी लोगों का निरंतर स्नेह मिला है. इन वर्षों में मैंने अनेक ऐसे फैसले लिए हैं, जिसने पहले गुजरात की दिशा और दशा बदली और बीते 11 वर्षों से देश की राजनीति की धारा बदल रही है.

मोदी के मात्र 25 चुनिंदा फैसले

1. **गुजरात में भूकंप पुनर्वास :** मोदी के गुजरात के सीएम बनने के थोड़ा पहले ही भुज में विनाशकारी भूकंप आया. उन्होंने पूरी तरह से तबाह बुनियादी ढांचे को नए सिरे से तय समय में खड़ा कर दिया गया.
2. **ज्योतिग्राम योजना :** मोदी ने 2003 में गुजरात के गांवों में 24 घंटे बिजली देने के लिए ग्रामीण योजना शुरू की.
3. **वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन :** मोदी ने ही 2003 से वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन की शुरुआत की.
4. **रिवर इंटरलिंकिंग प्रोजेक्ट :** मोदी ने गुजरात में नर्मदा नहर नेटवर्क के विस्तार का बीड़ा उठाया.
5. **इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट मॉडल :** मोदी ने गुजरात की जिम्मेदारी संभालते ही प्रदेश को मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने पर फोकस करना शुरू किया.
6. **गुजरात में ई-गवर्नेंस मॉडल :** मोदी ने गुजरात में शासन संचालन के लिए डिजिटल माध्यम लॉन्च किया.
7. **गुजरात में पर्यटन को बढ़ावा :** 2005 में गुजरात सरकार ने खुशबू गुजरात की अभियान लॉन्च किया.
8. **भ्रष्टाचार विरोधी अभियान :** मोदी ने शुरू से भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई. उनका यह अभियान दिल्ली आने के बाद भी जारी है.
9. **स्वच्छ भारत अभियान :** 2014 में मोदी पीएम बनकर दिल्ली आ गए. सत्ता संभालते ही उनकी सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया.
10. **जन धन योजना :** 2014 में ही मोदी सरकार ने जन धन अभियान शुरू किया. बाद में सरकार की ओर से मिलने वाले तमाम वित्तीय लाभ सीधे उनके खाते में पहुंचना शुरू हो गया.
11. **मेक इन इंडिया :** पीएम के तौर पर अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष (सितंबर, 2014) पीएम मोदी ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम लॉन्च किया.
12. **नोटबंदी :** नोटबंदी मोदी के सबसे बड़े फैसलों में शामिल है. 2016 में केंद्र सरकार ने तब चलने वाले 500 और 1,000 रु. वाले करेंसी नोट बंद कर दिए.
13. **उज्जवला योजना :** उज्जवला योजना की शुरुआत गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाकर उन्हें अनेकों बीमारियों से छुटकारा दिलाना है.
14. **जीएसटी :** 2017 में मोदी सरकार ने कई तरह के टैक्स को समेट कर एकमात्र जीएसटी की व्यवस्था शुरू करके, एक देश, एक कर व्यवस्था को साकार किया.
15. **डिजिटल इंडिया :** मोदी ने 2015 के बाद से डिजिटल अभियान शुरू किया. इसके तहत यूपीआई और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा दिया जाने लगा.
16. **सर्जिकल स्ट्राइक :** उरी आतंकी हमले के बाद पहली बार 2016 में सुरक्षा बलों ने दुश्मन के इलाके में घुसकर उनके आतंकी ट्रेनिंग कैंप तबाह कर दिए और सकुशल वापस लौट आए. इसे सर्जिकल स्ट्राइक का नाम दिया गया.
17. **एयर स्ट्राइक :** भारतीय वायुसेना ने पहली बार पाकिस्तान में करीब 80 किलोमीटर तक घुसकर बालाकोट में एयर स्ट्राइक करके आतंकी कैंपों को पूरी तरह से तबाह कर दिया.
18. **ऑपरेशन सिंदूर :** इसी साल पाकिस्तानी आतंकियों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में 26 पर्यटकों को धर्म पूछकर मार डाला. इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च करके पीओके और पाकिस्तान के 100 किमी तक भीतर मौजूद 9 आतंकी ठिकाने बर्बाद कर दिए.
19. **पीएम किसान सम्मान निधि :** किसान सम्मान निधि के तहत मोदी सरकार अब तक 21 किस्त जारी कर चुकी है. इसकी शुरुआत फरवरी, 2019 में छोटे और सीमांत किसानों के लिए की गई.
20. **आयुष्मान भारत योजना :** इस योजना 2018 से चल रही है. इसके तहत देश के 12 करोड़ से ज्यादा परिवारों को सालाना 5 लाख रुपये की मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजना की व्यवस्था है.
21. **तीन तलाक कुप्रथा खत्म :** मोदी सरकार ने 2019 से तीन तलाक की कुप्रथा को गैर-कानूनी बना दिया. इस फैसले से मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के खिलाफ कानूनी सुरक्षा मिली.
22. **आर्टिकल 370 का अंत :** 5 मार्च, 2019 को मोदी सरकार ने जम्मू और कश्मीर को मिला खास आर्टिकल 370 को खत्म कर दिया. इसके साथ ही जम्मू और कश्मीर को केंद्र शासित राज्य बना दिया. यही नहीं, लद्दाख को इससे अलग उसे भी केंद्र शासित प्रदेश बनाया.
23. **नागरिकता संशोधन कानून :** मोदी ने 2019 में एक और बड़ा फैसला लिया और नागरिकता संशोधन कानून बनाकर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में उत्पीड़न के शिकार 6 अल्पसंख्यकों- हिंदू, क्रिश्चियन, जैन, बौद्ध, सिख और पारसी को भारतीय नागरिकता देने का रास्ता साफ किया.
24. **कृषि कानून :** 2020 में कृषि सुधारों के इरादे से मोदी सरकार तीन कृषि कानून लेकर आई, लेकिन व्यापक विरोध की वजह से इसे वापस लेना पड़ा.
25. **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना :** मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू करके गरीबों को मुफ्त राशन देना शुरू किया. आज की तारीख में लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को इस योजना के तहत सरकार मुफ्त राशन दे रही है.

ब्रीफ न्यूज

तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों को भौतिकी का नोबेल

स्टॉकहोम। अमेरिकी वैज्ञानिकों जॉन क्लार्क, मिशेल माइकल डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस को क्वांटम मैकेनिक्स में खोज के लिए भौतिकी का नोबेल सम्मान दिया गया है.स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने इसकी घोषणा की है. बताया गया कि इलेक्ट्रिक सर्किट में मैक्रोस्कोपिक क्वांटम मैकेनिकल टनलिंग और ऊर्जा क्वांटीकरण की खोज के लिए उनके अग्रणी कार्य को मान्यता दी, जो मानवीय पैमाने पर क्वांटम परिघटनाओं को प्रदर्शित करने की खोज में एक सफलता का प्रतीक है.

हरियाणा के एडीजीपी ने कर ली खुदकुशी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और एडीजीपी पूरन कुमार सिंह ने मंगलावर को चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली. यह घटना पुलिस महकमे में हड़कंप मचा रही है. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है, लेकिन आत्महत्या की सटीक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है. पूरन सिंह हरियाणा कैडर के 2001 बैच के आईपीएस थे. वे फिलहाल आईजी पीटीसी सुनारिया के पद पर तैनात थे.

पूर्व पीएम देवेगौड़ा अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरु। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेकुलर) के अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा को मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते उन्हें बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. डॉक्टर फिलहाल उनका इलाज कर रहे हैं और अस्पताल सूत्रों ने बताया कि उन पर इलाज का असर हो रहा है. बता दें कि देवगौड़ा की उम्र 90 वर्ष से ऊपर है और वो वृद्धावस्था के कई रोगों से पीड़ित हैं. परिजनों की तरफ से इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है.

बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को निर्देश

लिस्ट से हटाए गए 3.66 लाख वोटरों का ब्योरा दें

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह बिहार की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं की जानकारी कोर्ट को दे. चुनाव आयोग ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि अधिकतर नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं और जिनके नाम हटाए गए हैं, उनमें से अब तक किसी ने कोई शिकायत या अपील दर्ज नहीं करवाई है.

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग को गुरुवार यानी नौ अक्तूबर तक उपलब्ध जानकारी कोर्ट को सौंपनी होगी, क्योंकि उसी दिन इस मामले में अगली सुनवाई होगी. शीर्ष कोर्ट ने कहा कि मसौदा सूची और 30 सितंबर को प्रकाशित की गई अंतिम सूची सबके पास है, इसलिए दोनों सूचियों की तुलना करके जरूरी जानकारी दी जा सकती है. न्यायमूर्ति बागची ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी से कहा कि कोर्ट के आदेशों से चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जनसामान्य की पहुंच बढ़ी है.

सूची में किनके नाम जोड़े गए, स्पष्ट करना जरूरी: जस्टिस बागची: सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है, इसलिए किसके नाम जोड़े गए हैं (पुराने हटाए गए नाम हैं या नए मतदाता हैं) यह स्पष्ट किया जाना चाहिए ताकि भ्रम न हो. न्यायमूर्ति बागची ने कहा, आप भी मानेंगे कि पारदर्शिता और पहुंच में सुधार हुआ है. ऐसा लग रहा है कि आपने मसौदा सूची में 65 लाख नाम हटाए. हमने कहा था कि जो मृतक हैं या कहीं और चले गए हैं, उन्हें हटाना ठीक है. लेकिन अगर किसी का नाम हटा रहे हैं तो नियम 21 और एसओपी का पालन करें. उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा था कि हटाए गए नामों की जानकारी अपने दफ्तरों में लगाएं.
अब अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या बढ़ गई है, जिससे भ्रम की स्थिति बनी है कि जोड़े गए नाम पुराने हटाए गए लोगों के हैं या नए मतदाताओं के. इस पर वकील द्विवेदी ने जवाब दिया कि अधिकतर जोड़े गए नाम नए मतदाताओं के हैं. हालांकि, कुछ पुराने मतादाता भी हैं जिनके नाम मसौदा सूची के बाद जोड़े गए. उन्होंने कहा, अब तक किसी भी हटाए गए मतदाता ने कोई शिकायत या अपील दर्ज नहीं करवाई है.

बिहार में कोई शिकायत नहीं, बस दिल्ली को चिंता: चुनाव आयोग

आयोग ने सुनवाई के दौरान कहा कि बिहार के किसी वोटर ने कोई शिकायत नहीं की है, सिर्फ दिल्ली के संगठन चिंतित हैं. 65 लाख नाम हटाने के बाद 21.5 लाख नए वोटर जोड़े गए हैं. कोर्ट ने आयोग से पारदर्शिता और नियम 21 के पालन की बात दोहराई, जबकि याचिकाकर्ताओं ने मुस्लिम और महिला वोटरों के नामों में कटौती का मुद्दा उठाया. आयोग ने यह स्पष्ट किया कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची अधिसूचित की जा चुकी है और जो लोग वास्तविक रूप से प्रभावित हैं, वे आगे आकर शिकायत कर सकते हैं.

मिस्टर भूषण किसके लिए ये सब कर रहे, यहां कुछ एलियन हैं

याचिकाकर्ताओं की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी और प्रशांत भूषण पेश हुए. भूषण ने कहा,फाइनल लिस्ट की समीक्षा में पता चला कि इसने स्थिति को जटिल बनाया है. वोटर लिस्ट में सुधार के नाम पर बहुत लोगों को बाहर कर दिया गया. उन्होंने कोर्ट को 65 लोगों की एक सूची सौंपी और कहा कि ये लोग पीड़त हैं. इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, कुछ शिकायतें आई थीं, इसलिए कोर्ट ने इस पर निगरानी रखी, लेकिन दूसरे राज्यों में एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार-क्षेत्र है. जस्टिस सूर्यकांत ने प्रशांत भूषण से पूछा कि याचिकाकर्ता किसके लिए ऐसा कर रहे हैं. उन्होंने कहा, यहां कुछ एलियन भी हैं जो वोटर लिस्ट से उनका नाम हटाए जाने के लिए आवाज भी नहीं उठाएंगे. वे कोर्ट नहीं आएंगे. तो मिस्टर भूषण आप किसके लिए ये सब कर रहे हैं? जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम नहीं चाहते कि यह मामला एक अनियंत्रित पूछताछ बन जाए.

सुप्रीम कोर्ट में माइक म्यूट कर जजों ने की बात

गवई बोले-आजकल क्लाइंट बहुत नाराज हो जाते हैं

शुभम संदेश डेस्क

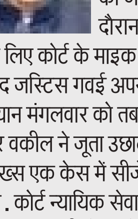

चीफ जस्टिस बीआर गवई ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के बाद सोशल मीडिया में चलने वाले ट्रेंड पर एक तंज कसा है. कहा कि अब क्लाइंट को जल्दी बुरा लग जाता है. आपके मुवक्किल नाराज हो जाते हैं. जस्टिस गवई ने ये टिप्पणी तब की जब एक केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस चंद्रन ने कुछ सेकेंड के लिए कोर्ट के माइक को म्यूट कर दिया. इसके बाद जस्टिस गवई अपनी बात रख रहे थे. उनका ये बयान मंगलवार को तब आया, जब सोमवार को उन पर वकील ने जूता उछालने की कोशिश की थी. ये शख्स एक केस में सीजेआई की टिप्पणी से नाराज था. कोर्ट न्यायिक सेवा में पदोन्नति के सीमित मौकों के कारण एंट्री लेवल के पदों पर नियुक्त होने वाले युवा अफसरों के करियर में आने वाले ठहराव से जुड़े मुद्दे की सुनवाई कर रही थी. जस्टिस गवई और के चंद्रन की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी. इस दौरान जस्टिस चंद्रन को कुछ कहना था. कोर्ट में दूसरे वकील भी मौजूद थे. वो चाहते थे कि उनकी बात को सिर्फ सीजेआई ही सुनें. जस्टिस चंद्रन ने माइक को म्यूट कर दिया और अपनी बात की. तब सीजेआई ने कहा कि, आजकल सोशल मीडिया पर हमें कभी नहीं पता होता कि क्या रिपोर्ट होगा. हो सकता है कि आपका क्लाइंट बहुत नाराज हो जाए.

पांच जजों की संविधान पीठ को सौंपा करियर में ठहराव का मामला : बाद में कोर्ट ने न्यायिक अफसरों के करियर में ठहराव से जुड़े मुद्दों को पांच जजों की संविधान पीठ को सौंप दिया है. सीजेआई की पीठ ने न्यायिक अफसरों की सेवा शर्तों और करियर प्रगति से संबंधित मुद्दों पर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया.

सीएम हेमंत सोरेन को पीएमएलए ट्रिब्यूनल ने दी बड़ी राहत

ईडी को जब्त की गई बीएमडब्ल्यू कार तुरंत लौटाने का दिया आदेश

शुभम संदेश। रांची/नयी दिल्ली

दिल्ली स्थित प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के अपीलीय ट्रिब्यूनल ने सीएम हेमंत सोरेन के दिल्ली आवास से जब्त की गई लग्जरी बीएमडब्ल्यू एक्स7 कार को छोड़ने का आदेश दिया है. यह वाहन ईडी ने जनवरी 2024 में कथित भूमि घोटाला मामले में कार्रवाई के दौरान जब्त किया था.

ट्रिब्यूनल के सदस्य वी. आनंदराजन की पीठ ने 25 सितंबर 2025 को यह फैसला सुनाते हुए कहा कि ऐसी संपत्तियों को, जिनका मूल्य समय के साथ तेजी से घटता है, अस्पष्ट आशंकाओं के आधार पर अनिश्चित काल तक अपने कब्जे में रखना उचित नहीं है. आदेश में कहा गया कि वाहन को छह सप्ताह के भीतर उसके स्वामी को वापस किया जाए. 2021 मॉडल की यह बीएमडब्ल्यू एक्स7

कार भगवानदास होल्डिंग्स प्राइवेट लि. के नाम पर रजिस्टर्ड है. कंपनी ने इस जब्ती को चुनौती देते हुए दलील दी थी कि जब्ती के करीब 21 महीने बीत जाने के बाद भी ईडी यह साबित नहीं कर सकी कि यह वाहन अपराध की आय से जुड़ा है. साथ ही, न तो कंपनी और न ही उसके निदेशकों को किसी अभियोजन शिकायत या ईसीआईआर में आरोपी के रूप में नामित किया गया था.
ट्रिब्यूनल ने भी पाया कि ईडी वाहन को अपराध से जोड़ने वाला कोई सबूत पेश नहीं कर सका. ट्रिब्यूनल ने ईडी के तर्कों को अनुमान आधारित बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि जांच एजेंसी वाहन को अपराध की आय बताने में विफल रही. हालांकि, आदेश में यह भी कहा गया कि कंपनी एक वर्ष तक वाहन को न तो बेच सकेगी और न ही उसका अन्य किसी रूप में निपटान कर सकेगी. वाहन को अच्छे हालत में बनाए रखना भी आवश्यक होगा.
ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में ईडी को कोई नया सबूत मिलता है, तो वह उसके आधार पर कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र रहेगा. उल्लेखनीय है कि ट्रिब्यूनल पहले ही 22 मई 2025 को सोरेन आवास से जब्त अन्य वस्तुएं, जिनमें डिजिटल उपकरण भी शामिल थे, याचिकाकर्ता को लौटाने का आदेश दे चुका था. अब इस नए आदेश के साथ वाहन से जुड़ी अपील का भी निपटारा कर दिया गया है.

हिमाचल में चलती बस पर गिरा मलबा, 15 मरे

शिमला। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में भूस्खलन की वजह से 15 लोगों की मौत हो गई. दरअसल, लैंडस्लाइड की चपेट में एक बस आ गई. इस बस में कुल 30 यात्री सवार थे. लैंडस्लाइड का मलबा बस पर गिरने से यात्री दब गए. आठ लोगों के शव निकाले गए. मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है. बरठीं के समीप अचानक पहाड़ी दरकने से बस पर मलबा गिर गया. घटना पर सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ पूरी मज़बूती से खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी. मुख्यमंत्री निरंतर जिला प्रशासन के संपर्क में हैं और उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों में और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए हैं.

विदेश मंत्री जयशंकर बोले-भारत पर विशेष जिम्मेदारी

कई देश प्रेरणा के लिए हमारी ओर देख रहे हैं

एजेंसियां। नयी दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत पर एक विशेष जिम्मेदारी है, क्योंकि वैश्विक दक्षिण के कई देश हमसे प्रेरणा लेते हैं. उन्होंने यह बात मंगलवार को आयोजित ट्रस्ट एंड सेफ्टी इंडिया फेस्टिवल 2025 में कही. यह आयोजन फरवरी 2026 में होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की तैयारी का हिस्सा है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के भविष्य पर वैश्विक चर्चा होगी. जयशंकर ने कहा कि भारत आज दुनिया में डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का एक प्रेरणास्रोत बन चुका है, चाहे बात आधार, यूपीआई, या डिजिटल गवर्नेंस की हो. उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में जिस पैमाने पर जनता तक सेवाएं पहुंचाई हैं और शासन में पारदर्शिता व दक्षता लाई है, वह दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है.
उन्होंने कहा, जब मैं विदेश जाता हूं, तो वहां के नेता मुझसे भारत की डिजिटल सफलताओं की चर्चा करते हैं. अब यह चर्चा एआई के क्षेत्र तक पहुंच चुकी है. विदेश मंत्री ने कहा कि भारत जैसे विशाल समाज के लिए जिम्मेदार एआई की दिशा में काम करना बेहद जरूरी है. इसके लिए उन्होंने तीन प्रमुख कदम बताए. जिसमें स्वदेशी उपकरण और ढांचे तैयार करना, इन नवाचारों के लिए आत्म-मूल्यांकन प्रणाली बनाना.

सेहत की बात : कहीं आपको भी तो नहीं आ रहा समय से पहले बुढ़ापा...

इग्नोर न करें, गर्दन पर दिखने वाले संकेत, बदलें आदतें

शुभम संदेश डेस्क

उम्र बढ़ने के शुरुआती संकेत एक समय पर आंखों के आसपास या हाथों पर दिखते थे, लेकिन आजकल सिर्फ हमारे हाथों और आंखों पर ही नहीं बल्कि गर्दन पर भी बढ़ती उम्र के लक्षण दिखाई देते हैं. जिन्हें लोग अक्सर ही अनदेखा कर देते हैं, जबकि इन्हें समय रहते पहचान लेने से आप अपनी बढ़ती उम्र की रफ्तार को कम कर सकते हैं.

क्या होता है टेक नेक : लंदन के कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. डेरेक फिलिप्स के मुताबिक, टेक नेक वो समस्या है जिसमें हमारी गर्दन पर जल्दी झुर्रियां, ढीलापन और लाइनें आ जाती हैं. इसका सबसे बड़ा कारण लगातार घंटों फोन, टैबलेट या लैपटॉप देखते रहना है. टेक नेक उस असर को कहते हैं जो किसी गैजेट को देखते समय झुकने की वजह से गर्दन और स्किन पर पड़ता है. इसमें गर्दन की मसल्स और स्किन की बनावट और क्वालिटी पर असर आता है. टेक पर झुकने की आदत और ब्लू लाइट का प्रभाव मिलकर टेक नेक पैदा करता है. इसका असर गर्दन और डिकॉलेज (छाती के ऊपरी हिस्से) पर झुर्रियों और स्किन टेक्सचर की समस्याओं के रूप में दिखता है.

आज ही बदलें अपनी ये आदतें

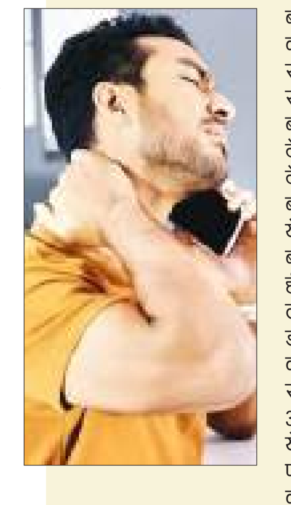

बहुत से लोग मिरर में अपनी गर्दन पर लाइनें देख कर समझते हैं कि लंबे सफर, जूम मीटिंग्स और सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग ने असर डाला है. अगर समय रहते आप अपनी रोजाना की आदतों में बदलाव नहीं करते हैं तो उम्र से पहले बुढ़ापा दस्तक दे जाएगा. डॉ. फिलिप्स बताते हैं कि फोन-लैपटॉप देखते समय झुके हुए पोस्चर अपनाने से बचना बहुत मदद करता है. सनस्क्रीन जरूरी है क्योंकि ये सूरज की किरणों और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है. बचाव करना जरूरी है क्योंकि ये दोनों ही उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज करते हैं.
लंदन की कॉस्मेटिक और मेडिकल डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. नोरा जाफर कहती हैं, इन्हें मैं टेक हाइजीन कहती हूं. डिवाइस को आंखों के लेवल पर रखना, नियमित ब्रेक लेना और सही पोस्चर अपनाना बहुत फर्क डालता है.
ये छोटे बदलाव लंबे समय में मसल्स और स्किन पर पड़ने वाले स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं.

स्किनकेयर का ध्यान रखें

- दोनों डर्मेटोलॉजिस्ट मानते हैं कि गर्दन पर लगाया गया प्रोडक्ट भी बहुत मायने रखते हैं.
- सनस्क्रीन हर किसी की स्किनकेयर रूटीन का हिस्सा होना चाहिए. ये झुर्रियों, लाइनें और हाइपरपिग्मेंटेशन से बचाता है.
- रेटिनोइड्स स्किन को नए बनाने के प्रोसेस को तेज करते हैं.
- पेप्टाइड्स स्किन की मरम्मत में मदद करते हैं.
- एंटीऑक्सिडेंट्स, जैसे विटामिन सी, फ्री रेडिकल डैमेज से बचाते हैं.
- हयालुरोनिक एसिड जैसी हाइड्रेटिंग चेहरे पर आने वाली लाइनें कम दिखाने में मदद करती है.

अच्छी खबर: भारत के आगे कोई नहीं, वर्ल्ड बैंक की भी लगी मुहर

टैरिफ के बाद भी बढ़ेगी रफ्तार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत की ताकत पर फिर मुहर लग गई है. वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ के अनुमान बढ़ा दिए हैं. इसे 6.3% की जगह 6.5% कर दिया है. ऐसा इसलिए क्योंकि भारत में खपत लगातार मजबूत बनी हुई है.

इसी वजह से भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा. हालांकि, विश्व बैंक ने यह भी चेतावनी दी है कि अमेरिका की ओर से भारतीय निर्यात पर लगे 50% टैरिफ का आने वाले समय में देश पर असर पड़ेगा. इस वजह से 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5% से घटाकर 6.3% कर दिया गया है. वर्ल्ड बैंक से पहले कई अन्य वित्तीय संस्थानों और रेटिंग एजेंसियों ने भी

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपने अनुमानों को बढ़ाया है या सकारात्मक रेटिंग दी है. मसलन, आईएमएफ ने भारत की विकास दर को प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे आगे रहने का अनुमान लगाया है. इसके अलावा, स्टैंडर्ड एंड पूअर्स , मूडीज और फिच रेटिंग्स ने भी भारत के मजबूत आर्थिक संकेतकों, विशेषकर पूंजीगत व्यय और घरेलू मांग को देखते हुए भरोसा जताया है. ग्रोथ अनुमानों को ऊपर की ओर संशोधित किया है या भारत की सॉवरेन रेटिंग के आउटलुक को 'स्टेबल' से 'पॉजिटिव' में अपग्रेड किया है.

सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा

वर्ल्ड बैंक ने अपनी ताजा दक्षिण एशिया विकास अपडेट रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिकी टैरिफ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव से दक्षिण एशिया के आर्थिक विकास पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं. हालांकि, वर्ल्ड बैंक ने भारत के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ का अनुमान 6.3% से बढ़ाकर 6.5% कर दिया है. लेकिन, पूरे दक्षिण एशिया के लिए 2025 में 6.6% की तुलना में 2026 में विकास दर घटकर 5.8% रहने का अनुमान लगाया है. भारत के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में विकास दर 6.3% रहने की उम्मीद है. इसका मुख्य कारण अमेरिका की ओर से लगाए गए 50% टैरिफ हैं.

झारखंड में अब बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों पर कसेगा शिकंजा, सरकार ने बनाए सख्त नियम

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में अब बिना मान्यता के चल रहे निजी स्कूलों पर सरकार सख्ती करने जा रही है. झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने "निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार" नियमावली में संशोधन कर दिया है. इसके तहत अब सभी निजी स्कूलों को मान्यता लेना अनिवार्य कर दिया गया है.

राज्य में करीब 45,000 निजी स्कूल बिना मान्यता के चल रहे हैं, जो शहरी और ग्रामीण इलाकों में गरीब बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं. हालांकि, अब इन्हें भी सरकारी मान्यता लेनी होगी. राज्य के शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों से जल्द से जल्द ऑनलाइन आवेदन कर मान्यता लेने की अपील की है. विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी कीमत पर बिना मान्यता के स्कूल चलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती. बिना मान्.ता के स्कूल चलानेवालों पर सख्य कार्रवाई की जाएगी. जो मान्यता के लिए जरूरी है.

क्या हैं प्राइवेट स्कूल एंड वेलफेयर एसोसिएशन की मांगें: झारखंड प्राइवेट स्कूल एंड वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार के सामने कुछ अहम मांगे रखी हैं. पहली और सबसे महत्वपूर्ण मांग है जमीन की अनिवार्यता को खत्म किया जाए और स्कूल की संरचना, कमरे की साइज और छात्र संख्या के आधार पर मान्यता दी जाए. एसोसिएशन ने सीएनटी और एसपीटी एक्ट के तहत आनेवाली जमीनों को उपायुक्त के माध्यम से 30 साल के लिए लीज पर दिलाने की मांग रखी है. साथ ही कक्षा के कमरे की साइज छात्र संख्या के अनुसार तय की जाए. जिन स्कूलों को अभी तक यूडायस कोड नहीं मिला है,

नियम इतने कठिन हैं कि छोटे स्कूलों को मान्यता मिलना मुश्किल

छोटे स्कूलों को मान्यता लेने में कई अड़चनें आ रही हैं. खासकर 2019 में सरकार द्वारा बनाए गए नियम इतने कठिन हैं कि छोटे स्कूलों को मान्यता मिलना मुश्किल हो गया है.

जमीन की शर्तः ग्रामीण क्षेत्र में मिडिल स्कूल के लिए 1 एकड़ और शहरी क्षेत्र में 75 डिसमिल जमीन की जरूरत बताई गई है.

लीज की समस्याः स्कूल की जमीन कम से कम 30 साल के लिए रजिस्टर्ड या लीज पर होनी चाहिए. लेकिन झारखंड में लागू सीएनटी और एसपीटी एक्ट के कारण आदिवासी जमीन पर सिर्फ 5 साल की लीज ही दी जा सकती है.

यू-डाइस कोडः कई स्कूलों के पास अभी तक यू-डाइस कोड नहीं है,

अमरप्रीत सिंह काले ने की एनसीएमईआई के कार्यकारी अध्यक्ष से मुलाक़ात

झारखंड के अल्पसंख्यक स्कूलों और कॉलेजों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की

शुभम संदेश। रांची/नयी दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित जीवन तारा बिल्डिंग में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग (एनसीएमईआई) के कार्यकारी अध्यक्ष शाहिद अख्तर से शिष्टाचार मुलाक़ात की. इस अवसर पर उन्हें शहीद-ए-आज़म भगत सिंह द्वारा जेल में रहते हुए लिखे गए पत्रों और संस्मरणों के संकलन पर आधारित पुस्तक भी भेंट की. काले ने झारखंड में अल्पसंख्यक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की और कहा कि राज्य के अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को और सशक्त व प्रभावी बनाने के लिए नीति-स्तर पर समझ और संवेदनशीलता बढ़ाने की आवश्यकता है.

काले ने आयोग के समक्ष कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे. शाहिद अख्तर ने उनके सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि इन बिंदुओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और झारखंड में अल्पसंख्यक शिक्षा के उत्थान के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा. काले ने कहा कि शाहिद अख्तर का सकारात्मक दृष्टिकोण और संवेदनशीलता निश्चित रूप से झारखंड में अल्पसंख्यक शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगी.

आद्रा रेल डिवीजन में मेनटेनेंस वर्क

टाटानगर से चलनेवाली कई ट्रेनें रद्द, कुछ का रुट बदला तो कुछ शार्ट टर्मिनेट की गईं

रांची। आद्रा रेल डिवीजन में जारी विकास और मरम्मत कार्यों की वजह से टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है. कुछ ट्रेनें रद्द की गई हैं, तो कुछ को तय स्टेशन से पहले ही समाप्त कर दिया जाएगा या उनका रूट बदला जाएगा. रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, 68056 टाटा-आसनसोल मेमू ट्रेन 11 अक्तूबर को पूरी तरह रद्द रहेगी. वहीं यही ट्रेन 7 अक्तूबर को आद्रा स्टेशन पर ही शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगी. इसके अलावा 68055 आसनसोल-टाटा मेमू भी 7 अक्तूबर को आद्रा में ही समाप्त कर दी जाएगी. इसी तरह 18109/18110 झाड़ग्राम-धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन 7 - 10 अक्तूबर को बोकारो स्टील सिटी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी.विकास कार्यों के चलते कुछ ट्रेनों का मार्ग भी बदला गया है. 18601 टाटा-हटिया मेमू ट्रेन 8 अक्तूबर को चांडिल से गंडा बिहार होकर मुरी जाएगी, यानी वह इस दिन पुरुलिया स्टेशन नहीं जाएगी. वहीं, 68088 धनबाद-बांकुड़ा मेमू पैसेंजर ट्रेन 10, 11 और 12 अक्तूबर को दो घंटे की देरी से खुलेगी. रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की समयसारणी और रूट की जानकारी रेलवे की वेबसाइट या हेल्पलाइन से जरूर प्राप्त करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके.

आदिवासी अस्तित्व बचाओ मोर्चा की 12 अक्तूबर को मोरहाबादी मैदान में महारैली

कुड़मी समाज झूठा इतिहास गढ़ कर आदिवासी समाज पर कब्जा करना चाहता है : ग्लैडशन डुंगडुंग

शुभम संदेश। रांची

आदिवासी अस्तित्व बचाओ मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक सिरमटोली सरना स्थल में हुई, जिसमें 12 अक्टूबर को मोरहाबादी मैदान में होने वाली आदिवासी महारैली की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई. बैठक की अध्यक्षता संगठन के अगुवा अजय तिर्की ने की. उन्होंने कहा कि 12 अक्टूबर को मोरहाबादी मैदान में होनेवाली महारैली में 24 जिलों के 32 जनजातीय समुदायों के लोग पारंपरिक वेषभूषा और पारंपरिक हथियारों के साथ बड़ी संख्या में शामिल होंगे. यह महारैली आदिवासियों के हक और अस्तित्व की रक्षा के लिए ऐतिहासिक एकजुटता का प्रतीक होगी. तिर्की ने बताया कि इस रैली में अन्य समुदायों के लोग भी शामिल होकर अपना समर्थन दे सकते हैं.

राज्य में अस्थिरता फैलाने का प्रयास किया जा रहा : मौके पर ग्लैडसन डुंगडुंग ने कहा कि कुड़मी महतो समाज झूठा इतिहास गढ़कर आदिवासी समाज पर कब्जा करना चाहता है. वे कभी ओबीसी बनते हैं, तो कभी खुद को शिवाजी का वंशज बताते हैं. राज्य में अस्थिरता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि आजसू पार्टी के नेता चंद्रप्रकाश चौधरी खुद ओबीसी आरक्षण को लेकर कोर्ट जाते हैं, जबकि अब आदिवासी दर्जे की मांग कर रहे हैं, जो विरोधाभासी है.

बैठक में प्रवीण कच्छप (एआईसीएमएफ, जोती, एकेएसपी), नवीन तिर्की (राजी पड़हा सरना), रुपचंद तिर्की (केंद्रीय सरना समिति), सुषमा विरुली (एकेएसपी), एतवा उरांव, धरती आबा मांरज गोमको दिशोम गुरु वीर बुधु भगत झारखंड बचाव, प्रकाश उरांव (केंद्रीय सरना समिति), बबलू उरांव, अनिल बरी, अजित कुमार, किष्णा लोहरा समेत राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि मौजूद रहे.

लाभ पाने के लिए आदिवासी बनने का प्रयास कर रहे कुड़मी-महतोः सुषमा बड़ाईक

सुषमा बड़ाईक ने कहा कि कुड़मी, कुरमी और महतो एक ही समाज हैं, जो केवल लाभ पाने के लिए बार-बार आदिवासी बनने का प्रयास कर रहे हैं. आदिवासी इस देश के प्रथम नागरिक हैं जिन्होंने आजादी के लिए असंख्य बलिदान दिए, पर आज उनके अस्तित्व पर संकट खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष केवल झारखंड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे देश में आदिवासी एकजुट होकर विरोध करेंगे।

जब-जब कुड़मी समाज मांग करेगा, आदिवासी समाज विरोध करेगा : फूलचंद

फूलचंद तिर्की ने कहा कि जब-जब कुड़मी समाज आदिवासी दर्जे की मांग करेगा, आदिवासी समाज उसका विरोध करता रहेगा. वहीं सुषमा बिरुली ने कहा कि "यदि कुड़मी समाज एसटी दर्जे की मांग को लेकर रेल टेका आंदोलन करता है, तो सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए.

आज आदिवासियों पर चारों ओर से हमला हो रहा : प्रवीण कच्छप

प्रवीण कच्छप ने कहा कि आज आदिवासियों पर चारों ओर से हमला हो रहा है. कुड़मी समाज कभी भी आदिवासी नहीं था और न रहेगा. उन्होंने कहा कि समाज को गुमराह कर राजनीतिक लाभ लेने का षड्यंत्र रचा जा रहा है.

एक नजर

मंत्री इरफान ने भाजपा से पूछा, क्या मेरे धर्म के चलते आप मुझ पर व्यक्तिगत हमले करते हैं

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भाजपा पर व्यक्तिगत हमला करने का आरोप लगाया है. वह भाजपा नेताओं द्वारा बार-बार किये जाने वाले निजी हमलों की वजह से आहत हैं. उन्होंने अपनी पीड़ा साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जब से उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाली है, वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से जनता की सेवा में लगे हैं. उनकी प्राथमिकता हमेशा हर धर्म, हर वर्ग और हर नागरिक के स्वास्थ्य की सुरक्षा रही है. इरफान अंसारी ने आगे लिखा है- दुख की बात है कि भाजपा बार-बार उन्हें बिना किसी ठोस मुद्दे के निशाना बनाया जा रहा है. उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि क्या आप मुझे गालियां सिर्फ इसलिए देते हैं क्योंकि मैं मुस्लिम हूं? क्या मेरे धर्म के चलते आप मुझपर व्यक्तिगत हमले करते हैं. स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि उनके लिए राजनीति सेवा का माध्यम है और मैं अपने कार्य और समर्पण से जवाब दे रहा हूं.

सीजेआई पर जूता फेंकने की घटना संवैधानिक मंदिर पर खुला प्रहार हैः विजय शंकर नायक

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई पर जूता फेंकने की घटना को संवैधानिक मंदिर पर खुला प्रहार बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ व्यक्तिगत अपमान है, बल्कि मनुवादी विचारधारा का काला जहर है, जो सदियों से दलित, आदिवासी व वंचित समुदायों को संवैधानिक समानता से वंचित करने की साजिश रचता रहा है. नायक ने सरकार से मांग की कि दोषी की तत्काल गिरफ्तार कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और मुख्य न्यायाधीशों की सुरक्षा बढ़ायी जाए.

एसबीयू और यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया के बीच हुआ करार

नामकुम (रांची)। सरला बिरला यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया के बीच शैक्षणिक सहयोग पर सहमति बनी है. इससे संबंधित एमओयू पर एसबीयू के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक और यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया नेमिरोवसकी फैमिली डीन प्रो. विजय कुमार ने हस्ताक्षर किए. दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अब शोध, परामर्श, शैक्षणिक व अन्यान्य क्रियाकलापों से संबंधित गतिविधियों का आदान- प्रदान होगा. अमेरिका के शीर्षस्थ आईवी लीग विश्वविद्यालयों में शुमार यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में न सिर्फ अमेरिका, बल्कि वैश्विक स्तर पर जाना-पहचाना नाम है. संस्थान में स्थापित 190 रिसर्च सेंटर और विशेषज्ञ शिक्षक दुनिया भर के शोधार्थियों को यहां शोध के लिए प्रेरित करते हैं.

राज्य के 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में कल से शुरू होगी एसए1 परीक्षा

8 नवंबर को मिलेगा डिजिटल रिपोर्ट कार्ड

शुभम संदेश। रांची

खास बातें

- कक्षा 1-2 के लिए मौखिक परीक्षा, बाकी के लिए लिखित परीक्षा की तैयारी पूरी
- प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाएं स्कूलों तक पहुंचीं, परीक्षा संचालन के लिए एसओपी जारी
- कदाचार रोकने और अनुशासन बनाए रखने पर दिया गया विशेष जोर
- 1 नवंबर तक ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर अंक अपडेट करना अनिवार्य

राज्य के 80 मुख्यमंत्री स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में समिटिव असेसमेंट-1 (एसए1) परीक्षा बुधवार से शुरू होगी. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने सभी स्कूलों को प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाएं भेज दी हैं. कक्षा 1 और 2 के लिए मौखिक परीक्षा होगी, जबकि कक्षा 3 से 12 तक के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा. परीक्षा की सुचारू व्यवस्था के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी कर दी गयी है. राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन की अध्यक्षता में हुई वर्चुअल बैठक में सभी जिलों को परीक्षा में कदाचार रोकने, अनुशासन बनाए रखने और परीक्षा उपरांत रेमिडियल कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए. मूल्यांकन के बाद 1 नवंबर तक सभी छात्रों के अंक ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर अपडेट करना अनिवार्य है. परीक्षा परिणाम आठ नवंबर को डिजिटल रिपोर्ट कार्ड के रूप में जारी किया जाएगा.

सरकारी नौकरी चाहिए तो हो जाइए तैयार, एसएससी ने निकाली बंपर वैकेंसी

रांची। क्या आप भी सरकारी नौकरी की तलाश में हैं. क्या आप भी एक सरकारी कर्मचारी बनकर लाखों कमाना चाहते हैं तो हो जाइए तैयार. कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने सीपीओ सब इंस्टपेक्टर (एसएसएस-सीपीओ सब इंसपेक्टर 2025) के लिए आवेदन निकाला है. एसएससी ने 3073 पदों के लिए आवेदन निकाला है. ऑफिसियल नॉटिफिकेशन के आधार पर कुल 3073 पदो पर आवेदन मांगा गया है. हालांकि इसके लिए वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं जो ग्रेजुएट हो. एसएससी सब इंस्पेक्टर भर्ती 2025 के लिए योग्य उम्मीदवार एसएससी की ऑफिसियल साइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं.आवेदन की अंतिम तारीख 16 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है.

रांची में कांग्रेस का वोट चोर-गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान शुरू हुआ

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू बोले- लोकतंत्र की रक्षा करना जरूरी

शुभम संदेश। रांची

रांची महानगर कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को वोट चोर-गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की. महानगर क्षेत्र के बीस में से मंगलवार को छह प्रखंड में यह अभियान चलाया गया, जिसकी शुरुआत झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज साहू, कांके के विधायक सुरेश कुमार बैठा, गजेंद्र सिंह की उपस्थित में की. अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष डॉ कुमार राजा के निर्देशानुसार महानगर उपाध्यक्ष प्रिंस बट्ट ने की.

प्रदेश प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन सृजन की अद्यतन जानकारी ली. इसमें अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए समय सीमा तय की गई.इसके बाद हस्ताक्षर अभियान का लक्ष्य सभी पंचायत एवं प्रखंड अध्यक्ष को दिया गया. इसके साथ सभी मोर्चा संगठन को भी हस्ताक्षर अभियान चलाने को कहा गया. झारखंड प्रभारी के राजू ने कहा जिस तरह हमारे नेता राहुल गांधी ने तमाम तथ्यों और सबूतों के साथ वोट चोरी के मामले उजागर किए हैं, अब जरूरत है कि उन तथ्यों को हम जन-जन तक पहुंचाएं, ताकि लोकतंत्र की रक्षा की जा सके. प्रभारी राजू ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा करना जरूरी है.

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या का प्रयास विभिन्न माध्यमों से कर रही है. चुनाव आयोग भी सरकार की कठपुतली बन गया है. लगातार अनैतिक तरीकों से वोट चोरी की जा रही है, इसे रोकना, देश बचाना और जीतना जरूरी है. झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर बड़ी जिम्मेदारी है कि हम वोट चोरी को रोकने के लिए इस देश की जनता को जागरूक करें.

मौके पर प्रदेश के सचिव शाहबाज अहमद, रांची महानगर के उपाध्यक्ष जॉय चक्रवर्ती, शारीक अहमद, प्रखंड अध्यक्ष विक्की करमाली, मो तौहीद, इबरार खान, कुमार कौशल गांधी, अंकित सिंह, युसूफ अंसारी, ओवैस अंसारी मौजूद थे.

घाटशिला उपचुनाव : हेमंत सोरेन ने बुलाई झामुमो की अहम बैठक

चंपाई की सियासी ताकत की होगी असली परीक्षा, जयराम महतो पर टिकी नजरें

शुभम संदेश। रांची

घाटशिला विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया है. 11 नवंबर को मतदान होगा और 14 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे. यह उपचुनाव पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के कारण हो रहा है. ऐसे में यह सिर्फ एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की साख और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की राजनीतिक ताकत की परीक्षा बन गया है.

चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक 15 अक्टूबर को बुलाई है. यह बैठक सुबह 11 बजे हरमू स्थित सोहराई भवन में होगी, जिसमें पार्टी की केंद्रीय समिति के पदाधिकारी, सभी जिलाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष, सचिव और संयोजकों को आमंत्रित किया गया है. बैठक में घाटशिला उपचुनाव के साथ-साथ बिहार विधानसभा चुनाव, पार्टी की सांगठनिक स्थिति, सदस्यता अभियान और हाल ही में हुए 13वें केंद्रीय महाधिवेशन के बाद की रणनीति पर भी चर्चा होगी.

इस उपचुनाव में झामुमो और बीजेपी आमने-सामने हैं, लेकिन असली मुकाबला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की प्रतिष्ठा का है. चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन के बीजेपी से चुनाव लड़ने की संभावना है, जबकि झामुमो से रामदास सोरेन के बेटे सोमेश सोरेन के नाम पर लगभग मुहर लग चुकी है. हालांकि, दोनों पार्टियों ने आधिकारिक उम्मीदवार की घोषणा अभी नहीं की है.

2024 के विधानसभा चुनाव में बाबूलाल को रामदास सोरेन से 22,000 से अधिक वोटों से करारी हार झेलनी पड़ी थी. अब एक बार फिर मैदान में उतरने की चर्चा है, लेकिन इस बार उन्हें सहानुभूति लहर को तोड़ने की बड़ी चुनौती होगी.

इस चुनाव में एक और अहम फैक्टर होंगे जयराम महतो. 2024 के चुनाव में उनकी पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा को घाटशिला में लगभग 8,000 वोट मिले थे. अब देखना होगा कि क्या जयराम इस उपचुनाव में अपना उम्मीदवार उतारते हैं या नहीं. डुमरी उपचुनाव में उन्होंने झामुमो का समर्थन किया था, लेकिन इस बार हालात अलग हैं. रामदास सोरेन के बेटे सोमेश को मंत्री नहीं बनाए जाने से समीकरण बदल सकते हैं. इस बीच एनडीए की कोशिश है कि जयराम को अपने खेमे में लाया जाए, जबकि जयराम अब तक उपचुनाव को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं. सितंबर में उनका घाटशिला दौरा तय था, लेकिन तबीयत खराब होने के चलते कार्यक्रम रद्द हो गया और फिलहाल उनकी ओर से कोई सक्रियता भी नजर नहीं आ रही.

कुल मिलाकर घाटशिला उपचुनाव राज्य की सियासत में बड़ा संदेश देने वाला चुनाव बन गया है. जहां हेमंत सोरेन की सरकार के प्रदर्शन की परीक्षा होगी, वहीं चंपाई सोरेन के राजनीतिक प्रभाव और जयराम महतो की भूमिका पर भी सबकी नजरें टिकी होंगी.

छात्रवृत्ति के लिए आज कल्याण कांप्लेक्स का घेराव करेगा आजसू छात्र संघ

सरकार को चेतावनी, छात्रवृत्ति तुरंत जारी करे, नहीं तो उग्र आंदोलन होगा

शुभम संदेश। रांची

आजसू छात्र संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो ने मंगलवार को राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य सरकार छात्रों के साथ अन्याय कर रही है. महीनों से छात्र अपनी छात्रवृत्ति की प्रतीक्षा में दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन सरकार की तरफ से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है. बबलू महतो ने कहा कि सरकार की लापरवाही ने छात्रों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है. अगर सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करेगी, तो अब वे चुप नहीं बैठेंगे. बुधवार को राज्य के सभी 24 जिलों के छात्र रांची पहुंच कर कल्याण कॉम्प्लेक्स का घेराव करेंगे. यह सरकार को चेतावनी है, छात्रवृत्ति तुरंत जारी करे, नहीं तो उग्र आंदोलन होगा.

महतो ने आगे कहा कि आजसू छात्र संघ लंबे समय से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें रखता आ रहा है, लेकिन सरकार की कानों तक छात्रों की आवाज़ नहीं पहुंच पा रही है. अब यह आंदोलन छात्रों के अधिकार और सम्मान की लड़ाई बन चुका है. उन्होंने सभी जिलों के छात्रों, अभिभावकों और युवा साथियों से बुधवार को रांची पहुंचकर कल्याण कॉम्प्लेक्स के घेराव में शामिल होने की अपील की है. उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि छात्र अपनी ताकत दिखाएं. जब तक हर छात्र को उसका हक, छात्रवृत्ति जबतक नहीं मिलती, तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी. मौके पर रवि रोशन , योगेश, प्रियांशु, बट्टू, शिवम, विवेक, सूरज, अंशु, ऋतिक मौजूद थे.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 08 अक्तूबर 2025 | कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा, संवत 2082 | रांची एवं पटना से प्रकाशित | वर्ष : 3, अंक : 179 | मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

सारंडा मामला : सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

मुख्य सचिव सशरीर होंगे हाजिर!

शुभम संदेश | रांची

सारंडा को सेंक्चुअरी घोषित करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार आठ अक्तूबर को सुनवाई होगी. मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायाधीश के विनोद चंद्रन की पीठ में इस मामले की सुनवाई होगी. कोर्ट द्वारा 17 सितंबर को दिये गये निर्देश के आलोक में मुख्य सचिव को सुबह 10.30 बजे कोर्ट में हाजिर रहना है. बता दें कि एनजीटी ने सारंडा के 31468.25 हेक्टेयर क्षेत्रफल को सेंक्चुअरी घोषित करने का आदेश दिया था. लेकिन पीसीसीएफ ने 57519.41 हेक्टोयर को सेंक्चुअरी घोषित करने का प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा. एनजीटी के आदेश पर कार्रवाई नहीं करने की वजह से यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा.

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की सुस्ती पर नाराजगी जताने और वन सचिव को कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया. इसके बाद वन सचिव कोर्ट में हाजिर हुए और बिना शर्त माफी मांगी. साथ ही शपथ पत्र दायर कर 57519.41 हेक्टेयर को सेंक्चुअरी घोषित करने के मामले में चल रही प्रक्रिया की जानकारी दी. कोर्ट ने इसे स्वीकार करते हुए डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट मिलने के दो महीने के अंदर सेंक्चुअरी घोषित करने का आदेश दिया. 17 सितंबर को हुई सुनवाई के दौरान इस आदेश का अनुपालन नहीं होने की जानकारी मिलने पर कोर्ट ने नाराजगी जतायी और इसे अवमानना माना. मुख्य सचिव से जवाब तलब किया गया और आठ अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया. कोर्ट ने अपने आदेश में यह कहा था कि अगर इससे पहले तक सेंक्चुअरी घोषित कर दिया जाता है, तो मुख्य सचिव को सशरीर हाजिर होने से मुक्त कर दिया जाएगा. लेकिन राज्य सरकार ने सेंक्चुअरी घोषित करने के मामले में मंत्रियों की एक समिति बना दी है. सरकार का मानना है कि 57519.41 हेक्टेयर को सेंक्चुअरी घोषित करने पर लौह अयस्क का पूरा क्षेत्र इसमें शामिल हो जायेगा. इससे राज्य की प्रगति प्रभावित होगी.

विधायक सरयू राय ने कहा-भ्रम न पैदा करे सरकार

शुभम संदेश | जमशेदपुर

जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने दो टूक कहा है कि सारंडा के संबंध में झारखंड सरकार को स्पष्ट प्रतिवेदन जनता के सामने रखना चाहिए. भ्रम की स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिए. सारंडा सघन वन क्षेत्र में लौह अयस्क खनन के साथ ही पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों, वन्य जीवों, जैव विविधताओं आदि का संरक्षण करने को प्राथमिकता देने की बात होनी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस बारे में भ्रम की स्थिति में है. राज्य सरकार को सरकार के भीतर वन, खान, उद्योग, वित्त विभागों के भीतर व्याप्त विरोधाभास को दूर करना चाहिए. मंगलवार को यहां जारी एक बयान में सरयू राय ने कहा कि सारंडा में लौह अयस्क का खनन 1909 से हो रहा है. सारंडा के बारे में वन विभाग ने अबतक तीन महत्वपूर्ण वर्किंग प्लान तैयार किया है. पहला वर्किंग प्लान 1936 से 1956 तक की लिए एसएफ मुनी का बनाया हुआ है. दूसरा वर्किंग प्लान 1956 से 1976 तक चला, जिसे जेएन सिन्हा ने बनाया था. तीसरा वर्किंग प्लान 1976 से लेकर 1996 तक चला, जिसे राजहंस ने बनाया था. सरकार को चाहिए कि तीनों वर्किंग प्लान का अध्ययन करे और यह भी बताए कि 1996 के बाद सारंडा के लिए कोई वर्किंग प्लान राज्य सरकार ने क्यों नहीं बनाया? इन तीनों वर्किंग प्लान में विस्तार से सारंडा में वन भूमि के संरक्षण और खनन गतिविधियों के बारे में विस्तृत ब्यौरा है.

तीन सारंडा वर्किंग प्लान्स बने हैं, उनका अध्ययन क्यों नहीं करती सरकार

सारंडा के संदर्भ में निम्नांकित बिंदुओं पर मुख्य रूप से विचार किया जाना चाहिए

1. सारंडा सघन वन क्षेत्र में मौजूद साल का पेड़ का महत्व स्टील से कम नहीं है. एक कहावत है साल के बारे में 100 साल खड़ा, 100 साल पड़ा, फिर भी जौ बराबर भी नहीं सड़ा.
2. 2003 में भारत सरकार के डीजी फॉरेस्ट ने सभी राज्यों को वनों के संरक्षण के बारे में पत्र लिखा. उसके आधार पर झारखंड सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग ने तीन-चार वर्षों तक अध्ययन किया. अध्ययन के बाद इस राज्य में झामुमो समर्थित मधु कोड़ा की सरकार थी, उस समय के वन मंत्री सुधीर महतो ने सरकार के सामने सारंडा में अभग्न क्षेत्रों को घोषित करने का प्रस्ताव भेजा. अभग्न क्षेत्र का अर्थ है कि इनमें कोई भी ऐसी गतिविधि नहीं होगी, जिससे वन को नुकसान हो. सारंडा का कुल क्षेत्रफल करीब-करीब 851 वर्ग किलोमीटर है. इसमें से सुधीर महतो के नेतृत्व में 630 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अभग्न क्षेत्र घोषित करने का प्रस्ताव सरकार को 2009 में भेजा गया. सरकार ने आज तक उस प्रस्ताव को न तो नकारा और ना ही स्वीकार किया. इसके पीछे का क्या कारण है?
3. जब मधु कोड़ा सीएम थे तो उस समय इतने माइनिंग लीज के आवेदनों को राज्य सरकार ने स्वीकार किया कि सभी का क्षेत्रफल अगर जोड़ दें तो यह सारंडा के कुल क्षेत्रफल से अधिक हो जाता था. उन्होंने कहा कि मैंने तभी यह मामला उठाया था, जिसमें अवैध खनन भी था.
4. भारत सरकार ने 2010 में रिटायर्ड जस्टिस एम बी शाह के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई. इस कमेटी ने अपने प्रतिवेदन में झारखंड में अवैध खनन के बारे में और वनों के संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया.
5. 2011 में भारत सरकार के निर्देश पर झारखंड सरकार ने इंटीग्रेटेड वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट प्लान बनाने के लिए एक समिति बनाई. उस समिति ने साल भर के बाद रिपोर्ट दी. इस समिति की रिपोर्ट पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई. इसमें लौह अयस्क खनन के संदर्भ में वन्यजीवों के संरक्षण और वनों के संरक्षण का विस्तृत उल्लेख है.
6. इसके बाद भारत सरकार ने 2014 में सारंडा का कैरिंग कैपेसिटी के बारे में अध्ययन के लिए एक बहुआयामी विशेषज्ञों का समूह बनाया. इस समूह ने सारंडा वन क्षेत्र में खनन एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन किया कि ऐसी कितनी आर्थिक गतिविधियों का बोझ सारंडा बर्दाश्त कर पाएगा. इस प्रतिवेदन पर भी सरकार चुप रही. कुछ नहीं किया.
7. इसके बाद भारत सरकार ने एक और कमेटी माइनिंग प्लान फॉर सस्टेनेबुल माइनिंग के लिए बनाया. इस समिति ने रिपोर्ट दिया कि सारंडा में इस तरह से माइनिंग हो कि वन एवं वन्य जीवों का संरक्षण भी हो. इसने सारंडा के नक्शे पर माइनिंग ज़ोन एवं नो माइनिंग ज़ोन चिन्हित किया. इन सभी उच्च स्तरीय समितियों के प्रतिवेदनों का सरकार अध्ययन करे और तब निष्कर्ष पर पहुंचे.

सरयू राय ने कहा कि अब तक सारंडा में जितने क्षेत्रों में लौह अयस्क खनन हुआ है, उन सभी को माइनिंग ज़ोन में रखा गया है. यहां माइनिंग पर कोई प्रतिबंध नहीं है. प्रतिवर्ष औसतन 25 मिलियन टन लौह अयस्क का खनन यहां होते रहा है. इस तरह अगले 50 वर्षों तक के लिए यहां पर्याप्त लौह अयस्क भंडार है. उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार के खान विभाग के पास लौह अयस्क खनन क्षेत्र का जी-2 आंकड़ा नहीं है. ऐसी स्थिति में निवेशक यहां खनन के लिए आने के पहले सौ बार सोचेंगे. लौह अयस्क खनन का सारंडा वन क्षेत्र पर क्या प्रभाव पड़ा है, खनन करनेवालों ने सरकार के नियमों का कितना पालन किया और कितना उल्लंघन किया, इसके बारे में सरकार को एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए.

सरयू राय ने कहा कि अभी सवाल यह है कि पूरा सारंडा रिजर्व फॉरेस्ट है. रिजर्व फॉरेस्ट में सैंक्चुरी नहीं घोषित होगी तो भी यहां जो माइनिंग होगी, उस पर भारत सरकार के सारे नियम कानून लागू होंगे. एनवायरमेंट क्लीयरेंस लेना होगा, फॉरेस्ट क्लीयरेंस लेना होगा, फॉरेस्ट एडवायजरी कमेटी की अनुशंसा लेनी होगी, पर्यावरण, वन मंत्रालय का आदेश लेना होगा. सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दाखिल सारंडा सैंक्चुरी प्लान में स्पष्ट उल्लेख है कि स्थानीय निवासी के सभी वनाधिकार जस का तस रहेंगे.

जी, नीट व सीयूटी-यूजी के परीक्षा केंद्र अब आधार कार्ड के पते के अनुसार तय होंगे

रांची | जेईई, नीट यूजी और सीयूईटी यूजी की परीक्षा में उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र अब आधार कार्ड में लिखे पते के आधार पर ही आवंटित किया जाएगा. अब परीक्षार्थी अपनी मर्जी से किसी भी राज्य या शहर में परीक्षा केंद्र नहीं मांग सकेंगे. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने छात्रों और अभिभावकों के नाम नोटिस जारी कर यह जानकारी दी है. इसके मुताबिक, ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही छात्र अपने आधार कार्ड के पते में जरूरी बदलाव कर लें. आवेदन प्रक्रिया के बाद इसमें बदलाव संभव नहीं होगा. नोटिस में कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय दाखिला परीक्षा की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है. शुरुआत जेईई मेन-2026 की जनवरी सत्र की परीक्षा से होगी.

पाकुड़ के नगर प्रबंधक मृत्युंजय पांडेय का निधन

पाकुड़ | पाकुड़ नगर परिषद के नगर प्रबंधक मृत्युंजय पांडेय का आकस्मिक निधन हृदय गति रुकने से हो गया. वे आ य ुष्म ान आरोग्य मंदिर के उद्घाटन से पहले निरीक्षण हेतु संस्कृति भवन पहुंचे थे, जहां अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए. जानकारी मिलते ही नगर परिषद के कर्मचारियों ने तुरंत प्रशासक अमरेंद्र चौधरी को सूचित किया. प्रशासक मौके पर पहुंचे और पांडेय को तत्काल शहर के एक निजी नर्सिंग होम भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया. इलाज के लिए उन्हें पश्चिम बंगाल के एक नर्सिंग होम ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनका निधन हो गया.

पिता ने अविवाहित बेटी व नवजात की हत्या कर दफनाया, गिरफ्तार

गढ़वा | जिले से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है. यहां मेराल थाना क्षेत्र में एक पिता ने अपनी अविवाहित बेटी व उसके एक दिन के नवजात शिशु की निर्मम हत्या दी. इसके बाद दोनों के शवों को जमीन पर दफना दिया. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों शवों को कब्र से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया. पुलिस ने आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के मुताबिक आरोपी पिता ने बीते 3 अक्टूबर को अपनी नाबालिग बेटी और उसके नवजात की हत्या कर दोनों के शवों को नदी के किनारे दफना दिया था. हत्या की वारदात तब सामने आई, जब मृतका के प्रेमी ने थाना में लिखित आवेदन दिया. प्रेमी को पता चला था कि उसकी प्रेमिका और उसके नवजात की हत्या की साजिश रची जा रही है. अविवाहित लड़की ने तीन दिन पहले ही एक बालक को जन्म दिया था. उसके प्रेमी को इसकी जानकारी हो गई थी. बताया जाता है कि इससे पहले आरोपी पिता ने अपनी नाबालिग बेटी के प्रेमी पर उसे बहला-फुसलाकर विवाह का वादा कर शारीरिक शोषण करने के आरोप में जेल भिजवाया था. वह एक सप्ताह पहले ही जेल से छूट कर बाहर आया था. प्रेमी के आवेदन और सूचना को गंभीरता से लेते हुए मेराल थाना प्रभारी विष्णुकांत दल-बल के साथ गांव पहुंच कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है.

पत्नी से झगड़े पर चाचा ने डांटा, भतीजे ने कर दी हत्या

रांची | जिले के अड़की थाना क्षेत्र के कोरवा गांव से क्रूरता का वीभत्स मामला सामने आया है, जहां व्यक्ति ने अपनी पत्नी की पिटाई करने पर डांट पड़ने पर अपने चाचा की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी. आरोपी सुगना लोहरा ने अपने चाचा गंसा लोहरा पर कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे उनकी मौत हो गई. आरोपी शराब पीने का आदी था. अक्सर अपनी पत्नी से झगड़ा करता था. जब उसके चाचा गनसा ने उसे उसकी हरकतों के लिए डांटने-फटकारने की कोशिश की, तो सुगना अपना आपा खो बैठा. आधी रात को उसने गनसा पर टांगी से हमला कर दिया. इस भयावह घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित के छोटे बेटे ने अपने पिता के कमरे से आवाज़ें सुनीं, लेकिन वह डरकर जाकर देखने नहीं गया. कुछ मिनट बाद, उसने अपने पिता को खून से लथपथ पाया. फिर उसने अपने चाचा चोपा लोहरा और अपने बड़े भाई सुखनाथ लोहरा को इसकी सूचना दी. गांव में पेशे से लोहार गनसा लोहरा कुल्हाड़ी, हल और अन्य कृषि यंत्र जैसे औज़ार बनाकर बेचता था.

6 मांगों को लेकर जेएसएलपीएस कर्मियों का विरोध प्रदर्शन

मांगें पूरी न होने पर बेमियादी धरने की चेतावनी

शुभम संदेश | रांची

झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ ने पलाश जेएसएलपीएस के स्तर 7 और 8 के कर्मचारियों की 6 प्रमुख मांगों को लेकर राज्यस्तरीय दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया. यह विरोध प्रदर्शन मंगलवार से शुरू होकर बुधवार तक जेएसएलपीएस कार्यालय, इटकी रोड में आयोजित हो रहा है. इस विरोध में राज्य भर के विभिन्न जिलों से आए जेएसएलपीएस के एल7 और एल8 स्तर के कर्मचारी भाग ले रहे हैं.

बता दें कि झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ ने 2 अक्टूबर को पलाश जेएसएलपीएएस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को एक 6 सूत्री मांग पत्र सौंपा था. इस पत्र में कर्मचारियों ने अपनी 6 प्रमुख मांगों को उठाया है, जिनमें प्रमुख रूप से राज्यकर्मी का दर्जा देने, सेवा स्थायीकरण, वेतनमान और अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग की गई है. कर्मचारियों ने मांग की है कि पलाश जेएसएलपीएस के सोसाइटी एक्ट को समाप्त कर उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाए. जब तक राज्यकर्मी, सेवा स्थायीकरण और वेतनमान एनएमएमयू पॉलिसी के तहत लागू नहीं किया जाता, तब तक सामान्य कार्यों के लिए सामान्य वेतन सुनिश्चित किया जाए. इससे कर्मचारियों को उनके मेहनत का उचित मूल्य मिल सकेगा. कर्मचारियों ने केंद्र सरकार के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि एनएमएमयू पॉलिसी को लागू किया जाए. केंद्र सरकार ने 2024 के अंत तक इसे सभी राज्यों में लागू करने का निर्देश दिया है. कर्मचारियों का कहना है कि इस नीति को शीघ्र लागू किया जाए ताकि महंगाई के इस दौर में उन्हें कुछ आर्थिक राहत मिल सके.

प्रखंड स्तर के स्तर-07 और स्तर-08 के कर्मियों के लिए प्रोन्नति का मार्ग खोलने की भी मांग की गई. उनका कहना है कि उन्हें वरीयता, अनुभव और योग्यता के आधार पर उच्च पदों पर नियुक्त किया जाए, ताकि उनके काम में और दक्षता और जिम्मेदारी आए. कर्मियों ने सरकारी कर्मचारियों की तरह पलाश जेएसएलपीएस के कर्मचारियों के लिए 03% वार्षिक वेतन वृद्धि और महंगाई भत्ते को जोड़ते हुए 10% वार्षिक वेतन वृद्धि की मांग की है. साथ ही, अब तक की बकाए वेतन वृद्धि का लाभ शीघ्र देने की भी अपील की गई है, ताकि कर्मचारियों को उनके मेहनत का उचित पारिश्रमिक मिल सके. यह भी मांग की है कि स्तर-07 और स्तर-08 के कर्मियों को उनके गृह जिले के निकटवर्ती प्रखंडों में स्थायी रूप से पदस्थापित किया जाए. इससे सरकारी योजनाओं का कुशलता पूर्वक क्रियान्वयन हो सकेगा और कर्मी अपनी क्षेत्रीय जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा सकेंगे. कर्मचारियों ने विभाग के निर्देशों के आलोक में अब तक अन्य जिलों में तैनात कर्मियों को उनके गृह जिले के निकटवर्ती प्रखंडों में यथाशीघ्र पुनः पदस्थापित करने की मांग की है.

पुलिस ने कार से 91 किलो डोडा किया बरामद

हजारीबाग | रांची-पटना एनएच के 15 माइल के पास गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एक ऑल्टो कार सहित 6 बोरा डोडा जब्त किया है. एसपी अंजनी अंजन को मिली गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की है. मामले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विष्णुगढ़ के नेतृत्व में एक टीम गठित कर 15 माइल के पास वाहन चेकिंग प्रारंभ की गयी. वाहन चेकिंग के दौरान सोमवार देर रात में मांडू की ओर से आ रहे मारुति ऑल्टो के चालक ने पुलिस को चेकिंग करते देखकर गाड़ी को घुमाकर भागने लगा. जिसे सशस्त्र बल के सहयोग से पीछा किया गया. भाग रहे उक्त वाहन के चालक ने 15 माईल चेक पोस्ट के पास गाड़ी को बीच सड़क में खड़ा कर जंगल की ओर भाग गया. पुलिस ने वाहन मालिक और चालक के आने का काफी इंतजार किया. लेकिन कोई भी व्यक्ति वाहन के पास नहीं आया. गठित टीम के सहयोग से उक्त ऑल्टो कार की तलाशी ली गई. तलाशी के क्रम में छह बोरा डोडा का छिलका जिसका वजन लगभग 91 किलों पाया गया. जिसे जब्त कर कार सहित थाना लाया गया. इस संबंध में एसडीपीओ विष्णुगढ़, बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि वाहन मालिक पर विधिवत् मादक पदार्थ अधिनियम के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. साथ ही पुलिस इससे जुड़े अभियुक्त कि तलाश में जुट गई है.

धनबाद स्टेशन पर लगी लग्जेग स्कैनिंग मशीन में फंसा बच्चे का हाथ

धनबाद | धनबाद रेलवे स्टेशन पर सोमवार देर रात एक बड़ा हादसा टल गया, दरअसल लगेज स्कैनिंग मशीन में एक छोटे बच्चे का हाथ फंस गया. घटना स्टेशन के साउथ प्लेटफॉर्म साइड एग्जिट गेट पर हुई. करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. घटना में घायल बच्चे की पहचान शुभम अग्रवाल के रूप में हुई है. वह राजीव रंजन अग्रवाल उर्फ बबलू अग्रवाल का बेटा है, जो पुराना बाजार, धनबाद के रहने वाले हैं. सोमवार रात अग्रवाल परिवार इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से धनबाद पहुंचा था. बारिश के कारण परिवार स्टेशन के एग्जिट गेट के पास खड़ा था, तभी शुभम खेलते-खेलते लगेज स्कैनिंग मशीन के पास गया और उसका हाथ मशीन के अंदर फंस गया.

घटना के बाद स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई. मौके पर मौजूद रेलवे सुरक्षा बल और स्टेशन कर्मियों ने तत्काल मशीन का संचालन रोक दिया और बच्चे को निकालने का प्रयास शुरू किया लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद और मशीन के प्लेट को कटर की मदद से काटकर बच्चे का हाथ सुरक्षित बाहर निकाला गया.

आकाशीय बिजली से ट्रांसफॉर्मर वर्कशॉप में लगी भीषण आग

शुभम संदेश | धनबाद

हीरापुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से धनबाद थाना के पीछे स्थित ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग वर्कशॉप में आग लग गई. वर्कशॉप में रखे पुराने ट्रांसफॉर्मरों ने देखते ही देखते आग पकड़ ली, जिससे आसपास अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं. दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. आग बुझाने के दौरान माइनिंग रेस्क्यू टीम को भी मौके पर बुलाया गया था ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटा जा सके.

उत्साहजनक : जीएसटी कटौती से राजधानी रांची में वाहनों की बिक्री में रिकॉर्ड उछाल

बाजार में लौटी रौनक, 14 दिन में ही बिके 8805 वाहन

शुभम संदेश | रांची

राजधानी रांची के ऑटोमोबाइल बाजार में लंबे समय बाद जबरदस्त रौनक लौट आई है. सितंबर महीने में जीएसटी दरों में कमी का सीधा असर वाहन बिक्री पर देखने को मिला है. आंकड़ों के मुताबिक, इस महीने रांची में कुल 9576 वाहन बिके हैं, जो पिछले कई महीनों का रिकॉर्ड तोड़ आंकड़ा है. दिलचस्प बात यह है कि इनमें से 8805 वाहन केवल 14 दिनों के भीतर बिके, जो सामान्य मासिक बिक्री से भी कहीं अधिक है.

कार और दोपहिया की बढ़ी मांग: रांची के प्रमुख शोरूमों में कार और दोपहिया वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखा गया. आंकड़ों के अनुसार, 14 दिनों में 1525 कारें और 6422 बाइक व स्कूटी बिकीं. कई शोरूमों में लोकप्रिय मॉडल्स की वेटिंग लिस्ट लंबी हो गई है. ग्राहकों की भीड़ संभालने के लिए डीलर अतिरिक्त कर्मचारियों और अस्थायी काउंटरों की व्यवस्था कर रहे हैं.सिर्फ निजी वाहनों में ही नहीं, बल्कि ट्रैक्टर, ई-रिक्शा और अन्य वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. इस श्रेणी में 858 वाहनों की बिक्री दर्ज की गई. विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों से बड़ी संख्या में खरीदारों का रुख रांची की ओर हुआ है. इससे न केवल स्थानीय बाजार को मजबूती मिली है, बल्कि परिवहन और कृषि क्षेत्र में भी नई ऊर्जा आई है.

त्योहारी सीजन में और तेजी की उम्मीद: कारोबारियों का अनुमान है कि अक्टूबर-नवंबर के त्योहारी सीजन में यह रफ्तार और बढ़ेगी. दीपावली और छठ जैसे पर्वों के दौरान ग्राहकों की संख्या में भारी वृद्धि की संभावना है. वाहन डीलरों ने अतिरिक्त स्टॉक मंगाने, फाइनेंस स्कीम और आकर्षक ऑफर्स की तैयारी शुरू कर दी है.

आधे महीने में पूरी हुई महीने की बिक्री

आम तौर पर रांची में हर महीने करीब 8000 वाहन बिकते हैं, लेकिन इस बार सितंबर के पहले तीन हफ्तों तक बिक्री सुस्त रही. 21 सितंबर तक वाहन शोरूमों में ग्राहक कम दिख रहे थे. हालांकि, जैसे ही 22 सितंबर को जीएसटी में कटौती लागू हुई, बाजार में उत्साह लौट आया. महज 14 दिनों में ही वाहन बिक्री ने नए रिकॉर्ड बना दिए.

जीएसटी कटौती बनी प्रमुख वजह

ऑटोमोबाइल डीलरों और ग्राहकों दोनों का मानना है कि जीएसटी दरों में कमी से वाहनों की कुल कीमत में 6 से 8 प्रतिशत तक की गिरावट आई है. इससे मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं को राहत मिली है और वाहन खरीदना पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गया है. कई उपभोक्ताओं ने बताया कि वे पहले से खरीदारी टाल रहे थे, लेकिन टैक्स घटने के बाद अब उन्हें बेहतर डील मिल रही है.

सारंडा जंगल में एक और हथिनी आईईडी विस्फोट में गंभीर

शुभम संदेश | चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा स्थित सारंडा जंगल में एक बार फिर एक मादा हाथी गंभीर रूप से घायल मिली है. यह घटना मनोहरपुर प्रखंड के बांधटोली गांव के पास, कंपार्टमेंट संख्या-36 में सामने आई है. घायल हथिनी की उम्र लगभग 8 से 10 वर्ष बताई जा रही है. उसके अगले दाहिने पैर में गहरा जख्म है और सभी उंगलियां क्षतिग्रस्त हैं. वन विभाग को आशंका है कि यह घायल हथिनी माओवादियों द्वारा बिछाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आई है. यह घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है, जिसका वीडियो अब सामने आया है. उल्लेखनीय है कि बीते तीन महीनों में सारंडा जंगल में हाथियों के घायल या मारे जाने की यह तीसरी घटना है, जिससे वन्यजीव प्रेमियों और अधिकारियों के बीच

गहरी चिंता व्याप्त है.

पहले भी हो चुकी हैं दो हाथियों की मौत : सारंडा में इससे पहले भी जुलाई महीने में दो हाथियों की मौत आईईडी विस्फोट के कारण हो चुकी है. 5 जुलाई को एक घायल हाथी को ट्रेंक्युलाइज कर इलाज के लिए लाया गया था, लेकिन इलाज शुरू होने के 40 मिनट के भीतर उसकी मृत्यु हो गई थी. वहीं 9 जुलाई को एक अन्य हाथी की मौत इलाज शुरू होने के आधे घंटे में हो गई थी. दोनों मामलों में माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी जिम्मेदार पाए गए थे.

घटना के बाद वन विभाग की त्वरित कार्रवाई

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई. सोमवार सुबह विभागीय कर्मियों के साथ प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. संजय घोलटकर मौके पर पहुंचे. डॉ. घोलटकर ने हथिनी को केले में रखकर एंटीबायोटिक और सूजन कम करने की दवाएं दीं. उनके अनुसार, जख्म लगभग 6-7 दिन पुराना है और यह किसी अत्यधिक प्रभाव के कारण हुआ है. उन्होंने भी आईईडी विस्फोट की आशंका से इनकार नहीं किया है. फिलहाल हथिनी की स्थिति गंभीर है और वन विभाग उसकी लगातार निगरानी कर रहा है.

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री अचानक सदर अस्पताल पहुंचे, वार्डों का निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्था की जानकारी ली

मरीजों से पूछा- गुणवत्तापूर्ण इलाज होता है या नहीं, अस्पताल से दवाएं मिलती हैं या नहीं

सदर अस्पताल जिले का महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र है, यहां की सेवाएं मरीजों के लिए सुगम होनी चाहिए: डीसी

शुभम संदेश। रांची

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने मंगलवार को सदर अस्पताल रांची का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय, अस्पताल के अक्षीक्षक डॉ. बिमलेश कुमार सहित अन्य संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित रहे. निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल की व्यवस्थाओं, चिकित्सा सुविधाओं और मरीजों को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करना था.

वार्डों का जायजा लिया, मरीजों से पूछा-दवा मिलती है या नहीं : उपायुक्त ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का जायजा लिया और वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने मरीजों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और अस्पताल में मिल रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी ली. कई मरीजों ने अस्पताल की व्यवस्था और उपचार की गुणवत्ता पर संतुष्टि जतायी. उपायुक्त ने मरीजों से दवाओं की उपलब्धता और उपचार प्रक्रिया के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की.

सीटी स्कैन मशीन यूनिट का निरीक्षण: निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल की सीटी स्कैन मशीन यूनिट का निरीक्षण किया. उन्होंने मरीजों से सीटी स्कैन सुविधा और आयुष्मान भारत योजना के तहत मिल रहे लाभ के बारे में पूछताछ की. मरीजों ने बताया कि उन्हें आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क और सुगम उपचार प्राप्त हो रहा है, जिससे उनकी संतुष्टि झलक रही थी. उपायुक्त ने इस योजना के प्रभावी कार्यान्वयन की सराहना की और इसे और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए.

मरीजों का समय पर उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश: निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने सिविल सर्जन और अस्पताल प्रशासन को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए. उन्होंने अस्पताल में स्वच्छता, चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और मरीजों को समय पर उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा. साथ ही, उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभार्थियों को सुगम और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं को और सुदृढ़ करने का निर्देश दिया.

उपायुक्त ने कहा कि सदर अस्पताल जिले का एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र है और यहां की सेवाएं मरीजों के लिए सुगम और गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए. उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि मरीजों की सुविधा और संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए. यह औचक निरीक्षण स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

कैंटीन में बैठने की व्यवस्था स्वच्छता का जायजा लिया

उपायुक्त ने अस्पताल परिसर में संचालित कैंटीन का भी निरीक्षण किया. उन्होंने कैंटीन में बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का जायजा लिया. कैंटीन संचालक एजेंसी को निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों को गुणवत्तापूर्ण और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें. उन्होंने कैंटीन की सेवाओं में और सुधार लाने पर जोर दिया.

वार्ड की व्यवस्था और बेहतर करने को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बच्चा वार्ड के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं, स्वच्छता, और चिकित्सकों की उपस्थिति का आकलन किया. उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार को वार्ड की व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के लिए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उपायुक्त ने चिकित्सकों और कर्मचारियों को मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने की सलाह दी.

लालपुर चौक पर चला निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान, ठेले-गुमटियां जब्त

रांची। नगर निगम की टीम ने मंगलवार को सुबह-सुबह लालपुर चौक पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई. नगर निगम की टीम को देखकर सड़क किनारे ठेले-खोमचे लगाये दुकानदार अपने-अपने सामान समेटने लगे. नगर निगम की टीम ने अवैध रूप से लगे सभी ठेले, गुमटी और दुकानों को हटाया और उसे जब्त कर लिया. अधिकारियों ने बताया कि संबंधित दुकानदारों को पहले कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी. इसके बावजूद वे सड़क और फुटपाथ पर अवैध रूप से दुकानें लगाते हैं. नगर निगम के एक अधिकारी ने कहा कि इन अवैध दुकानों की वजह से यातायात बाधित होता है और लोगों को पैदल चलने में दिक्कत होती है. आसपास के लोग भी परेशान रहते हैं.

झारखंड सरकार की ऐतिहासिक पहलः नीट-जेईई की मुफ्त कोचिंग

पहले चरण में 300 एसटी छात्रों को मिलेगा लाभ

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने राज्य के अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए एक महत्वाकांक्षी और ऐतिहासिक पहल की शुरुआत की है। इस योजना के तहत अब राज्य के प्रतिभाशाली विद्यार्थी नीट और जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग रांची में ही प्राप्त कर सकेंगे. यह कोचिंग देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान मोशन एजुकेशन, कोटा के सहयोग से दी जाएगी.
कोचिंग का संचालन रांची के हिंदपीढ़ी स्थित कल्याण विभाग के भवन में किया जाएगा. इस योजना की पूरी निगरानी और प्रबंधन अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा किया जाएगा.
योजना के पहले चरण में करीब 300 छात्रों को इस सुविधा का लाभ दिया जाएगा, जिनका चयन शैक्षणिक योग्यता और विभाग द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर किया गया है.

योजना छात्रों के लिए एक नई आशा की किरण : राज्य के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने इस योजना को झारखंड के छात्रों के लिए एक ₹बड़ा अवसर₹ बताया. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि मेधावी बच्चों को आईआईटी, एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचने के लिए जरूरी मार्गदर्शन, संसाधन और सहयोग प्रदान किया जाए. उन्होंने कहा कि आर्थिक अभाव और उचित तैयारी न हो पाने व साधनों की कमी के कारण कई प्रतिभाशाली छात्र पीछे रह जाते हैं. यह योजना ऐसे छात्रों के लिए एक नई आशा की किरण है.

खास बातें

- कोटा के मोशन एजुकेशन संस्थान के सहयोग से रांची में शुरू होगी कोचिंग
- छात्रावास, पुस्तकालय और भोजनालय जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करायी जाएंगी

यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए दिल्ली भेजने की भी योजना

मंत्री चमरा लिंडा ने कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी के साथ छात्रावास, पुस्तकालय और भोजनालय का भी निरीक्षण किया और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि छात्रों को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर और गुणवत्तापूर्ण मिलें. इस पहल के साथ ही मंत्री ने यह भी घोषणा की कि आने वाले समय में झारखंड के छात्रों को यूपीएससी और सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी के लिए दिल्ली भेजने की भी योजना बनाई जा रही है. पहले चरण में एसटी वर्ग के छात्रों को शामिल किया गया है, इसके बाद एससी और ओबीसी वर्ग के छात्रों को भी इस योजना का लाभ दिया जाएगा.

बिहार विस चुनाव : सीट शेयरिंग को लेकर पटना में राजद-झामुमो की अहम बैठक

एक दर्जन सीटों पर झामुमो ने ठोका दावा, राजद अपने कोटे से देगा सीट, जल्द होगा फैसला

शुभम संदेश। रांची/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है. इसी कड़ी में मंगलवार को पटना में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेताओं के बीच सीट बंटवारे को लेकर अहम बैठक हुई. बैठक में झामुमो ने लगभग एक दर्जन विधानसभा सीटों पर दावा ठोकते हुए इन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने की मंशा जताई. वहीं राजद ने संकेत दिया है कि वह अपने कोटे से झामुमो को सीटें देने पर सहमत है. इस बैठक को महागठबंधन के अंदर सीट शेयरिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

पटना के एक होटल में मंगलवार को राजद और झामुमो के शीर्ष नेताओं के बीच लंबी बातचीत हुई. इस बैठक में राजद की ओर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, झारखंड के प्रभारी जय प्रकाश नारायण यादव, भोला यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, संजय यादव और मंगनी लाल मंडल शामिल हुए. वहीं झामुमो की तरफ से झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू और पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय मौजूद थे. बैठक में झामुमो ने साफ तौर पर बिहार की लगभग 12 विधानसभा सीटों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की मांग की. जिन सीटों पर झामुमो चुनाव लड़ना चाहता है, उनमें तारापुर, कटोरिया, मनिहारी, झाझा, बांका, ठाकुरगंज, रुपौली, बनमनखी, जमालपुर, पीरपैंती और चकाई शामिल हैं. झामुमो नेताओं का दावा है कि इन इलाकों में झामुमो का सामाजिक आधार पहले से मौजूद रहा है, खासकर सीमावर्ती आदिवासी क्षेत्रों में.

सूत्रों के अनुसार, राजद ने संकेत दिया है कि वह झामुमो को अपने कोटे से सीटें देगा, हालांकि सीटों की संख्या और अंतिम सूची को लेकर कांग्रेस और अन्य घटक दलों से चर्चा बाकी है. यही वजह रही कि इस बैठक में कांग्रेस के किसी नेता की मौजूदगी नहीं रही. बैठक के बाद झामुमो नेताओं ने बातचीत का फीडबैक झारखंड के मुख्यमंत्री और पार्टी सुप्रीमो हेमंत सोरेन को भी दे दिया है.

झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने जानकारी दी कि वह पटना में रात्रि विश्राम के बाद बुधवार को बिहार के झामुमो कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ एक विशेष बैठक करेंगे, जिसमें सीटों के हिसाब से चुनावी रणनीति पर मंथन होगा. राजद और झामुमो के बीच यह बैठक यह साफ संकेत देती है कि महागठबंधन में अब सीट शेयरिंग को लेकर अंतिम दौर की कवायद शुरू हो चुकी है. झामुमो की यह सक्रियता इस बार बिहार चुनाव में एक नया समीकरण पैदा कर सकती है, खासकर सीमावर्ती इलाकों में जहां झारखंड की राजनीतिक हवा का असर पड़ता है.

पुंदाग मंदिर में धूमधाम से मना शरद पूर्णिमा महोत्सव

रांची। पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में मंगलवार को श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से शरद पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया. इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया. पूरे वातावरण में भक्ति और उल्लास का माहौल छाया रहा. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि शरद पूर्णिमा आत्मशुद्धि, भक्ति और शांति का प्रतीक है. यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला और मानव-प्रकृति के संतुलन का संदेश देता है. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य पुजारी अरविंद पांडे की ओर से श्री राज श्यामा जी के दिव्य श्रृंगार से हुआ. भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी का श्वेत वस्त्रों एवं आभूषणों से अलौकिक श्रृंगार किया गया, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. वहीं, सोमवार रात में आयोजित भजन-कीर्तन और सामूहिक आरती ने पूरे मंदिर परिसर को भक्तिरस से सराबोर कर दिया. ट्रस्ट के भजन गायकों की ओर से प्रस्तुत भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया.

एमएस धौनी बने डीजीसीए सर्टिफाइड ड्रोन पायलट

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी अब टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी उड़ान भर रहे हैं. उन्होंने डीजीसीए से प्रमाणित ड्रोन पायलट लाइसेंस हासिल कर लिया है. धौनी ने अपनी ट्रेनिंग चेन्नई स्थित गरुड़ा एयरोस्पेस के डीजीसीए मान्यता प्राप्त सेंटर से पूरी की.धौनी का मशीनों के प्रति लगाव किसी से छिपा नहीं है, चाहे वह विंटेज कारों का कलेक्शन हो या सुपरबाइक की सवारी. अब उन्होंने अपने इस जुनून को एक नए आयाम तक पहुंचा दिया है. मंगलवार को धौनी ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि अब वह अधिकृत ड्रोन पायलट बन गए हैं. भारत की प्रमुख ड्रोन निर्माता कंपनी गरुड़ा एयरोस्पेस ने भी इसकी पुष्टि की. कंपनी ने बताया कि धौनी ने चेन्नई स्थित ट्रेनिंग सेंटर में सफलतापूर्वक कोर्स पूरा किया है.

शहर के 73 घाट होंगे दुरुस्त, श्रद्धालुओं को मिलेगी खास सुविधा

शुभम संदेश। रांची

रांची नगर निगम (आरएमसी) ने पूरे शहर में छठ महापर्व 2025 के स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित उत्सव को सुनिश्चित करने के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं. मंगलवार को, आरएमसी प्रशासक सुशांत गौरव ने अधिकारियों और प्रमुख छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधियों के साथ एक विस्तृत बैठक की.

घाटों पर स्वच्छता और सुरक्षा पर ध्यान

अधिकारियों द्वारा चर्चा किए गए मुख्य बिंदु थे:

- पहुंच मार्ग और घाटों की स्वच्छता
- शाम और रात्रि अनुष्ठानों के लिए प्रकाश व्यवस्था
- श्रद्धालुओं की सुरक्षा
- भीड़ और यातायात प्रबंधन
- पेयजल और अस्थायी चेंजिंग रूम की सुविधा

समिति के सदस्यों ने अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था, घाटों पर बाँस और गुब्बारों की बैरिकेडिंग, पत्थर की धूल से मैदान को समतल करने, और श्रद्धालुओं के लिए सुगम पहुंच का प्रस्ताव रखा. प्रशासक गौरव ने आश्वासन दिया कि सभी प्रस्तावों को जल्द से जल्द लागू किया जाएगा.

समर्पित नियंत्रण कक्ष और जन सहयोग: आपात स्थिति के प्रभावी प्रबंधन के लिए पूरे छठ पूजा के दौरान 18005701235 पर एक विशेष नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा. प्रशासन ने नागरिकों और श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे अनुष्ठान के बाद तालाबों में कूड़ा-कचरा या पूजा सामग्री न फेंककर मिलकर काम करें. जागरूकता अभियान स्वच्छता और सफाई बनाए रखने में जनभागीदारी को भी बढ़ावा देंगे.

73 घाटों पर विशेष सफाई अभियान
प्रशासक गौरव ने इंजीनियरों को निर्देश दिया कि वे सभी 73 चिन्हित घाटों और जल निकायों पर तुरंत सफाई अभियान शुरू करें. यह सफाई, कचरा संग्रहण और सड़क मरम्मत के समय पर पूरा होने की दैनिक निगरानी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा.

अधिकारी एवं समितियों का समन्वय बैठक में शामिल : अतिरिक्त प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक रवींद्र कुमार एवं गौतम प्रसाद साहू, कार्यपालक अभियंता, नगर प्रबंधक, क्षेत्रीय एवं वार्ड पर्यवेक्षक, सबसे बड़ी छठ पूजा समितियों के सदस्य.

छठ के दौरान अस्थायी प्रतिबंध

- पर्व की पवित्रता बनाए रखने के लिए
- खरना के दिन से पर्व की समाप्ति तक मांस और मछली की दुकानें बंद रहेंगी.
- घाट के रास्तों पर अतिक्रमण विशेष अभियान चलाकर हटाया जाएगा.
- बुनियादी ढांचा और सुविधा व्यवस्था
- आरएमसी ने घाटों के लिए विस्तृत तैयारियां की हैं
- भीड़ से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बांस और गुब्बारों से बैरिकेड्स
- पहुंच को आसान बनाने के लिए पहुंच मार्गों को पत्थर की धूल से समतल करना
- घाटों के किनारे खुली नालियों की सफाई और उन्हें ढकना
- जलाशय तक पहुंचने वाले हर रास्ते पर स्ट्रीट लाइट की मरम्मत
- घाटों के आसपास मॉड्यूलर और सार्वजनिक शौचालयों की विशेष सफाई

झारखंड के शिक्षकों ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और शिक्षा सचिव को सौंपा ज्ञापन

टेट की अनिवार्यता के विरोध में नवंबर के तीसरे सप्ताह में दिल्ली में जुटेंगे देश भर के शिक्षक

- कांस्टीट्यूशन क्लब में कई राज्यों के शिक्षक संघों की बैठक में तय हुई रणनीति

शुभम संदेश। रांची

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) को अनिवार्य बनाने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश से झारखंड समेत पूरे देश के लाखों शिक्षक आक्रोशित हैं. इस फैसले के तहत यदि शिक्षक टेट पास नहीं करते हैं, तो उन्हें सेवा और प्रोन्नति से वंचित किया जा सकता है. जैसे-जैसे फैसले का असर सामने आ रहा है, नाराजगी और विरोध भी तेज़ हो रहे हैं. देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षक संगठनों ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिकाएं दायर की हैं. कई राज्य सरकारें भी इस प्रक्रिया में शामिल हो चुकी हैं. इसी क्रम में अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने भी पुनर्विचार याचिका दाखिल की है और भारत सरकार से अपील की है कि वह भी कोर्ट में इस आदेश के विरुद्ध पुनर्विचार याचिका दायर करे.

संघ ने यह भी मांग की है कि शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक योग्यता से जुड़े प्रावधानों में उपयुक्त संशोधन किए जाएं. संघ ने मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और शिक्षा सचिव को ज्ञापन सौंपा, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आरटीई कानून और एनसीटीई (राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद) के प्रावधानों के विरुद्ध बताया गया.
इस मुद्दे को लेकर नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में झारखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित कई राज्यों के शिक्षक संगठनों की एक संयुक्त बैठक हुई. बैठक में निर्णय लिया गया कि ऑल इंडिया शिक्षक महासंघ के बैनर तले नवंबर के तीसरे सप्ताह में दिल्ली में देशभर से लाखों शिक्षक जुटेंगे और केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करेंगे। आंदोलन की तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी.इस महत्वपूर्ण बैठक में अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनूप कुमार केशरी, महासचिव राममूर्ति ठाकुर, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय अध्यक्ष अजय सिंह और रांची जिला अध्यक्ष सलीम सहाय तिलग शामिल रहे.

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बिहार सरकार पर साधा निशाना, कहा-

महागठबंधन की सरकार बनती तो हर महिला को सालाना मिलते 30 हजार रुपये

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बिहार की भाजपा-जदयू सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं. पटना स्थित सदाकत आश्रम में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अगर पिछले दो दशकों में भाजपा-जेडीयू गठबंधन ने लूटपाट नहीं की होती, तो आज हर बहन के खाते में 70 हजार रुपये पहुंच चुके होते.

दीपिका ने कहा कि कैग रिपोर्ट में सरकार का 70,877.61 करोड़ रुपए का हिसाब नहीं मिल पाया है और इसमें गरीबों के लिए आवंटित धन के गबन की आशंका जताई गई है. उन्होंने आरोप लगाया कि जदयू सरकार ने 94 लाख गरीब परिवारों से वादा किया था कि प्रत्येक को दो-दो लाख रु दिए जाएंगे, ताकि वे रोजगार शुरू कर सकें, लेकिन वादा सिर्फ चुनावी छलावा साबित हुआ. जातिगत सर्वेक्षण में बिहार की 64% आबादी को अति गरीब पाया गया, फिर भी सरकार ने केवल 20% महिलाओं को 10 हजार रुपए देकर वोट हासिल करने का प्रयास किया.

दीपिका ने यह भी घोषणा की कि अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनती है, तो हर महिला को सालाना 30 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाएगी. इसके अलावा 'माई बहिन मान योजना' के तहत हर महिला के खाते में हर महीने 2,500 जमा कराए जाएंगे. मौके पर राजेश राम ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआरगवई पर जूता फेंकने की कोशिश की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला न केवल एक व्यक्ति पर, बल्कि संविधान, उसकी आत्मा और सामाजिक न्याय के मूल्यों पर हमला है.

27 % आरक्षण लेने के लिए एकजुट होना होगा: सुनील साहू

लातेहार। मंगलवार को राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ, लातेहार जिला इकाई की एक बैठक राजद नेता बलराम प्रसाद साहु की अध्यक्षता में होटल कार्निवाल में आयोजित की गयी. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष राम प्रवेश यादव, प्रदेश महासचिव अजय चन्द्रवंशी व सुरेश राम, प्रदेश सचिव मोहर सिंह यादव एवं रंजीत यादव मुख्य रूप से मौजूद थे. सुनील साहू ने कहा कि एकीकृत बिहार में पिछड़ों का आरक्षण 27 % आरक्षण प्राप्त था. लेकिन झारखंड राज्य अलग होने के बाद भाजपा सरकार ने इसे शुन्य कर दिया. पिछड़ों को उनका 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए राष्ट्रीय जनता दल संघर्ष करेगी.

श्री सूर्य नारायण पूजा समिति, चाणक्य नगरी लातेहार की बैठक लिए गए कई अहम निर्णय

इस वर्ष भी पूजा समिति छठ व्रतियों को देगी कई विशेष सुविधाएं

शुभम संदेश । लातेहार

श्री सूर्य नारायण पूजा समिति, चाणक्य नगरी लातेहार की बैठक महावीर अखाड़ा चाणक्यनगरी में संतोष कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में पिछले वर्ष की आय- व्यय की ब्योरा प्रस्तुत किया गया. इस वर्ष भी छठ पूजा में छठ व्रतियों के लिए विशेष सुविधायें देने का निर्णय लिया गया. औरंगा नदी स्थित मुख्य छठ घाट की साफ - सफाई कराने, नदी में अस्थायी स्नानागार बनाने के अलावा तोरण द्वार व आकर्षक विद्युत सजा कराने का निर्णय लिया गया. बाइपास चौक से राजहार व नदी घाट तक बिजली सज्जा और ध्वनि विस्तारक यंत्र लगाने का निणर्य लिया गया. इस वर्ष भी गंगा आरती कराने का निणर्य लिया गया है. बैठक में पिछली कमिटि का यथावत रखने का निर्णय लिया गया. सूर्यनारायण पूजा समिति का अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह, महामंत्री अनिल कुमार उर्फ पप्पू, कोषाध्यक्ष राजू यादव व उपाध्यक्ष राजेश प्रसाद, गणेश राम, रवि शंकर प्रसाद, विनय प्रसाद व मनीष दास को बनाया गया. जबकि मीडिया प्रभारी आरव राज व तुषार कुमार गुप्ता तथा मंत्री धीरज कुमार, जय शंकर पासवान, सिद्धार्थ कुमार सिंह, शुभम कुमार गुप्ता, बिनोद प्रसाद, टिंकू पांडेय, रिषभ राज, कौशल कुमार, गौतम सिंह, आयुष कुमार शौंडिक व लक्की पांडेय को बनाया गया. बैठक में पंडित त्रिभुवन पाण्डे, महेंद्र सिंह, शशिभूषण पाण्डेय, निर्मल कुमार महलका, कृष्णा प्रसाद, विष्णु गुप्ता, लक्ष्मी प्रसाद, निरंजन कुमार सिंह, कन्हाई अग्रवाल, अशोक दास, दीपक अग्रवाल, अनिल कुमार गुप्ता, अरुण प्रसाद, केदार प्रसाद, नवीन कुमार सिंह, मिक्की भास्कर, सुधीर कुमार, गोविंद यादव, बिपिन बिहारी ठाकुर, विजय कुमार मनिहारी, मंटू कुमार, रूपेश लाल गुप्ता, राज मोहन प्रसाद, मनोज कुमार नारायण राम, महेश राम, गौतम प्रसाद गुप्ता, आर्यन राज गुप्ता, कुशल कुमार, रितेश कुमार व शिवम कुमार आदि ने भाग लिया.

एक नजर

मनरेगा में फर्जीवाड़े की आशंका, जॉब कार्डों का होगा ग्राम स्तर पर भौतिक सत्यापन: डीडीसी

लातेहार। उप विकास आयुक्त सह अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक सैय्यद रियाज अहमद ने मनरेगा योजना के तहत जिले में अब तक जारी किए गए सभी 1,96,101 जॉब कार्डों का ग्राम स्तर पर भौतिक सत्यापन कराने का निर्देश दिया है. यह फैसला हाल ही में अखबारों में छपी रिपोर्ट के बाद लिया गया है. डीडीसी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) को आदेश दिया है कि मृत, अयोग्य या फर्जी लाभार्थियों के नाम से जारी कार्डों को चिन्हित कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एमआईएस पोर्टल से हटाया जाए.डीडीसी ने बताया कि बालूमाथ में 35,621, बरियातू में 14,946, बरवाडीह में 21,340, चंदवा में 26,276, गारू में 7,282, हेरहंज में 9,975, लातेहार में 32,604, महुआडांड़ में 17,079, मनिका में 26,888 और सरयु में 4,090 जॉब कार्ड जारी किए गए हैं.उन्होंने सभी बीडीओ को निर्देश दिया है कि 20 अक्टूबर तक भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर जिला मुख्यालय को रिपोर्ट सौंपें.

विकास तिवारी बनाए गए शिक्षा सांसद प्रतिनिधि

लातेहार। चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने जिले के मनिका प्रखंड के रांकी कला पंचायत समिति सदस्य सह भाजपा युवा मोर्चा के गढ़वा प्रभारी विकास कुमार तिवारी को शिक्षा सांसद प्रतिनिधि के रूप में मनोनित किया है. इस संबंध में उन्होंने एक पत्र जारी किया है.सांसद प्रतिनिधि बनाये जाने पर श्री तिवारी ने कहा कि जिस विश्वास के साथ उन्हें सांसद प्रतिनिधि बनाया गया है, उस पर वे खरा उतरने का प्रयास करेगें. उन्होने जिले में शैक्षणिक वातावरण तैयार करने एवं छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा दिलाने की दिशा में काम करने की बात कही.

खाद्यान्न गबन मामले में पंचायत सेवक गिरफ्तार

लातेहार। जिले के बरवाडीह प्रखंड के पूर्व एजीएम सह लातेहार प्रखंड के तरवाडीह पंचायत सेवक सर्वेश सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. यह गिरफ्तारी 586 क्विंटल खाद्यान्न की हेराफेरी के आरोप में की गयी है. पुलिस ने उसे लातेहार प्रखंड कार्यालय से गिरफ्तार किया. बरवाडीह थाना प्रभारी अनूप कुमार दलबल के साथ लातेहार प्रखंड कार्यालय पहुंचे और सर्वेश सिंह को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गये. सर्वेश सिंह के खिलाफ बरवाडीह थाना कांड संख्या 30/25 दर्ज था.

राज्य स्तरीय कला उत्सव में भाग लेकर लौटे प्रतिभागी

लातेहार। दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव पांच और छह अक्टूर को रांची के झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रातू में आयोजित किया गया. इस कला उत्सव में लातेहार के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया. प्रतिभागी कला उत्सव में भाग ले कर छह अक्टूर को लातेहार लौट गये हैं. हालांकि लातेहार जिला को एक भी पुरस्कार नहीं मिल पाया, लेकिन जिले के प्रतिभागियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर निणार्यक मंडली के सदस्यो को प्रभावित अवश्य किया.

नाबालिग समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप

मेदिनीनगर। सांस्कृतिक कार्यक्रम देखकर घर वापस लौट रही विवाहिता और नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आयी है. ये घटना 2 अक्टूबर की है. दोनों पीड़ित महिलाओं ने पुलिस के पास पांच अक्टूबर की शाम शिकायत लेकर पहुंचीं. बताया जाता है कि नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के सरईडीह में 2 अक्टूबर को विजयादशमी के दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. विवाहिता और नाबालिग लड़की दोनों साथ में सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने गये थे.

झामुमो उंटारी रोड प्रखंड अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

पलामू। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा उंटारी रोड प्रखण्ड अध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. इस संबंध में उन्होंने 6 अक्टूबर 2025 को जिला अध्यक्ष रमेश प्रसाद सिंह को पत्र सौंपा. अपने इस्तीफा पत्र में अजय कुमार गुप्ता ने लिखा है कि वे निजी कारणों से पद छोड़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि पार्टी में उन्हें हमेशा मान-सम्मान, प्यार और सहयोग मिला है, जिसके लिए वे जिला नेतृत्व और केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करते हैं. गुप्ता ने आगे कहा कि नेतृत्व ने हमेशा उन्हें सम्मान देने का कार्य किया है और इसके लिए वे सदा आभारी रहेंगे.

प्रशासनिक टीम ने किया केंद्रीय कारा का निरीक्षण

मेदिनीनगर। सदर एसडीओ सुलोचना मीणा के नेतृत्व में प्रशासानिक पदाधिकारियों की टीम ने कल शाम स्थानीय केंद्रीय कारागार का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान टीम ने जेल मैनुअल के प्रावधानों के अनुरूप विभिन्न व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की. निरीक्षण के क्रम में कैदियों की उपस्थिति पंजी, भोजन एवं पेयजल की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाएं एवं औषधि उपलब्धता, अभिलेख संधारण, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता एवं प्रकाश व्यवस्था, बैरकों की स्थिति, कपड़ा एवं आवश्यक सामग्री वितरण, मुलाकात पंजी तथा अनुशासनात्मक प्रावधानों की स्थिति की जांच हुई.

डीसी ने किया जन शिकायत निवारण का आयोजन

लातेहार। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया. जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने सभी लोगों से एक–एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा.

दहेज उत्पीड़न मामले का मुख्य आरोपी बिहार से गिरफ्तार

बरवाडीह (लातेहार)। बरवाडीह थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना के एक मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. यह कार्रवाई बरवाडीह थाना कांड संख्या–81/2023, के तहत की गई, जो भारतीय दंड संहिता की धारा 498(ए) एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 के अंतर्गत दर्ज की गई थी. बरवाडीह थाना प्रभारी अनूप कुमार ने बताया कि वादिनी द्वारा दर्ज प्राथमिकी में बताया गया था कि उसके पति द्वारा दहेज की मांग को लेकर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की जाती थी. शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी लक्ष्मण राम को गिरफ्तार किया है.

डीसी ने की एनएच 75 सड़क निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

जैनेंद्र कुमार। मेदिनीनगर

पलामू उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में मंगलवार को एनएच 75 फोरलेन पथ निर्माण, आरओआर, आरओबी और सरकार की अन्य सड़क निर्माण परियोजनाओं की प्रगति कोलेकर समीक्षा बैठक की गई.यह वर्चुअल बैठक एनआईसी स्थित सभागार से की गई, जिसमें उपायुक्त ने एनएचएआई की विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण और मुआवजा भुगतान की स्थिति की जानकारी लेने के साथ अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया.

भू-अर्जन के लिपिकों का अक्तूबर का वेतन स्थगित रखने का निर्देश : उपायुक्त ने पिछले तीन महीनों में अपेक्षित प्रगति न होने और कार्य में शिथिलता बरतने पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को चेतावनी दी और कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया. इसी क्रम में उपायुक्त ने भू-अर्जन कार्यालय के लिपिकों का अक्तूबर माह का वेतन स्थगित रखने का निर्देश दिया. उन्होंने जिन-जिन अंचलों में सड़क निर्माण कार्य चल रहा है, उन प्रखंडों में अवार्डी की संख्या, निर्गत एलपीसी समेत अन्य बिंदुओं की भी समीक्षा की. भोगु से शंखा तक सेक्शन 111 के भू-अर्जन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि सदर अंचल अंतर्गत 60 से अधिक, नवाबजोर में 100 से अधिक और विश्रामपुर में 20 से अधिक एलपीसी पेंडिंग हैं.

मुआवजा भुगतान में तेजी लायी जाए : विभिन्न अंचलों के कई अवॉर्डियों के बीच 60 करोड़ से अधिक मुआवजा दिया जाना है. उपायुक्त ने संबंधित सीओ और भू-अर्जन पदाधिकारी को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित कर मुआवजा भुगतान में तेजी लाने का निर्देश दिया. समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने एलए कोर्ट योग्य मामलों को नियमानुसार कार्रवाई करने की भी बात कही. बैठक में उन्होंने सभी से कहा कि इस परियोजना की उच्च अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जाती है, ऐसे में सभी सीओ को अपना शत-प्रतिशत देने की आवश्यकता है, ताकि सभी अवॉर्डी को समय पर मुआवजा का भुगतान किया जा सके. उपायुक्त ने यह भी कहा कि किसी भी अंचलाधिकारी स्तर से कार्य प्रभावित होने पर निर्माण कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. सभी सीओ को रैयतों से वार्ता कर सभी तरह के कार्यों को समय पर निष्पादित करने का निर्देश दिया. इस बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी विजय केरकेट्टा, हुसैनाबाद भूमि सुधार उप समाहर्ता समेत संबंधित सीओ मौजूद रहे.

जंगल संरक्षण को लेकर जल जंगल संघर्ष समिति का प्रदर्शन, कहा

जंगल क्षेत्रों को ग्राम समाज के नियंत्रण में ही रखा जाए

शुभम संदेश। सतबरवा (पलामू)

रेवारातू पंचायत के कौटया, सप्तमी (सतनी) और लकड़ाही जंगल-पहाड़ की रक्षा को लेकर मंगलवार को जल जंगल संघर्ष समिति के बैनर तले सतबरवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया. कार्यक्रम का नेतृत्व समाजसेवी आशिष कुमार सिन्हा ने किया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया. धरना में शामिल ग्रामीणों ने हाथों में सरना झंडा लिए जल, जंगल और जमीन की रक्षा को लेकर नारेबाजी की और प्रशासन से मांग की कि उक्त जंगल क्षेत्रों को ग्राम समाज के नियंत्रण में ही रखा जाए. प्रदर्शनकारियों ने जंगल को निजी हाथों में सौंपे जाने की किसी भी कोशिश का तीव्र विरोध किया. संघर्ष समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ आदिवासी नेता शिवराज सिंह ने कहा, ₹यह जंगल हमारे पूर्वजों के समय से हमारे संरक्षण में रहा है. अब मेरी उम्र 81 वर्ष है, और मैं चाहता हूं कि यह जंगल हमारी अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रहे. आदिवासी समाज का जीवन जल, जंगल और जमीन से जुड़ा है, और हम इसकी रक्षा के लिए जान की बाजी लगाने को तैयार हैं.₹ उन्होंने यह भी कहा कि जंगल केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि गांव की पहचान और पारिस्थितिकी का हिस्सा है. इस मौके पर पांकी विधायक के सतबरवा प्रतिनिधि महेश यादव ने कहा, "जल, जंगल और पहाड़ हमारी जीवन रेखा हैं. कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से ग्राम सभा कर जमीन को लीज पर दिला दिया है, जो पूरी तरह गलत है. हम इसे किसी भी हालत में उजड़ने नहीं देंगे." प्रदर्शन के अंत में शिवराज सिंह, महेश यादव, अशोक यादव, रघु साव, एतवरिया देवी और पारो देवी ने बीडीओ सह सीओ कृष्ण मुरारी तिर्की को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम मांग पत्र सौंपा. इसमें सरकार से जंगलों को बाहरी ठेकेदारों या निजी कंपनियों को न सौंपने की मांग की गई. साथ ही चेतावनी दी गई कि अगर जंगल पर किसी भी तरह की बाहरी दखलंदाजी की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा.

वार्ता के बाद आंदोलनकारियों ने शर्तों के साथ अनिश्चितकालीन धरना स्थगित किया

लातेहार। वनाधिकार कानून के तहत पट्टा देने की मांग को ले कर संयुक्त ग्राम सभा मंच के द्वारा छह अक्टूबर को जिला मुख्यालय में अनिश्चितकालीन धरना का प्रारंभ किया गया. पट्टा नहीं तो वापस नहीं नाम से आयोजित इस धरना कार्यक्रम में जिले के सुदूर गांव व इलाकों से काफी संख्या में आदिवासी व मूलवासियों ने भाग लिया. बाद में जिला प्रशासन के साथ वार्ता के बाद कई शर्तों के साथ रात 12 बजे अनिश्चितकालीन धरना को समाप्त करने की घोषणा की गयी. मंच के जार्ज मोनोपल्ली उर्फ धोती फादर व सेलेस्टिन कुजर ने इसकी जानकारी दी. उन्होने बताया कि शर्तों में लातेहार व महुआडांड़ अनुमंडल के सभी अंचलों से व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावा अभिलेखों के निष्पादन के लिए सात से 14 अक्टूबर तक शिविर लगाये जायेगें. अनुमंडल पदाधिकारी सह अनुमंडल स्तरीय वन अधिकार समिति के अध्यक्ष सही अभिलेखों की अनुशंसा हेतु अनुमंडल स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक की जायेगी. उन दावों को जिला स्तरीय समिति तो अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया जायेगा.

अनुमंडल से पारित दावों के निष्पादन हेतु आईटीडीए निदेशक के द्वारा जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी. उन दावों को जिला स्तरीय समिति तो अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया जायेगा. अनुमंडल से पारित दावों के निष्पादन हेतु आईटीडीए निदेशक के द्वारा जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक आयोजित की जायेगी. आंदोलनकारियों ने कहा कि जिला स्तरीय समिति की कार्यवाही के आलोक में यदि पट्टा निर्गत नहीं की जाती है तो पुनः इसी तर्ज पर आन्दोलन किया जायेगा. वार्ता के बाद आन्दोलन में शामिल लोगों को वापस अपने घरों को भेजने के लिए रात में ही बस एवं कमांडर सवारी गाड़ियों का इंतजाम कर महुआडाड एवं हेरहंज के लोगों को भेजा गया. बावजूद इसके काफी संख्या में आंदोलन कारी परिसर में मौजूद थे. वे मंगलवार की सुबह अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किये. उन्होने आगे बताया कि जिला स्तर एवं लातेहार के दोनों अनुमंडलों में 173 सामदायिक दावे एवं 1803 व्यक्तिगत दावे 2010 से अब तक लंबित पड़े हैं.

महर्षि वाल्मिकी को राम का परमभक्त माना जाता है

मेदिनीनगर। विश्व हिंदू परिषद पलामू के तत्वावधान में समरसता आयाम द्वारा बाल्मीकि जयंती पर पलामू क्लब के पास स्थित सेवा बस्ती में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में वक्ताओं ने महर्षि बाल्मीकि के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला. विहिप के जिला मंत्री अमित तिवारी ने बताया कि महर्षि वाल्मिकी को भगवान राम का परमभक्त माना जाता है. उन्होंने ही रामायण की रचना की थी. जिलापालक सह प्रांत सेवा टोली सदस्य दामोदर मिश्र ने बताया कि महर्षि वाल्मिकी का पहले का नाम रत्नाकर था और वे एक समय में वन से आने जाने वालों को लूट लिया करते थे. एक दिन उनकी मुलाकात नारद मुनि से हुई जिन्होंने रत्नाकर से पूछा कि तुम ये पाप क्यों करते हो? क्या तुम्हारा परिवार तुम्हारे पापों का भागीदार बनेगा? नारद मुनि की बातों ने रत्नाकर को प्रभावित किया और वे गहरी तपस्या में लिन हो गए. समरसता सह प्रमुख रवि तिवारी ने बताया कि कहा जाता है कि नारद मुनि ने बाल्मीकि जी को राम-राम के जाप करने के लिए कहा लेकिन वे भूल गए और उल्टा मरा-मरा जपने लगे.

बाबा नाम केवलम अखंड कीर्तन समिति की शोभायात्रा

चंदवा। लातेहार जिले के चंदवा प्रखंड के हुटाप पंचायत के अमझरिया गांव में सेवा धर्म मिशन कीर्तन समिति, अमझरिया के तत्वाधान में एक से आठ अक्टूबर तक अखंड कीर्तन का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है. इसके तहत मंगलवार को चंदवा शहर में बाबा नाम केवलम के अनुयाइयों के द्वारा शोभा यात्रा निकाला गया. इसमें सैकड़ो की संख्या में महिला- पुरुष एवं बच्चों ने भाग लिया. उन्होने बाबा नाम केवलम, ओम नमः शिवाय, हरि ओम तत् सत्, हरे राम- हरे कृष्णा का जयघोष किया. मौके पर आचार्य मन्त्रजपानन्द अवधूत, आचार्य जगतानन्द अवधूत, आचार्य सवितानन्द अवधूत के द्वारा मानव जीवन को सफल बनाने के लिए संदेश दिया गया. उन्होने कहा कि इंसान का परम लक्ष्य भक्तियुक्त पवित्र जीवन होना चाहिए.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया शरद पूर्णिमा उत्सव

चंदवा (लातेहार)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, चंदवा के तत्वावधान में शरद पूर्णिमा का आयोजन बुध बाजार दुर्गा मंडप परिसर में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक गीत से की गयी. इसके अंताक्षरी कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें शिवाजी दल और रानी लक्ष्मीबाई दल के बीच प्रतिस्पर्धा हुई. दोनो बराबरी पर रहे.

विकास से कोसों दूर आदिम जनजाति के 95 परिवार

मनातू (पलामू)। आजादी के 75 साल बाद भी पलामू जिला के मनातू प्रखंड अंतर्गत रंगिया पंचायत स्थित गढ़गांव गांव विकास की मुख्यधारा से काफी पीछे है. प्रखंड मुख्यालय से महज 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव आदिम जनजाति समुदाय का निवास स्थल है, जहां लगभग 95 परिवार रहते हैं. मगर आज भी यह गांव सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से पूरी तरह वंचित है. हाल ही में हुई एक दर्दनाक घटना ने इस गांव की बदहाली की तस्वीर को उजागर कर दिया. गांव के ही निवासी खिलावन सिंह की 35 वर्षीय पत्नी गंभीर रूप से बीमार हो गई थीं. गांव में सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने उन्हें खाट पर लादकर मनातू मुख्य मार्ग तक पहुंचाया, जहां से एंबुलेंस के जरिए उन्हें मेदनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल, डालटनगंज भेजा गया. दुर्भाग्यवश इलाज में देरी के कारण उनकी मौत हो गई. यह घटना प्रशासन की नाकामी और विकास के खोखले दावों की पोल खोलती है. गढ़गांव में सरकार की ₹हर घर नल जल₹ योजना भी पूरी तरह विफल साबित हुई है. गांव के लोग आज भी नदी-नाले का पानी पीने को मजबूर हैं. स्वच्छ पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है. इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र की अनुपलब्धता के कारण बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा पर भी बुरा असर पड़ रहा है.

प्रशिक्षण आईआईएम, बोधगया में प्रशिक्षण ले रही झारखंड के विभिन्न जिलों की जिप की टीम

प्रबंधन ट्रेनिंग से पंचायतों की दक्षता व जवाबदेही बढ़ेगी : शांति

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पंचायती प्रतिनिधियों के लिए पांच दिवसीय मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन बिहार के बोधगया स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में किया गया है. सोमवार से शुरू हुआ कार्यक्रम 10 अक्टूबरतक चलेगा.इसमें झारखंड के विभिन्न जिलों के जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पंचायत प्रतिनिधि, डीपीआरओ, राज्य स्तरीय अधिकारी एवं विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं. पंचायती राज विभाग के रिवैंप्ड राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमकाआयोजन किया गया है. विशेषज्ञों द्वारा बताया जा रहा है कि किस प्रकार पंचायत स्तर पर तकनीक और नवाचार का उपयोग कर योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है. कार्यक्रम के पहले दिन प्रतिभागियों को "सशक्त पंचायत– सशक्त भारत" की अवधारणा पर आधारित परिचयात्मक सत्र दिया गया. इसमें पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका, जिम्मेदारियों और निर्णय लेने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा हुई. दूसरे दिन लीडरशिप कम्युनिकेशन और टीम बिल्डिंग पर इंटरएक्टिव वर्कशॉप रखी गई. डिजिटल गवर्नेंस, लोक वित्त प्रबंधनऔर सामाजिक जवाबदेही तंत्र पर विशेष प्रशिक्षण सत्र होंगे. प्रशिक्षकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों में व्यावहारिक ज्ञान और प्रबंधन कौशल विकसित करना है, ताकि वे अपने क्षेत्र की विकास योजनाओं का संचालन पेशेवर दृष्टिकोण से कर सकें. गढ़वा की जिप अध्यक्ष शांति देवी ने बताया यह प्रशिक्षण न केवल प्रशासनिक समझ बढ़ा रहा है, बल्कि हम सभी प्रतिनिधियों को यह सिखा रहा है कि कैसे योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण जीवन स्तर को ऊपर उठाया जा सकता है. राज्य सरकार का मानना है कि इस प्रकार के प्रबंधन प्रशिक्षण से पंचायतों की कार्यप्रणाली में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी.

जीवन मूल्य व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खेल अति आवश्यक: प्रसाद

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

स्थानीय ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में मंगलवार को छात्रों के आर्चरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया. प्रार्थना सभा में विद्यालय के प्राचार्य आर प्रसाद ने सभी विजेता छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन विद्यालय, अभिभावक और हम सबके लिए के लिए गौरव का दिन है. समय-समय पर ऐसी खेल प्रतियोगिताएं आयोजन से छात्रों में बौद्धिक व मनोवैज्ञानिक विश्लेषण तथा आत्मविश्वास की क्षमता विकसित होती है. उन्होंने कहा कि जीवन मूल्य व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खेल अति आवश्यक होता है. बता दें कि रातू रांची स्थित आदिवासी बाल विकास विद्यालय में आयोजितआर्चरी प्रतियोगिता में कक्षा दसवीं के युवराज पांडे ने अंडर-17 समूह व 30 मीटर दूरी में 101 अंक प्राप्त कर तथा कक्षा आठवीं के समर मिश्रा ने अंडर - 14 समूह व 20 मीटर दूरी में 205 अंक लेकर स्वर्ण पदक जीता. वहीं कक्षा आठवीं से मयंक शेखर ने अंडर-17 समूह के 30 मीटर दूरी में 95 अंक से रजत पदक तथा कक्षा सातवीं से प्रतीक शंकर ने अंडर - 14 समूह, 20 मीटर दूरी में 170 अंक लेकर रजत पदक जीता. कक्षा सातवीं के रिदम सिंह ने अंडर - 14 समूह के 20 मीटर दूरी में 120 अंक लेकर कांस्य पदक विजेता बने. सभा में खेल शिक्षक नीलकान्त चौहान को भी विशेष भूमिका हेतु सम्मानित किया गया. विद्यालय की अकादमिक निदेशिका डॉ. सिमी मेहता ने सभी पदक विजेता छात्रों को शुभकामनाएँ दी. इस अवसर पर छात्र व शिक्षक वृन्द उपस्थित थे.

चोरों ने एक रात में दो दुकानों में कर ली चोरी

सतगावां (कोडरमा)। थाना क्षेत्र के बासोडीह बस स्टैंड के समीप स्थित निरंजन मोबाईल एण्ड इलेक्ट्रीक शॉप तथा महज कुछ ही दूरी पर स्थित सोनू होटल में लाखों रुपये की संपत्ति चोरी होने का मामला सामने आया है. मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार की रात चोरों ने निरंजन मोबाईल के खपरैल दुकान का छप्पर तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है और लाखों रुपए की संपत्ति लेकर फरार हो गए.

विधायक ने किया पीसीसी सड़क का शिलान्यास

रामगढ़। लारीकलां पंचायत के बुढा अखरा से काली मंदिर तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया. यह कार्य जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट फंड से लगभग 19 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है. शिलान्यास समारोह में रामगढ़ विधायक ममता देवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल शामिल हुए.

जनशिकायतों के त्वरित समाधान को लेकर उपायुक्त ने की मीता पोर्टल की समीक्षा, कहा

कस्तूरबा में छात्राओं की नामांकन प्रक्रिया पूरी करें

शुभम संदेश। कोडरमा

उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में मीता पोर्टल (जन शिकायत कोषांग) के तहत प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित निष्पादन को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई इस बैठक में जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित मामलों की गहन समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए.बैठक के दौरान उपायुक्त ने बिजली विभाग से जुड़ी शिकायतों जैसे हाई वोल्टेज तारों की समस्या, नए मीटर की स्थापना, अधिक बिजली बिल, एवं बिजली पोल लगाने जैसे मामलों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश कार्यपालक अभियंता विद्युत को दिया. वहीं राजस्व व अंचल कार्यालयों से संबंधित मामलोंजैसे दाखिल-खारिज, भूमि सीमांकन, अतिक्रमण, एवं आवास निर्माण में बाधा जैसे विषयों पर भी गंभीरता से चर्चा हुई. चंदवारा, डोमचांच, सतगावां एवं मरकच्चो अंचल के अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु निर्देशित किया गया.शिक्षा विभाग के मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पीएम श्री माध्यमिक विद्यालय गुमो-2 के भवन निर्माण हेतु स्थान चयन और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं के नामांकन एवं छात्रवृत्ति प्रक्रिया को जल्द पूरा करने को कहा. मनरेगा मजदूरों के भुगतान, कूड़ा-कचरा निष्पादन एवं सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण जैसे मामलों में प्रखंड विकास पदाधिकारी कोडरमा को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए.

आपूर्ति विभाग को मृत राशन कार्डधारियों के नाम हटाने की प्रक्रिया आरंभ करने तथा मत्स्य पदाधिकारी को जयनगर प्रखंड के तालाबों की बंदोबस्ती प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा गया. साथ ही, नगर परिषद झुमरी तिलैया एवं नगर पंचायत कोडरमा के शहरी विकास संबंधी मुद्दों की भी समीक्षा की गई. चंदवारा में सरकारी जमीन पर अवैध खेल मैदान निर्माण की शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए.उपायुक्त ने विशेष रूप से बिरहोर समुदाय के कल्याण पर जोर देते हुए सभी बिरहोर परिवारों का सर्वे कर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं से आच्छादित करने का निर्देश दिया. उन्होंने प्रत्येक बिरहोर व्यक्ति के बैंक खाता, आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र बनवाने, महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण देने तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से बकरी पालन काप्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने का आदेश दिया.बिरहोर टोला में चबूतरा निर्माण, आंगनबाड़ी केंद्र में पेयजल की व्यवस्था, आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की योजना पर भी दिशा-निर्देश दिए गए. उपायुक्त ने कहा कि सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, विशेषकर वंचित बिरहोर परिवारों को प्राथमिकता दी जाए.इस समीक्षा बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजुर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नीतीश कुमार निशांत समेत कई विभागों के अधिकारी उपस्थित थे.

चतरा : जेल में बंदी की बेरहमी से की गयी पिटाई पांच दिन बाद बेल पर बाहर आकर खोली पोल

चतरा। चतरा मंडलकारा (जेल) में एक बंदी की बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है. पीड़ित कैदी टंडवा के बादल कुमार दास ने बेल (जमानत) पर बाहर आने के बाद घटना का खुलासा किया. 29 सितंबर को उसे जेल के अंदर किसी मामूली बात को लेकर जेल जमादार धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, सिपाही मनोहर कुमार सिंह व गोपाल कुमार सिंह ने बुरी तरह पीटा. जिससे उसके शरीर के कई हिस्सों पर नीले निशान पड़ गये. लेकिन कैदी डर के कारण कुछ नहीं बोल सका और घर पर कॉल भी करने नहीं दिया गया. न ही किसी मिलने जुलने दिया गया, सेल वार्ड में डाल दिया गया. बेल मिलने के बाद जब वह बाहर निकला तो परिजनों ने उसके शरीर पर चोट के निशान देखे. पूछने पर उसने बताया कि जेल के अंदर उसकी लाठी-डंडे से पिटाई की गयी थी. साथ ही जातिसूचक शब्द से प्रताड़ित भी किया गया. इसके बाद परिजनों ने तत्काल उसे सदर अस्पताल में ईलाज कराया. परिजनों ने पिटाई करने वालो पर कार्रवाई की मांग करते हुए सदर थाना में शिकायत किया.

डीआरडीए निदेशक को हजारीबाग ले गई एसीबी

चतरा। सोमवार की दोपहर चतरा पहुंची भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते की स्पेशल टीम भले ही देर शाम बैरंग हजारीबाग लौट गई हो, लेकिन पूरी रात निदेशक के नगवाँ देवी मंडप के समीप स्थित निजी आवास की घेराबंदी कर पुलिस अभिरक्षा में उन्हें रखने के बाद मंगलवार की अहले सुबह डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी को अपने साथ हजारीबाग ले गई है. सूत्रों के अनुसार हजारीबाग के खासमहल जमीन के घोटाले के चर्चित मामले में तत्कालीन सदर अंचल अधिकारी रही अलका कुमारी को एसीबी की टीम आज पूछताछ के बाद न्यायालय में प्रस्तुत कर सकती है. विभागीय सूत्रों के अनुसार पूर्व से जेल में बंद निलंबित आईएएस विनय चौबे प्रकरण में तत्कालीन अंचल अधिकारी का कोर्ट में गवाही होना है. कोर्ट में पेशी के बाद सही मायने में अलका कुमारी से पूछताछ और उन पर हुई अब तक की कार्रवाई के गुपचुप मामले से सही मायने में पर्दा उठ सकेगा.

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर कार्यक्रम आयोजित

हजारीबाग। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य पर मंगलवार की अहले सुबह सदर प्रखण्ड के सखिया पंचायत स्थित लालपुर चौक से शस्त्र पूजन के साथ शांतिपूर्ण एवं गणवेश के साथ भव्य पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पथ संचलन कार्यक्रम लालपुर चौक से शुरूआत होकर सखिया, ओरिया जागृति चौक, स्कूल चौक, हनुमान चौक एवं ओरिया ओवरब्रिज से पुनः वापसी कर शिवांगन शिव मंदिर बैहरी - सखिया दुर्गा मंडप पहुंची. इस दौरान अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का अभूतपूर्व परिचय दिया. हिंदुत्व की एकता और संगठन शक्ति का अभूतपूर्व संदेश दिया. साथ ही ओरिया स्कूल चौक एवं हनुमान चौक के पास महिलाओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत एवं अभिनंदन किया.

रात के अंधेरे में फलफूल रहा अवैध बालू का धंधा

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण क्षेत्र में एक बार फिर अवैध बालू तस्करी का धंधा चरम पर है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रात के एक बजे से लेकर सुबह पांच बजे तक जीटी रोड व आसपास के इलाकों में सैकड़ों ट्रैक्ट खुलेआम बालू लादकर विभिन्न रूटों से गुजर रहे हैं. राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद यह अवैध कारोबार बिना किसी डर के जारी है, जिससे सरकारी राजस्व को करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह पूरा खेल चौपारण अंचल कार्यालय की जानकारी में होते हुए भी प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही. चौपारण के सीओ पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर उनके क्षेत्राधिकार में इतनी बड़ी मात्रा में बालू की अवैध ढुलाई कैसे हो रही है ग्रामीणों का कहना है कि रात के अंधेरे में ट्रैक्टरों की लंबी कतारें निकलती हैं, मगर अधिकारी मौन बने हुए हैं.लोगों का कहना है कि पहले कभी-कभार छापेमारी होती थी, लेकिन अब अधिकारियों की चुप्पी से तस्करों के हौसले बुलंद हैं.

प्रतियोगिता में सदर और पदमा का शानदार प्रदर्शन

हजारीबाग। हजारीबाग के ऐतिहासिक स्टेडियम कर्ज़न ग्राउंड में खेलो झारखंड 2025-26 बालिका वर्ग के अंडर 14 अंडर 17 तथा अंडर 19 आयुवर्ग के विभिन्न एथेलेटिक्स प्रतियोगिताओ का आयोजन हजारीबाग जिला के जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार के नेतृत्व में आयोजित की गई. कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता, सेवानिवृत पुलिस सह खेल प्रेमी सत्यदेव सिंह एवं सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी आनंद प्रभात कुल्लू द्वारा फीता काटकर किया गया. कार्यक्रम में जिले के सभी प्रखंड से भाग ले रही स्कूली खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से नए कृतिमान स्थापित किया. कई नए खिलाड़ियों ने नए रिकॉर्ड के साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी दावेदारी सुनिश्चित की तो वहीं पिछले वर्ष के विजेता खिलाड़ियों ने अपने रिकॉर्ड को सुधारते हुए एक बार फिर राज्य स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता के लिए प्रतिनिधित्व का स्थान कायम रखा.

आईसेक्ट विवि ने हजारीबाग से किया पुस्तक व कौशल यात्रा का शुभारंभ

झारखंड समेत 20 राज्यों में पहुंचेगा यह अभियान

शुभम संदेश। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग द्वारा तकनीकी शिक्षा और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) साक्षरता को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है. विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर से 'पुस्तक यात्रा' और 'कौशल यात्रा' को कुलपति प्रो. पीके नायक, कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद, समकुलपति डॉ. गौरव शुक्ला, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. एस.आर. रथ और डीआर विजय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस यात्रा का उद्देश्य झारखंड के हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, रामगढ़, बोकारो और साहिबगंज समेत कई जिलों के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विद्यार्थियों को पुस्तक संस्कृति, तकनीकी जागरूकता और विशेषकर एआई शिक्षा से जोड़ना है. कुलपति प्रो. पीके नायक ने कहा कि आईसेक्ट का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीक से जोड़ना है. पुस्तक व कौशल यात्रा इसी दिशा में एक सशक्त प्रयास है, जो एआई साक्षरता को व्यापक स्तर पर प्रसारित करेगी.

कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद ने बताया कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय का मुख्य फोकस हमेशा गुणवत्ता-आधारित शिक्षा, आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगारोन्मुखी कौशल विकास रहा है. यह यात्रा इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए गांव-गांव और कस्बों में जाकर विद्यार्थियों को एआई तकनीक से परिचित कराएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को भी तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा सकेगा. समकुलपति डॉ. गौरव शुक्ला ने जानकारी दी कि इस वर्ष की यात्रा का मुख्य आकर्षण 'एआई लिट्रेसी मिशन' है. इस उद्देश्य को साकार करने के लिए विशेष रूप से तैयार पुस्तक व कौशल रथ के माध्यम से एआई की शिक्षा को हर कोने तक पहुंचाया जाएगा. उन्होंने कहा कि नीति आयोग द्वारा विकसित भारत 2047 के विजन में एआई को केंद्रीय भूमिका दी गई है और आईसेक्ट का यह अभियान उसी दृष्टिकोण को गांव-गांव तक ले जाने का प्रयास है. उल्लेखनीय है कि आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज द्वारा शुरू की गई यह यात्रा देश के 20 राज्यों और 300 से अधिक जिलों में चलाई जाएगी. इस दौरान 500 से अधिक शिक्षण संस्थानों में लाखों विद्यार्थी, युवा और शिक्षक लाभान्वित होंगे. यात्रा के अंतर्गत निःशुल्क एआई सेमिनार, कार्यशालाएं, करियर काउंसलिंग और तकनीकी प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे. इस शुभारंभ कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे. यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी समावेशन की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है.

झोलाछाप मवेशी डॉक्टरों का बोलबाला, प्रशासन मौन

चौपारण। प्रखंड में इन दिनों झोलाछाप मवेशी डॉक्टरों का आतंक फैल गया है. बिना किसी डिग्री, बिना सरकारी अनुमति और बिना किसी प्रमाणपत्र के ये तथाकथित "डॉक्टर" मवेशियों का इलाज करने के नाम पर किसानों की जेब पर खुला डाका डाल रहे हैं.ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं की बीमारियों के बढ़ते मामलों का फायदा उठाकर ये झोलाछाप डॉक्टर अपने कंधे पर झोला लटकाए गांव-गांव घूमते हैं. सूचना मिलते ही ये लोग मौके पर पहुँचकर खुद को पशु चिकित्सक बताकर मवेशियों को इंजेक्शन और दवाइयां देते हैं, और इलाज के नाम पर ये लोग मोटी रकम तक वसूलते हैं, जबकि अधिकांश मामलों में मवेशी की हालत और बिगड़ जाती है.ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और पशुपालन विभाग की घोर लापरवाही के कारण ही ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों का बोलबाला बढ़ गया है. चौपारण जैसे बड़े प्रखंड में मात्र एक सरकारी पशु चिकित्सक कार्यरत हैं

शहीद भगत सिंह की जयंती पर देशभक्ति से गूंजा चौपारण, पूर्व विधायक के आवास पर मना दोहरा पर्व

चौपारण। बरही विधानसभा के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता उमाशंकर अकेला यादव के चौपारण स्थित आवास प्रांगण में अमर शहीद भगत सिंह की जयंती बड़े ही श्रद्धा, जोश और उत्साह के साथ मनाई गई. इस अवसर पर देशभक्ति का माहौल चारों ओर छाया रहा. वहीं इसी दिन पूर्व विधायक के पौत्र कुमार भगत सिंह का जन्मोत्सव भी बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिससे यह दिन "दोहरी खुशी का पर्व" बन गया. कार्यक्रम में सुबह से ही चौपारण, बरही, पदमा, चंदवारा और हजारीबाग के लोगों का आगमन शुरू हो गया था. पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला स्वयं गेट पर खड़े होकर सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते नजर आए. कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण से हुई. पूर्व विधायक के

पौत्र कुमार भगत सिंह ने अपने दादा के साथ मिलकर शहीद भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की. इसके पश्चात केक काटा गया और उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच जन्मदिन की बधाइयाँ दीं. इस अवसर पर पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव ने कहा कि "अमर शहीद भगत सिंह हमारे देश की आजादी के सबस—एक ओर शहीद भगत सिंह की जयंती और दूसरी ओर मेरे पौत्र भगत सिंह का जन्मोत्सव. मुझे गर्व है कि मेरे पोते का नाम ऐसे महान क्रांतिकारी के नाम पर रखा गया है. मेरी यही कामना है कि यह बच्चा भी समाज और देश की सेवा में अपना योगदान दे."इसके बाद परिवार के सदस्यों और उपस्थित लोगों ने मिठाई बांटी, देशभक्ति के गीत गाए, और "इंकलाब ज़िंदाबाद", "शहीदों को सलाम" के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा. आए हुए हजारों अतिथियों को भोजन करवाया गया. इस अवसर पर सिमरिया के पूर्व विधायक योगेन्द्र बैठा, जीप सदस्य रविशंकर मौजूद थे.

घोटाला | प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल, दानिश पर हुई कार्रवाई तो सीओ व कर्मचारी को क्यों बचा रहे अधिकारी..?

प्रमंडलीय आयुक्त व मुख्य सचिव से भी कार्रवाई की मांग

शुभम संदेश। चतरा

- बगैर ओटीपी अंचल अधिकारी व राजस्व कर्मचारी के डिजिटल सिग्नेचर का कैसे उपयोग कर रहा था ऑपरेटर..?
- राजस्व कर्मचारी व सीओ पर मेहरबानी पड़ सकता है भारी, सीएम दरबार पहुंचा मामला..!

टंडवा अंचल कार्यालय में सीएनटी भूमि का बगैर डीसी के अनुमोदन अवैध तरीके से सीधा ऑनलाइन डिमांड खोलने के सनसनीखेज मामले में जिला प्रशासन द्वारा किया गया कार्रवाई विवादों से घिरता नजर आ रहा है. गरीब आदिवासियों की जमीन को लूटने के षड्यंत्र के खुलासे के बाद अंचल कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद दानिश पर एकतरफा कार्रवाई कर मामले को दबाने के जिला प्रशासन के प्रयासों का मामला अब सीएम दरबार पहुंच चूका है. मामले में शिकायतकर्ताओं नें वरीय अधिकारियों पर जमीन लूट के षड्यंत्र में शामिल टंडवा अंचल के प्रभारी अंचल अधिकारी देवलाल उरांव और घघरा के राजस्व कर्मचारी इंदर कुमार (सोनी) से मिलीभगत कर मामले का लीपापोती करने का गंभीर आरोप लगाया है. शिकायतकर्ताओं के अनुसार राजस्व कर्मचारी इंदर कुमार (सोनी) का प्रोन्नति होना है. ऐसे में जमीन लूट के षड्यंत्र के मामले में उनके विरुद्ध कार्रवाई होती है तो भविष्य में उनका प्रमोशन प्रभावित हो जाएगा. मामले में पीड़ित पक्ष ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार व प्रमंडलीय आयुक्त के अलावे विभागीय मंत्री को पत्र भेज कर षड्यंत्र में शामिल सीओ और राजस्व कर्मचारी के विरुद्ध भी कार्रवाई की मांग की है.

कहा है कि एक ही मामले में अगर कंप्यूटर ऑपरेटर को नौकरी से बर्खास्त किया जा सकता है, तो फिर उसे संरक्षण देने और मामले में सीधे तौर पर डिजिटल सिग्नेचर और निजी मोबाइल में प्राप्त ओटीपी को शेयर करने वाले प्रभारी सीओ और राजस्व कर्मचारी पर कार्रवाई क्यों नहीं? शिकायतकर्ता ने मामले में जिला प्रशासन द्वारा दोषियों के विरुद्ध अबतक प्राथमिकी की कार्रवाई सुनिश्चित नहीं होने को लेकर भी सवाल खड़ा किया है। जिला प्रशासन से यह भी पूछा है कि सीओ और कर्मचारी द्वारा बगैर ओटीपी शेयर किये ऑपरेटर के द्वारा लॉगिन संचालित किया जा सकता है..? बहरहाल मामले में अंचल अधिकारी और आरोपी कर्मचारी के विरुद्ध जिला प्रशासन की ओर से क्या कुछ कार्रवाई होती है, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन इस बात से तनिक भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों पर कार्रवाई में देरी से कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं ? हालांकि इस पूरे मामले में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार ने बताया कि मामले में संलिप्त अंचल अधिकारी और राजस्व कर्मचारी के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा रही है. उपायुक्त के द्वारा राजस्व कर्मचारी के विरुद्ध प्रपत्र ₹कर गठित कर विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिये गए हैं. साथ ही जरूरत पड़ी तो संलिप्तता के बिंदु के आधार पर उन्हें निलंबित भी किया जाएगा. अपर समाहर्ता ने प्राथमिकी में देरी के सवाल पर चुप्पी साध ली.

जतरा मेला : हमारी परंपरा, हमारी पहचान

हजारीबाग। हत्यारी मोरंगी की पावन धरती पर मंगलवार को सरना समिति, हत्यारी के तत्वावधान में दसवीं आदिवासी जतरा मेला का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने विधायक पुत्र सूर्यांश कुमार के साथ संयुक्त रूप से किया.मेले में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की मनमोहक झलक देखने को मिली. पारंपरिक नृत्य की विविध लोक नृत्य प्रस्तुतियों ने वातावरण को उल्लासमय बना दिया. इस अवसर पर जल, जंगल और जमीन की पूजा कर प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया गया.मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी लोग शामिल हुए. उत्सव स्थल पर जनसैलाब उमड़ पड़ा.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजसेवी व भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा, "मैं झारखंड की इस पावन धरती को नमन करती हूं.

एक नजर

रामगढ़: ट्रांसजेंडर समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने की पहल,हिमांशी को सौंपा गया नियुक्ति पत्र

रामगढ़। जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है. इसी क्रम में उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने मंगलवार को कार्यालय कक्ष में ट्रांसजेंडर हिमांशी को आदेशपाल के पद पर नियुक्ति पत्र सौंपा. हिमांशी की नियुक्ति बाह्य स्रोत से प्रतिनियुक्ति के माध्यम से जिला समाहरणालय में की गई है. यह पहल ट्रांसजेंडर समुदाय को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है. उपायुक्त द्वारा दिए गए निर्देशों के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा ट्रांसजेंडरों के लिए स्वयं सहायता समूह के गठन की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है, जिससे उन्हें रोजगार, प्रशिक्षण और अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके. नियुक्ति पत्र सौंपने के अवसर पर उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो सहित ट्रांसजेंडर समुदाय के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे. इस पहल का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समूह को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे वे भी अन्य नागरिकों की तरह गरिमापूर्ण जीवन जी सकें.

लक्ष्मी पूजा को लेकर यादव समाज की हुई बैठक

हजारीबाग। सदर प्रखंड के ओरिया स्थित देवी मंडप प्रांगण में लक्ष्मी पूजा को लेकर मंगलवार की अहले सुबह यादव समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई. जिसकी अध्यक्षता ओरिया के पंचायत समिति सदस्य जीतु यादव ने किया. बैठक की शुरुआत जय मां लक्ष्मी सहित भगवत उद्घोष व जयकारा एवं पिछले वर्ष के आय- व्यय के प्रस्तुत के साथ हुई. सर्वसम्मति से समिति के अध्यक्ष नारायण यादव, उपाध्यक्ष गोविन्द यादव, सचिव अशोक यादव, उपसचिव विजय कुमार यादव, कोषाध्यक्ष गोपाल यादव, संरक्षक जीतु यादव, रूपलाल यादव, तुलसी गोप, किशोरी यादव मौजूद थे.

लोक उत्सव बना दुधमटिया पर्यावरण मेला

हजारीबाग। भारतीय प्राचीन सभ्यता और संस्कृति की जीवंत झलक मंगलवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मांडू विधानसभा अंतर्गत टाटीझरिया प्रखंड स्थित दूधमटिया में देखने को मिली. दुधमटिया वृक्ष रक्षाबंधन-सह-पर्यावरण मेला के रूप में प्रख्यात हो रहे इस लोक उत्सव में इस वर्ष भी लोगों का अपार सैलाब उमड़ा. वन की प्राकृतिक सुरम्यता, रमणीयता और बासंती वैभव का अनुपम नज़ारा देखते ही बन रहा था. इस मेले के मुख्य प्रणेता, अवकाश प्राप्त शिक्षक एवं पर्यावरण प्रेमी महादेव महतो जी के जज़्बे को आज पूरा क्षेत्र सलाम कर रहा है. ठीक 7 अक्टूबर 1995 को महादेव महतो जी ने दूधमटिया जंगल में वृक्षों में लाल डोर बांधकर वृक्ष बचाने और पर्यावरण संरक्षण की एक भागीरथी प्रयास की शुरुआत की थी.

मंसूर आत्महत्या कांड में चार पुलिस अधिकारी लाइन हाजिर

कोडरमा। निलंबित चालक मंसूर आलम आत्महत्या कांड में मृतक की पत्नी के आवेदन पर चंदवारा थाना में दर्ज मामले के बाद प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है. पुलिस कप्तान अनुदीप सिंह के निर्देशानुसार जयनगर थाना प्रभारी बबलू सिंह, डोमचांच थाना प्रभारी ओम प्रकाश यादव, सपही पिकेट प्रभारी रमेश मरांडी व जयनगर में पदस्थापित एएसआई अरविंद हांसदा को लाइन हाजिर कर दिया गया है. प्रशासनिक दृष्टिकोण से यह कदम उठाया गया है. वहीं, एसआई अभिमन्यु कुमार परिहारी को डोमचांच थाना प्रभारी तथा एसआई उमानाथ सिंह को जयनगर थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है.

बिहार के छह विस की जिम्मेवारी मनीष जायसवाल को

हजारीबाग। भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने झारखंड प्रदेश के हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल पर विश्वास जताते हुए उन्हें आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र के छः विधानसभा क्षेत्र का जिम्मेवारी सौंपा है. जिसमें मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र के आलमनगर, बिहारीगंज, मधेपुरा, सोनवर्षा, सहरसा एवं महिषी विधानसभा क्षेत्र शामिल है. इधर सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार को अपने प्रभार क्षेत्र कुच कर गए और सहरसा स्थित भाजपा पार्टी कार्यालय पहुंचकर अपना कार्य शुरू कर दिया. यहां स्थानीय भाजपा जिला अध्यक्ष साजन शर्मा और स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष गुप्ता के साथ उन्होंने आगामी चुनाव को लेकर विशेष मंथन कर चुनावी रणनीति बनाया.

एसपी अंजनी अंजन की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी

हजारीबाग। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में अपराध गोष्ठी का आयोजन हुआ l इस दौरान पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के द्वारा सभी थाना प्रभारीयों एवं पुलिस पदाधिकारियों को विभिन्न बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिया गया l जिसमें महिला प्रताड़ना एवं हिंसा तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित कांडों में अविलंब कार्रवाई करते हुए 60 दिनों के भीतर उन कांडों का निष्पादन के निर्देश दिये.

उच्च शिक्षा के लिए बच्चों में जागरूकता जरूरी : डॉ फारुक

रामगढ़। मौलाना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय (मानू) रांची के असिस्टेंट रीजनल डायरेक्टर डॉ. उमर फारूक ने रामगढ़ जिले के कई शिक्षण संस्थानों का दौरा किया. उन्होंने चितरपुर कॉलेज व क्रिएटिव कोचिंग सेंटर चितरपुर पहुंचकर शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित किया. पूजा अवकाश के बाद कॉलेज में यह पहला दिन था, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं सभागार में मौजूद थे. इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. संज्ञा, क्रिएटिव कोचिंग सेंटर के निदेशक सहित कई शिक्षकगण एवं शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित रहे.

खेल से भी भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं : अग्नेशिया

चरही। चुरचू प्रखंड के तहत ग्राम बालीडीह में झरना झारखंड ट्रस्ट व संगम क्लब बालीडीह के तत्वाधान में दो दिवसीय फाइनल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. जिसका उदघाटन मुख्यातिथि पूर्व जिप सदस्य अग्नेशिया सांडी पूर्ति व विशिष्ट अतिथि पूर्व मांडू विधानसभा विधायक प्रत्याशी आनंद सोरेन, चुरचू मुखिया पूनम बेसरा, चुरचू पूर्व उपमुखिया सहदेव किस्कु, आंगो मुखिया प्रतिनिधि मोहन हेम्ब्रोम, झारखंड आदिवासी दलित मंच के संयोजक महालाल हंसदा, चरही पूर्व मुखिया महादेव सोरेन व बालीडीह मांझी हड़ाम कैलू मांझी ने संयुक्त रुप से फीता काटकर और फुटबॉल को किक मारकर मैच का शुभारंभ किया.

डीएवी बरकाकाना के छात्रों का कला उत्सव में धमाल

रामगढ़। राज्य स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम में रामगढ़ जिला का प्रतिनिधित्व करते हुए डीएवी पब्लिक स्कूल सीसीएल एनटीएस बरकाकाना के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया. विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र अभिषेक जॉर्ज, प्रणव भारती, प्रसिद्धि झा एवं रिद्धिमा ने समूह नाटक श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया.इस अवसर पर प्रधानाचार्य मोहम्मद मुस्तफा मजीद ने कहा हमारे विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, अनुशासन और रचनात्मकता के बल पर यह सफलता अर्जित की है. यह उपलब्धि डीएवी बरकाकाना की उत्कृष्ट शिक्षण परंपरा का प्रमाण है. मैं टीम के सभी सदस्यो को हृदय से बधाई देता हूँ.कार्यक्रम में विद्यार्थियों की कलात्मक अभिव्यक्ति और टीम भावना की सभी ने सराहना की.

मुस्कुराहटें संस्था का रक्तदान के क्षेत्र में बेहतर कार्य

रामगढ़। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर रामगढ़ सदर अस्पताल स्थित रक्त अधिकोष केंद्र में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही मुस्कुराहटें संस्था को सम्मानित किया गया. रक्त अधिकोष में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ जिला की सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद व विशिष्ट अतिथि सदर अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ उदय श्रीवास्तव, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ तूलिका रानी, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ ठाकुर मृत्युंजय सिंह, रक्त अधिकोष प्रभारी डॉ निशात अहमद, डॉ विवेक उपाध्याय, डॉ डोली कुमारी शामिल हुई.

गुमला: बुलेट शो रूम में रंगदारी मांगने के मामले में अपराधी गिरफ्तार

गुमला। पालकोट रोड स्थित बुलेट शो रूम के मालिक को डरा धमका कर रंगदारी लेने की योजना में शामिल मो सद्दाम को टोटो बीट की पुलिस ने उसके आवास न्यू डीपाटोली जगरनाथपुर थाना क्षेत्र पुंदाग ओपी से गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया है. गिरफ्तार मो. सद्दाम ने कहा है कि वह जड़ी बूटी दवा बनाकर बेचने का काम करता था. मुहल्ले के ही अताउल रहमान के संपर्क में आया और उसने मो.जावेद, मो. जावेद अंसारी, तसलीम अंसारी से संपर्क कराया. उताउल रहमान के कहने पर गुमला बुलेट शो रूम के मालिक से रंगदारी मांगने के लिए एक दिन पत्र फेंका गया था. उसके बाद भी लेवी नहीं मिलने पर दुकान के सामने 27 अप्रैल को फायरिंग की योजना बनाकर पहुंचे थे. भीड़ के कारण फायरिंग नहीं कर सके और बाईपास में छुप गए.

सरला बिरला विश्वविद्यालय में सहकारिता पर संगोष्ठी का आयोजन, सतीश मराठे बोले

विकसित भारत को गढ़ने में सहकारिता की भूमिका अहम

शुभमसंदेश। रांची

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में सहकार भारती, झारखंड एवं सरला बिरला विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सोमवारको'आर्थिक एवं सामाजिक विकास का सशक्त माध्यम सहकारिता ' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. सरला बिरला विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी के मुख्य अतिथि सहकार भारती के संस्थापक सदस्य एवं भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशक सतीश मराठे ने सहकारिता के विभिन्न आयामों, इसके कार्यकलापों व देश के विकास की राह में इसके योगदान की विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने आज के दौर में आठ लाख सहकारी समूहों में से तकरीबन साढ़े लाख समूहों के प्रत्यक्ष आर्थिक गतिविधियों से जुड़ाव की बात कही. विकसित और आत्मनिर्भर भारत को गढ़ने में कोऑपरेटिव सेक्टर की अहम भूमिका तथा तकरीबन 30 करोड़ भारतीयों के इससे जुड़े होने से जीडीपी में इसके योगदान की भी उन्होंने चर्चा की.

संगोष्ठी में विषय प्रवेश कराते हुए सहकार भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री विनय खटावकर ने इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और वर्तमान पीढ़ी को सहकारिता के महत्व पर यथोचित जानकारी देने की आवश्यकता की बात कही. संगोष्ठी का संचालन सुधीर कुमार ने किया. संगोष्ठी के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया.

इस अवसर पर सहकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमरेंद्र पाठक, प्रदेश महामंत्री धनंजय सिंह, प्रांत मंत्री रितेश झा, नाबार्ड की सीजीएम दीपमाला घोष, आईसीएआर निदेशक डॉ. अभिजीत कार समेत एसबीयू के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन, कुलसचिव प्रो एसबी डांडिन व आयोजन समिति के प्रो. संदीप कुमार, करण प्रताप सिंह व विवि के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान औरराज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने संगोष्ठी के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया.

एक नजर

विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने तीन दिवसीय आत्मिक जागृति प्रार्थना सभा में लिया हिस्सा

ठेठईटांगर। कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने आत्मिक जागृति के तहत आयोजित तीन दिवसीय प्रार्थना सभा के दूसरे दिन कार्यक्रम में शिरकत की. उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ₹सत्य को जानोगे और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा.₹ विधायक ने ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों को समाज के लिए अत्यंत लाभकारी बताया और कहा कि इससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा, पारस्परिक सद्भाव और अध्यात्मिक चेतना का संचार होता है. उन्होंने ऐसे आयोजनों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया ताकि मंडली और समाज ईश्वर के और समीप आ सके. यह तीन दिवसीय प्रार्थना सभा मुख्य रूप से रेव्ह शैलेश पौल मिंज (जमशेदपुर, झारखंड) और रेव्ह जयकांत बड़ाइक (सिमडेगा, झारखंड) के सशक्त वचनों से संचालित रही. वक्ताओं ने प्रभु के संदेशों का प्रचार किया और बीमारों के लिए विशेष प्रार्थना की गई. युवाओं के लिए भी विशिष्ट प्रार्थना सत्र रखा गया और अंत के दिनों से संबंधित विशेष वचनों को भी साझा किया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मसिही विश्वासी उपस्थित रहे. आयोजन समिति द्वारा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया. कार्यक्रम के दौरान भजन, ध्यान और सामूहिक प्रार्थना का आयोजन भी किया गया. मौके पर विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, अनिल कच्छप, मुकुल, आनंद बिलुंग समेत अनेक गणमान्य उपस्थित रहे. कार्यक्रम को सफल बनाने में असुन्ता सोरेंग, कोमोलिना सुरिन, दिब्या, सरिता डुंगडुंग, बरदानी केरकेट्टा, ललीता बघवार, आश्रिता केरकेट्टा, सुमिरा समद, अलका कच्छप, नीलमणी मिंज एवं स्थानीय मंडलियों का विशेष योगदान रहा. यह तीन दिवसीय आत्मिक जागृति सभा कल समापन प्रार्थना के साथ संपन्न होगी.

चैनपुर में बिजली विभाग ने की बड़ी कार्रवाई सात लोगों पर बिजली चोरी का केस दर्ज

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड में बिजली विभाग ने बिजली चोरी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. सहायक विद्युत अभियंता हरि उरांव के नेतृत्व में छापामारी दल ने विभिन्न गांवों में जांच अभियान चलाया और बिजली चोरी करते हुए लोगों को पकड़ा.विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, चैनपुर के मड़ईकोना निवासी शशिकांत तुर्की पर 14,673 रुपये, डहुडढ़ गांव निवासी अमित केरकेट्टा पर 9,782 रुपये, महेशपुर निवासी शुभम भगत पर 12,716 रुपये, शिव कुमार साहू पर 12,716 रुपये, बीरेंद्र गिरी पर 9,782 रुपये और सिल्फरी निवासी अजीत केरकेट्टा पर 14,673 रुपये का जुर्माना लगाया गया है. इन सभी के खिलाफ चैनपुर थाने में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज कराया गया है.सहायक विद्युत अभियंता हरि उरांव ने इस कार्रवाई पर बात करते हुए कहा, ₹बिजली चोरी एक गंभीर अपराध है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. जिन लोगों के घरों में अभी तक मीटर नहीं लगा है, वे जल्द से जल्द आवेदन देकर मीटर लगवा लें. भविष्य में भी इस तरह की छापामारी जारी रहेगी और बिजली चोरी करते पकड़े जाने पर निश्चित रूप से कानूनी कार्रवाई की जाएगी. इस कार्रवाई से प्रखंड में बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया है। विभाग ने आम जनता से भी अपील की है कि वे बिजली का सही उपयोग करें और किसी भी प्रकार की बिजली चोरी की सूचना तुरंत विभाग को दें.

भेलवतला में स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के भेलवतला के समीप मंगलवार को एक स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है.घटना के समय क्षेत्र भ्रमण से लौट रहे चैनपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा की नजर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति पर पड़ी. उन्होंने तत्काल मानवता का परिचय देते हुए अपनी गाड़ी रोकी और घायल की मदद के लिए आगे आए. बीडीओ ने बिना देरी किए 108 एंबुलेंस सेवा को कॉल कर घटना की सूचना दी.इसके साथ ही उन्होंने चैनपुर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार को भी फोन पर दुर्घटना की जानकारी दी. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कृष्ण कुमार, एसआई अशोक कुमार, एएसआई नंदकिशोर कुमार और संतोष धर्मपाल लुगुन सहित पुलिस बल की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची.पुलिस और बीडीओ की संयुक्त मदद से घायल व्यक्ति को तत्काल चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया. स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद, घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, गुमला रेफर कर दिया है.बीडीओ यादव बैठा और चैनपुर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और मानवीय पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की है, जिनकी वजह से एक अज्ञात व्यक्ति को समय पर चिकित्सकीय सहायता मिल सकी. पुलिस घायल व्यक्ति की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है.

दारुल कजा विवादों को खत्म कर आपसी भाईचारा और अमन को बढ़ावा देता है: मुफ्ती उमर फारुक

लोहरदगा। जिस तरह इस्लाम इबादत का तरीका सीखाता है इसी तरह आपसी मतभेद, पारिवारिक विवाद और तमाम तरह के झगड़ों में इंसाफ और अदल का हूक्म भी देता है, मजलूम को इंसाफ दिलाना इस्लाम की बुनियादी तालीम है, इसीलिए मुसलमानों में दारुल क़जा कायम किया जाता है. जहां निकाह, तलाक, खुला, पारिवारिक विवाद, और कारोबार से जुड़े मामले आपस में बैठकर आपसी समझौता से हल किए जाते हैं. उक्त बातें इमारतें शरिया के काज़ी मुफ्ती उमर फारूक मुस्लिम मैरेज रजिस्ट्रार (शहर काजी) लोहरदगा ने दो परिवारों के विवादों को सुलझाते हुए कही. उन्होंने ये भी कहा कि दारूल क़जा न सिर्फ इंसाफ का मरकज है बल्कि यह दो परिवारों के दरमियान होने वाले विवादों को खत्म करके आपसी भाईचारे और अमन को बढ़ावा भी देता है. दारुल क़जा समाज की रूह और जरूरत है, जिस से कोर्ट कछहरियों का बोझ भी कम होता है और लोगों को इंसाफ सिर्फ हक और सच की बुनियाद पर मिलता है, जहां न रिश्वत चलती है और ना पक्षपात और ना बेइंसाफी की गुंजाइश रहती है, मुसलमानों को चाहिए कि वह अपने मामलात दारुल क़जा से कम वक्त और कम खर्च में हल काराऐं और दूसरों को भी इसकी तरफ रहनुमाई करें.

इंटरनेशनल टीचर्स डे मना कर गुरुओं का किया सम्मान

सिमडेगा। शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो इसे पियेगा वह दहाड़ेगा... यह कथन तब ही सार्थक होता है जब आपके समकच्छ बेहतरीन गुरु हो. भारत मे गुरुओं का सम्मान प्राचीन काल से ही सर्वोपरि रहा है. लचरागढ़ जैसे छोटे छेत्र के छात्र भी गुरुओं का सम्मान करने मे पीछे नहीं हटते. इंटरनेशनल टीचर डे के अवसर पर मुझे कुछ करना है के छात्र छात्राओं ने इंटरनेशनल टीचर डे मनाकर इस बात को साबित किया. विभिन्न प्रकार के नृत्य, नाटक, भाषण, सायरी और चुटकुले सुनकर सभी छात्रों ने भरपूर मनोरंजन किया. मुझे कुछ करना है के शिछक रवि शंकर साहनी और अविनाश साहू ने सभी छात्रों का आभार व्यक्त किया और कहा की वे हमेसा अपने छात्रों के सफलता के लिए कतिबद्ध है उनका यही प्रयास है की अपने छेत्र के ज्यादा से ज्यादा छात्र सफल हो.रवि शंकर साहनी ने बताया की वर्त्तमान मे संस्था से 3 छात्र आर्मी अग्निविर मे लिखित, रनिंग और मेडिकल की परीछा पास कर मेरिट लिस्ट का इंतजार कर रहे है.

नवजात खरीद-बिक्री मामले में तीन कर्मी की सेवा समाप्त

गुमला। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रायडीह के कर्मियों द्वारा नवजात शिशुओ का सौदा किये जाने के मामले में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य प्रशासन, गुमला द्वारा तीन सदस्यीय जॉच टीम गठित की गयी थी. टीम के द्वारा जॉचोपरांत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रायडीह के बीटीटी सुमन कुजूर, सहिया पार्वती देवी और सीएचओ रिमझिम लकड़ा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बॉसडीह के कर्मी दोषी पाये गए. दोषी पाए जाने के कारण तीनों कर्मियों को गुमला सदर अस्पताल के सिविल सर्जन ने तत्काल प्रभाव से सेवाकार्य से मुक्त दिया है. बता दें कि रायडीह में नवजात शिशु के खरीद बिक्री मामले में बाल कल्याण समिति की टीम ने गुमला पुलिस के सहयोग से सोमवार की देर रात दोनों बच्चों को बरामद कर लिया गया. दोनों बच्चों की रिकवरी के लिए पुलिस और बाल कल्याण समिति के सदस्य शाम 4:00 बजे से लेकर रात में 9:00 बजे तक परेशान रहे. काफी मशक्कत के बाद पुलिस और बाल कल्याण समिति के सदस्यों को सफलता हाथ लगी. जानकारी के अनुसार एक बच्चा टावर चौक के समीप रिकवर किया गया. टावर चौक में जो बच्चा को रिकवर किया गया.

लेडी केसी रॉय मेमोरियल में नामांकन प्रक्रिया 13 से

रातू। लेडी केसी रॉय मेमोरियल स्कूल में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा प्री-नर्सरी से कक्षा 9 तक के नामांकन प्रक्रिया आगामी 13 अक्टूबर से प्रारंभ होने जा रहा है. विद्यालय प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नामांकन फॉर्म स्कूल की आधिकारिक वेबसाइट से ऑनलाइन प्राप्त किए जा सकते हैं या फिर स्कूल कार्यालय से सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं.

विहिप बजरंग दल ने मनाई महर्षि वाल्मिकी की जयंती

गुमला। दुर्गा मंदिर प्रांगण में मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई. विश्व हिंदू परिषद गुमला के जिला मंत्री मनीष कुमार ने कहा कि वाल्मीकि जयंती एक हिंदू त्योहार है जो महर्षि वाल्मीकि की जयंती के रूप में मनाया जाता है. महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की, जो हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है महर्षि वाल्मीकि की जयंती हमें सत्य और नैतिकता के मार्ग पर चलने का संदेश देती है महर्षि वाल्मीकि को आदिकवि के रूप में सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने संस्कृत साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया. जिला संयोजक संतोष यादव, अखाडा प्रमुख रविंद्र सिंह, प्रचार प्रसार प्रमुख अमित कुमार, प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद सिंह उपाध्यक्ष दुखन गोप, मिलन प्रमुख यशराज सिंह केशव लोहरा, अमित सिंह अरविंद सिंह. विकास सिंह. दीपक कुमार. पुष्पांग गोप, शिवम चौधरी सहित अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे.

छह माह से नहीं हुआ है मनरेगा वेंडरों के बिल का भुगतान

गुमला। गुमला प्रखंड में मनरेगा का भुगतान नहीं होने से वेंडरों की परेशानी बढ़ गई है. वेंडरों की माने तो गुमला में कुल 12 वेंडर हैं. लगभग छह करोड़ का बिल लंबित है. अप्रैल माह से बिल का भुगतान नहीं हुआ है. ज्ञात हो कि मनरेगा केंद्र सरकार का महत्वकांक्षी योजना है. मजदूरों को सौ दिन रोजगार की गारंटी है. मनरेगा के तहत कुआं, गाय शेड, बकरी शेड, बागवानी, शोकपीट आदि का काम हुआ है. इसके लिए सामग्री की आपूर्ति का प्रावधान वेंडर को करना है. प्रखंड प्रशासन के निर्देश पर वेंडर योजना स्थल पर दुकानों से अपने विश्वास पर सामग्री आपूर्ति कर दिया. भुगतान समय पर नहीं होने के कारण दुकानदार वेंडर पर पैसा के लिए दबाव बना रहा है. इस संबंध में मनरेगा के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी जास्मीन ने बताया कि राशि का आवंटन हो गया है. लेकिन निकासी पर रोक लगाया गया है. राज्य स्तर पर प्रखंड वार राशि का भुगतान कराया जा रहा है. तीन चार प्रखंड का भुगतान हो गया. उम्मीद है एक सप्ताह के भीतर गुमला प्रखंड का भी भुगतान का आदेश मिल जायेगा.

रांची यूनिवर्सिटी इंटर कालेज फुटबाल टूर्नामेंट आज से

गुमला। रांची यूनिवर्सिटी इंटर कालेज पुरुष फुटबाल प्रतियोगिता आठ अक्टूबर से कार्तिक उरांव कालेज गुमला में होगा. टूर्नामेंट का उदघाट्न रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डा. धर्मेंद्र कुमार सिंह बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे करेंगे. कार्तिक उरांव कालेज के खेल शिक्षक मनोज कुमार साहु ने बताया कि टूर्नामेंट की लगभग सभी तैयारी पूरी कर ली गई है. टूर्नामेंट का फाइनल सह समापन समारोह 11 अक्टूबर को आयोजित होगी. टूर्नामेंट में रांची यूनिवर्सिटी के कुल 16 टीमें भाग ले रही है. उदघाटन समारोह से पहले ही तीन मैच खेले जाएंगे. पहला मैच पूर्वाह्न सात बजे से आरएलएसवाई कालेज रांची और एसएस मेमोरियल कालेज रांची के बीच, पूर्वाह्न आठ बजे डोरंडा कालेज रांची और परमवीर अल्बर्ट एक्का कालेज चैनपुर के बीच तथा पूर्वाह्न नौ बजे बीएस कालेज लोहरदगा और केसीबी कालेज बेडो के बीच खेला जाएगा. पूर्वाह्न 11 बजे से कुलपति डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह टूर्नामेंट का विधिवत उदघाटन करेंगे और उदघाटन समारोह के बाद के ओ कालेज गुमला और संत जेवियर कालेज सिमडेगा के बीच खेला जाएगा. खेल शिक्षक ने बताया कि प्रतियोगिता की पूरी तैयारी कर ली गई है. खेल मैदान और खिलाड़ियों के आवासन आदि की व्यवस्था कर दी गई है. कालेज में भी साफ सफाई आदि का काम पूरा कर लिया गया है.

युवक का शव बरामद, चाकू से घोंप कर की गयी हत्या

कामडारा (गुमला)। कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरुमकेला गांव के खेत से ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने तेलेसफोर केरकेट्टा 34 वर्ष का शव बरामद किया है. प्रथम दृष्टया चाकू से गर्दन पर वार कर हत्या प्रतीत हो रहा है. मृतक तेलेसफोर केरकेट्टा मुरुमकेला ठेंगा टोली का रहने वाला था. परिवार जनों के अनुसार वह उसे शराब पीने का आदत था। हमेशा नशे में रहता था और हमेशा अपने रिश्तेदारों के घर घूमता रहता था. मृतक का मां एक होटल में काम करती है. 6 अक्टूबर को मृतक अपने मां के पास था, सुबह में अपने बहन का घर लप्पा गया था और वहां से खाना खाकर निकला था. शराब पीने के बाद वह किसी से भी उलझ जाता था. परिजनों का कहना है कि अज्ञात अपराधियों ने उसे हत्या कर दी है. घटना के संबंध में बहन सुशीला केरकेट्टा ने कामडारा थाना में हत्या का मामला दर्ज कराई है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिवार जनों को सौंप दिया और हत्या के कारणों व दोषियों को पता लगाने में जुट गई है.

एनएच चौड़ीकरण का विरोध, डीसी को सौंपा ज्ञापन

गुमला । गुमला में नेशनल हाइवे-43 डायवर्ट भारत माला सड़क निर्माण के विरोध में मंगलवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने गुमला उपायुक्त कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया. झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के गुमला जिला सचिव सलींद्र उरांव के नेतृत्व में काफी संख्या में लोगों ने समाहरणालय परिसर में धरना दिया और उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपकर खेती योग्य भूमि पर भारत माला रोड निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग की है. उपायुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि एनएच चौड़ीकरण में खोरा से गुमला बाईपास होते हुए जोराग, सिलम, अंबाटोली, खटखोर, भलमंडा, कुलमुंडा, रायडीह, कुरुछतरपुर और मांझाटोली होते हुए छत्तीसगढ़ सीमा से जोड़ना है. जिसकी पुष्टि राष्ट्रीय उच्च पथ कार्यालय से जारी पत्र में स्पष्ट है.

जिला समाहरणालय सभागार में जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन

उपायुक्त ने 50 से अधिक मामलों का किया निष्पादन

शुभम संदेश। गुमला

जिला समाहरणालय सभागार में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया. इस मौके पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 50 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं. शिकायतों की प्रकृति विविध रही, जिनमें भूमि विवाद, सरकारी योजनाओं से वंचित रहना, राशन कार्ड में त्रुटियां, बिजली-पानी की समस्याएं, और अनुकंपा नियुक्ति जैसे मामलों पर खास ध्यान दिया गया.चपका गांव के श्रमिकों ने बताया कि वे देवरिया जिले के भेड़ापाकड़ गांव में स्थित संजय सिंह के ईंट भट्ठे पर दिसंबर 2024 से जून 2025 तक कार्यरत थे, लेकिन अभी तक मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ है. साथ ही, उनका एक ऑटो वाहन भट्ठा मालिक ने कब्जे में ले लिया है. इस गंभीर शिकायत पर उपायुक्त ने श्रम विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए. ग्राम पुग्गू के प्रधान ने एनएच 43 के पास स्वर्गीय कार्तिक उरांव की प्रतिमा स्थापना हेतु ग्राम सभा के प्रस्ताव के अनुरूप कार्रवाई की मांग रखी, जिस पर उपायुक्त ने विधिक प्रक्रिया के तहत शीघ्र निर्णय का आश्वासन दिया. गुमला निवासी अनवरी खातून ने अधिक वर्षा के कारण टूटे अपने कच्चे मकान के पुनर्निर्माण के लिए आवास सहायता की मांग की. ग्राम डीपाटोली के सुशील उरांव ने भूमि विवाद और जाति प्रमाण पत्र से संबंधित जटिलताओं पर ध्यान आकर्षित किया. वहीं, सेवानिवृत्त राजस्व उप निरीक्षक अशोक कुमार पाण्डेय ने पेंशन निर्धारण में देरी की शिकायत की, जिसमें राशि गलत बजटशीर्ष में चली जाने के कारण भुगतान प्रभावित हो रहा है.

जनसुनवाई में जनवरी 2025 में दुकानों के किराए में की गई वृद्धि पर भी व्यापारी वर्ग ने आपत्ति जताई और पुनर्विचार की मांग की. पंडरिया के हर्षवर्धन गोप ने अनुकंपा के आधार पर नौकरी के लिए आवेदन की समय-सीमा बढ़ाने का आग्रह किया, क्योंकि मैट्रिक परीक्षा के परिणाम में देरी के कारण आवेदन समय पर नहीं हो पाया. इसके अलावा, जनसुनवाई में बिजली आपूर्ति की अनियमितता, जल संकट, राशन कार्ड में नाम जोड़ने की समस्या, सरकारी योजनाओं से वंचित रहना जैसी अनेक शिकायतें भी सामने आईं. उपायुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करें. उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने कहा कि ₹जन शिकायत निवारण दिवस प्रशासन और जनता के बीच संवाद का एक मजबूत सेतु है. इसकी नियमितता से न केवल समस्याओं का समाधान होता है, बल्कि लोगों में शासन के प्रति विश्वास भी बढ़ता है.₹ इस अवसर पर सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे और जनप्रतिनिधियों तथा नागरिकों से समन्वय कर समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने की पहल की गई. जिला प्रशासन ने विश्वास दिलाया कि किसी भी शिकायत को अनदेखा नहीं किया जाएगा और हर व्यक्ति को उसका न्याय व अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा.

ईवीएम वेयर हाउस हाउस का डीसी ने किया निरीक्षण

गुमला। चंदाली स्थित ईवीएम वेयरहाउस हाउस का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने मंगलवार को किया. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त के द्वारा ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं, सीसीटीवी व अन्य उपकरणों की स्थिति और रख रखाव आदि की जांच की गई. उन्होंने संपूर्ण परिसर का भ्रमण कर जायजा लिया तथा विद्युत व्यवस्था, बैलट यूनिट हॉल, अग्निशमन व्यवस्था, कमरों के सीलिंग, डबल लॉक की स्थिति एवं निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अन्य मानदंडों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं निर्वाचन कार्यालय के कर्मीगण मौजूद थे.

सिमडेगा पुलिस ने दो स्थायी वारंटियों को किया गिरफ्तार, अब तक 45 की गिरफ्तारी

सिमडेगा। सिमडेगा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन रेड हंट" के तहत लंबे समय से फरार चल रहे दो स्थायी (लाल) वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस की इस विशेष कार्रवाई में अब तक कुल 45 स्थायी वारंटियों को पकड़ा जा चुका है, जिनके विरुद्ध कुल 89 वारंट निष्पादित किए गए हैं. गिरफ्तार किए गए पहले आरोपी लक्ष्ु उर्फ लक्ष्मण बड़ाईक, पिता स्व. मनसा उर्फ मनसाईक बड़ाईक, निवासी जामटोली बड़ाईकटोली, थाना महाबुआंग, जिला सिमडेगा है. उस पर बानो थाना कांड संख्या 42/94, जी.आर. संख्या 336/94 के तहत मामला दर्ज था. वह विगत 31 वर्षों से फरार था और गिरफ्तारी के डर से पुणे और फिर चैनपुर, गुमला में छिपा हुआ था. गुप्त सूचना के आधार पर उसे विशेष छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया. दूसरा आरोपी सुगड़ सोय, पिता स्व. अभिराम सोय, निवासी पोगलोया मंझारीटोली, थाना कोलेबिरा, जिला सिमडेगा है. उस पर कोलेबिरा थाना कांड संख्या 40/13, दिनांक 10.06.2013, जी.आर. संख्या 288/13, धारा 379/411 भा.दं.वि. के तहत मामला दर्ज था. वह 11 वर्षों से फरार था और मुंबई व पंजाब में रहकर मजदूरी कर रहा था. गुप्त सूचना पर उसे भी गिरफ्तार किया गया. सिमडेगा पुलिस का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा.

पुलिसमैन ऑफ द वीक से सम्मानित हुए आरक्षी शाहरूख, मिला सम्मान

सिमडेगा। सिमडेगा जिला पुलिस द्वारा पुलिस कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने और उनकी सेवा भावना को सम्मान देने के उद्देश्य से शुरू किए गए "पुलिसमैन ऑफ द वीकः सिमडेगा पुलिस" अभियान के अंतर्गत इस सप्ताह गिरदा ओ0पी0 सैट-22 में प्रतिनियुक्त आ0/364 आरक्षी शाहरूख अंसारी को सम्मानित किया गया है. उन्हें माह अक्टूबर 2025 के प्रथम सप्ताह के लिए उत्कृष्ट टर्न आउट, कर्त्तव्य परायणता एवं सकारात्मक (नैतिक) सोच के आधार पर यह सम्मान प्रदान किया गया. आरक्षी शाहरूख अंसारी द्वारा ड्यूटी के दौरान दिखाई गई लगन, अनुशासन और कुशलता ने उन्हें इस पुरस्कार का पात्र बनाया. पुरस्कार स्वरूप न केवल उन्हें सम्मानित किया गया, बल्कि उनकी तस्वीर को पूरे सप्ताह संबंधित थाना/ओ.पी./प्रतिष्ठान के सूचना पट पर भी प्रदर्शित किया जाएगा. इससे अन्य पुलिस कर्मियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि वे अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएं. पुलिस अधीक्षक सिमडेगा द्वारा शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य फोर्स के भीतर सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाना और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को पहचान देना है.

ननबैंकिंग कंपनी पीड़ित मंच की बैठक 12 को

गुमला। ननबैंकिंग कंपनी पीड़ित मंच, गुमला की जिला स्तरीय बैठक 12 अक्टूबर को गुमला में दिन के 11 बजे से होगी. बैठक में सहारा इंडिया, एपीलाइन, साईं प्रकाश, विश्वामित्र, बारिश, पल्स, वेलफेयर समेत दर्जनों-दर्जन ननबैंकिंग कंपनियों में लोगों के जमा पैसे की जल्द भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाया जाएगा. यह जानकारी झारखंड नवनिर्माण दल मजदूर यूनियन के जिला प्रभारी शंकर उरांव ने दी.

जली चोरी पर छापामारी 10 पर प्राथमिकी दर्ज

रातू। बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए बिजली विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष छापामारी अभियान के तहत रातू इलाके में बड़ी कार्रवाई की गई. इसमें 10 लोगों को मीटर बाईपास कर अवैध रूप से बिजली उपयोग करते पकड़ा गया. विद्युत कनीय अभियंता की शिकायत पर सभी के खिलाफ रातू थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान आरोपित उपभोक्ता सीधे लाइन जोड़कर बिजली का उपयोग कर रहे थे, जिससे सरकार को राजस्व की भारी क्षति हो रही थी. पकड़े गए लोगों पर जुर्माना भी लगाया गया है. विभाग ने चेतावनी दी है कि आगे भी ऐसे औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

नीलामी प्रक्रिया दूसरी बार आयोजित की गईः महेंद्र कुमार

सिमडेगा। जिले 14 बालू घाटों के आवंटन के लिए ई-नीलामी आमंत्रण सूचना निकल गई थी. जिसके आलोक में उपायुक्त सिमडेगा के दिशा-निर्देशन में अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र की अध्यक्षता में बालू खनन की ई-नीलामी प्रक्रिया का ओपेन किया गया.

आस्था

सेन्हा प्रखंड मुख्यालय स्थित दुर्गा मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई

लोगों ने दिया समाज में एकता और प्रेरणा का संदेश

शुभम संदेश। सेन्हा (लातेहार)

सेन्हा प्रखंड मुख्यालय स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाई गई. इस अवसर पर प्रखंडवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि असिस्टेंट कमांडेंट रूपेश कुमार द्वारा महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया. कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री रंजीत कुमार साहू ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि, जिन्होंने रामायण जैसे अद्भुत ग्रंथ की रचना की, अपने जीवन के आरंभिक दौर में एक डाकू थे. लेकिन एक समय ऐसा आया जब उन्हें आत्मज्ञान प्राप्त हुआ और उन्होंने अपने जीवन को समाज और धर्म की सेवा में समर्पित कर दिया. उनकी जीवन यात्रा इस बात का प्रमाण है कि मानव अगर चाहे तो अपने कर्मों से युगों तक याद किया जा सकता है. प्रखंड मंत्री रामलगन महतो ने कहा कि वाल्मीकि जी पहले ₹मारा मारा₹ जपते थे, परंतु वही जप धीरे-धीरे ₹राम राम₹ में बदल गया और उन्होंने भगवान विष्णु को प्रसन्न कर दिया. इसी भक्ति भाव के कारण उन्हें महर्षि का दर्जा प्राप्त हुआ और आज वे करोड़ों लोगों के आदर्श बने हुए हैं. प्रखंड उपाध्यक्ष मंटू कुमार साहू उर्फ शिवाजी ने महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाओं को समाज में आत्मसात करने की अपील की. उन्होंने कहा कि हमें जात-पात से ऊपर उठकर समाज में एकजुटता कायम करनी चाहिए, तभी देश और समाज प्रगति करेगा और हमारा गांव व जिला भी गौरवशाली बनेगा. इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष ने सभी को धन्यवाद देते हुए संगठन को और मजबूत करने की बात कही. उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए युवाओं को आगे आना होगा और वाल्मीकि जी जैसे महान ऋषियों से प्रेरणा लेकर समाज सेवा में जुटना होगा.

कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग उपस्थित थे जिनमें विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री रंजीत कुमार साहू, प्रखंड मंत्री रामलगन महतो, उपाध्यक्ष मंटू कुमार उर्फ शिवाजी, जगदीश महतो, संतोष महतो, अशोक कुमार यादव, नवीन साहू, नवल साहू सहित अनेक कार्यकर्ता और ग्रामीणजन शामिल हुए. इस तरह महर्षि वाल्मीकि जयंती का यह आयोजन श्रद्धा, प्रेरणा और सामाजिक एकता का संदेश देकर संपन्न हुआ

मंथन

अदालत की गरिमा पर हमला अस्वीकार्य और निंदनीय है

सर्वोच्च न्यायालय देश की न्याय व्यवस्था का सर्वोच्च प्रतिष्ठित संस्थान है, जहां हमारे संवैधानिक मूल्यों और न्याय के आदर्शों की सतत रक्षा होती है. ऐसे पवित्र स्थल में जो हुआ, वह न केवल शर्मनाक है बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मर्यादा पर सीधा-सीधा प्रहार है. किसी मामले की सुनवाई के दौरान एक वकील द्वारा चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने की कोशिश और नारेबाजी करना न्यायालय की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली घटना है. यह केवल एक व्यक्ति का उन्माद नहीं, बल्कि उस असहिष्णु मानसिकता का प्रतीक है, जो असहमति को अभद्रता में बदल देती है. वकील जैसी जिम्मेदार संस्था से जुड़े व्यक्ति से ऐसी हरकत की अपेक्षा नहीं की जा सकती. यह घटना न केवल न्यायपालिका के प्रति घोर अपमान है बल्कि पूरे विधिक समुदाय की साख को भी धूमिल करती है. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि ऐसी घटनाओं से हमें फर्क नहीं पड़ता उसके संस्थागत धैर्य और दृढ़ता का प्रमाण है. किंतु यह भी आवश्यक है कि ऐसी घटनाओं पर कठोर कार्रवाई हो ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति न्यायालय की गरिमा भंग करने का साहस न करे. वकील समुदाय को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि आक्रोश या मतभेद के बावजूद मर्यादा का पालन सर्वोपरि क्यों है. न्यायालय केवल निर्णय देने का स्थल नहीं, बल्कि देश की संवैधानिक चेतना का प्रतीक है. उस पर हमला, चाहे प्रतीकात्मक ही क्यों न हो, लोकतंत्र के उस मूल तत्त्व को चोट पहुंचाता है जो संवाद, सम्मान और अनुशासन पर टिका है. इसलिए इस घटना की निंदा केवल शब्दों में नहीं, बल्कि सख्त कानूनी और नैतिक कदमों के माध्यम से होनी चाहिए.

नजरिया

झारखंड में स्वास्थ्य सुरक्षा पर सरकार के सख्त कदम

जनता के स्वास्थ्य से जुड़ा कोई भी मामला लापरवाही की गुंजाइश नहीं छोड़ता. मध्यप्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से दूषित कफ सिरप के सेवन से 16 बच्चों की दर्दनाक मौत के बाद झारखंड सरकार का तत्काल कार्रवाई करना सराहनीय कदम है. राज्य सरकार ने कोल्डरिफ, रेपीफ्रेश और रीलाइफ ब्रांड के कफ सिरप की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जनस्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का यह कहना कि स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा केवल बयान नहीं, बल्कि जिम्मेदारी की अभिव्यक्ति है. उन्होंने औषधि नियंत्रक और ड्रग इंस्पेक्टरों को संदिग्ध दवाओं के नमूने एकत्र करने और जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश देकर यह सुनिश्चित किया है कि किसी भी स्तर पर ढिलाई न हो. यह घटना एक बार फिर यह सवाल उठाती है कि दवा निर्माण और वितरण व्यवस्था में निगरानी कितनी प्रभावी है. दवा उद्योग में गुणवत्ता नियंत्रण और लाइसेंस प्रक्रिया की सख्ती तभी सार्थक होगी जब उसकी सतत निगरानी की जाए. डॉक्टरों और फार्मासिस्टों की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है; उन्हें हर दवा के उपयोग में विवेक और नियमों का पालन करना ही होगा. स्वास्थ्य सुरक्षा केवल सरकारी आदेश से नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी से सुनिश्चित होती है. झारखंड सरकार ने जो कदम उठाया है, वह बाकी राज्यों के लिए भी चेतावनी है कि बच्चों और आम नागरिकों के जीवन से जुड़ी किसी भी लापरवाही पर अब शून्य सहिष्णुता का समय आ चुका है.

आदिवासी जीवन में सामूहिकता का आत्मबोध

डॉ मयंक मुरारी

आदिवासी समाज की अपनी चेतना, मानव चेतना का बेहद महत्वपूर्ण पहलू है.

आदिवासी चेतना के बारे में आदिवासी शब्द का उपयोग विशिष्ट सांस्कृतिक और सामाजिक समूह के रूप में है, जो अस्तित्व के साथ सहचरगामी समाज के साथ उस चारित्रिक विशिष्टता का बोध कराता है, जो स्वाभाविकता के साथ जीवन है. आदिवासी चेतना, मानव चेतना का महत्वपूर्ण पहलू है, हमें इसे समझने और इसका सम्मान करने की जरूरत है. आदिवासी समाज में, जीवन सहज और प्राकृतिक होता है, और वे प्रकृति के साथ अधिक निकटता से जुड़े होते हैं. उनकी सरलता, निष्कपटता के साथ सामूहिकता का आत्मबोध सहज ही अस्तित्व और उसकी रचनाओं के साथ जोड़ देता है.आदिवासी समाज में कई ऐसे अंतरज्ञान हैं, जो आधुनिक सभ्यता के संकट का समाधान है. आदिवासी समाज में मैं का खयाल कम है, हम का खयाल ज्यादा है. कुछ भाषाएं ऐसी है जिनमें मैं नहीं है, हम ही है. आदिवासी कबीलों की ढेर भाषाएं हैं जिनमें मैं शब्द नहीं है. आदिवासी तो बोलता है हम. ऐसा नहीं है कि भाषा ऐसी है, वहां मैं की अवधारणा ही पैदा नहीं हुई.

सिंगापुर के पास एक छोटे से द्वीप पर जब पहली दफा पश्चिमी लोगों ने हमला किया तो वे बड़े हैरान हुए. जो प्रमुख था कबीले का, वह आया, और हमलावरों से उसने कहा कि हम निहत्थे लोग जरूर हैं, पर हम परतंत्र नहीं हो सकते. पश्चिमी लोगों ने कहा कि वह तो होना ही पड़ेगा. उन कबीलेवालों ने कहा, हमारे पास लड़ाई का उपाय तो कुछ नहीं है, लेकिन हम मरना जानते हैं. हम मर जाएंगे. उन्हें भरोसा नहीं आया कि कोई ऐसे कैसे मरता है? लेकिन बड़ी अद्भुत घटना है.ऐतिहासिक घटनाओं में एक घटना घट गयी. जब वे राजी नहीं हुए और उन्होंने कदम रख दिए, द्वीप पर उतर गए, तो पूरा कबीला इकट्ठा हुआ. कोई पांच सौ लोग तट पर इकट्ठे हुए और वह देखकर दंग रह गए कि उनका प्रमुख पहले मरकर गिर गया, और फिर दूसरे लोग मरकर गिरने लगे. मर कर गिरने लगे बिना किसी हथियार की चोट के. शत्रु घबरा गए, वापस लौट गए, यह देख कर. पहले तो उन्होंने समझा कि लोग डरकर ऐसे ही गिर गए होंगे, लेकिन देखा, वो तो खत्म ही हो गए. अभी तक साफ नहीं हो सका कि यह क्या घटना घटी? असल में हम की काशेसनेस अगर बहुत ज्यादा हो तो मृत्यु ऐसी संक्रामक हो सकती है. एक के मरते ही यह फैल सकती है. (संदर्भ ओशोः मैं कहता आंखों देखी, प्रवचन-06).ऋगवेद का एक सूक्त हैः ऋतस्य यथा प्रेत यानी प्रकृति के नियम के अनुसार जीओ. आदिवासी जीवन ने आदिकाल से इस व्यवस्था को अपनाया है. इस प्रणाली में जीवन प्राकृतिक रूप से अपना रास्ता अपनाता है. इसमें समानता और सामूहिकता ऐसे तत्व है तो आदिवासी जीवन को गरिमा प्रदान करते हैं. यह समानाता का पाठ केवल मनुष्य के लिए नहीं है, बल्कि इसकी सीमा में पशु, पक्षी और जानवर व वृक्ष भी आते हैं. इसलिए आदिवासी दूध का व्यवसाय नहीं करते, क्योंकि दूध पर पहला हक बछड़े का है. वन से फल और फूल के गिरने का इंतजार करते है, क्योंकि ऐसा नहीं करने पर वृक्षदेव नाराज हो जाएंगे.

सन् 2004 में भीषण सुनामी को अंडमान के जारवा जनजातीयों ने प्राकृतिक संकेतों के आधार पर पहले ही पूर्वानुमान लगा लिया था. यह उनके प्रकृति जीवन के कारण ही संभव हो सका था. आदिवासी लोग पशु-पक्षियों की आवाज के संकेतों को समझते हैं और उनके व्यवहार से भविष्यवाणी करने का कौशल रखते हैं. इनका वनौषध ज्ञान अद्भुत है. हमारी समस्या यह है कि हम आदिम बोध और उनके परंपरागत ज्ञान कोष को न पहचान सके और न ही इस कारण उनका संरक्षण कर सके.

आदिवासी समाज के लिए प्रकृति ही जीवन है. वे पेड़ से भोजन लेते हैं. भोजन के लिए उनको काटते नहीं हैं. उनका वृक्ष से संवाद होता है. वृक्ष की प्राण ऊर्जा का टेलीपैथी के लिए उपयोग किया जाता है. है. वह कैसे किया गया, और यह वृक्ष कैसे राजी हुआ, कैसे इस वृक्ष ने काम करना शुरू कर दिया? आज इसका विज्ञान के पास जवाब है. आदमी के स्नायु तंत्र की तरह पेड़ पौधों का भी नर्वस सिस्टम है, जिसके माध्यम से वे अपनी भावनाओं, संवेदनाओं एवं बातचीत को संप्रेषित करते हैं.

वैज्ञानिकों ने रिसर्च में कुछ रोचक तथ्यों का पता लगाया है. इसको वुड वेब कहा जाता है. जिस प्रकार दुनिया की जानकारियों को जानने के लिए वर्ल्ड वाइड वेब है, उसी तरह पेड़-पौधों का यह सिस्टम लाखों-करोड़ों साल पुराना है. पेड़-पौधों में भी अपनी भावनाएं होती हैं.

वैज्ञानिकों का कहना है कि पेड़ बैक्टीरिया और फंगस के सहजीवी सिस्टम के तहत एक दूसरे को खाना और बात के संप्रेषित करते हैं. पेड़ों की जड़ों में मौजूद फंगस द्वारा शक्कर लिया जाता है और इसके बदले में फॉस्फोरस एवं नाइट्रोजन के रूप में पेड़ के लिए जरूरी पोषण एवं वृद्धि के लिए सूक्ष्म अवयव दिये जाते हैं. वैज्ञानिकों का कहना है कि पेड़ों का भी अपना एक कम्यूनिकेशन सिस्टम है. यह सिस्टम उतना ही पुराना है जितना की पेड़ों का इस पृथ्वी पर अस्तित्व. यानी चार से पांच करोड़ साल पुरानी व्यवस्था है. वैज्ञानिकों ने रिसर्च में कुछ रोचक तथ्यों का पता लगाया है. इसको वुड वाइड वेब कहा जाता है. जिस प्रकार दुनिया की जानकारियों को जानने एवं समझने के लिए वर्ल्ड वाइड वेब है. इसका वैज्ञानिक नाम कॉमन माइकोराइजल नेटवर्क है, जो माइकोराइजल फंगस से लिया है. पेड़-पौधों का यह सिस्टम लाखों-करोड़ों साल पुराना है. पेड़ पौधों में भावनाएं होती हैं.

भारतीय वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बसु ने एक प्रयोग के माध्यम से सिद्ध किया था कि वृक्षों में भी मानव की तरह भय, हर्ष और संवाद होता है.आदिवासी समाज से बाहर इस बात को स्वीकार करने में वर्षों लग गये. इसको सीखने में भी आदिवासी समाज से इतर काफी समय लगा. जिस बोधिवृक्ष के नीचे बुद्ध को ज्ञान हुआ, उसको मरने नहीं दिया गया. असली सूख गया, तो उसकी शाखा अशोक ने भेज दी थी लंका में, तो वहां वह वृक्ष था. अभी उसकी शाखा को फिर लाकर पुनः आरोपित कर दिया, लेकिन वही वृक्ष कंटीन्यूटी में रखा गया. इस कारण बोधगया नहीं है मूल्यवान, मूल्यवान वह बोधिवृक्ष है. उस बोधिवृक्ष के नीचे बरसों तक महात्मा बुद्ध की साधना, ध्यान और तपस्या की ऊर्जा है. इस चेतना और ऊर्जा को आदिवासी समाज सहज ही सरना स्थल पर बोध करता है.

आज का इतिहास

- **1919:** मोहनदास करमचंद गांधी जी की यंग इंडिया पत्रिका की शुरुआत.
- **1932:** रॉयल इंडियन एयर फोर्स अस्तित्व में आई.
- **1936:** हिंदी-उर्दू साहित्य को अपने उपन्यासों और लघु कथाओं से समृद्ध करने वाले मुंशी प्रेमचंद का निधन.
- **1952:** हैरो में तीन ट्रेनें टकराने से 85 लोगों की मौत. ये ब्रिटेन की बड़ी दुर्घटना है.
- **1957:** ब्रिटेन में विंडस्केल परमाणु घर में आग से 10 टन रेडियोधर्मी ईंधन पिघल गया.
- **1979:** कांग्रेस और विशेष रूप से इंदिरा गांधी के खिलाफ विरोध का बिगुल फूंकने वाले जयप्रकाश नारायण का निधन.
- **2005:** पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर प्रांत और कश्मीर में आए भीषण भूकंप में 74,000 से अधिक लोगों की मौत.
- **2020:** भारत के प्रमुख दलित नेताओं में से एक एवं लोक जनशक्ति पार्टी के संरक्षक रामविलास पासवान का निधन.

चिंतन

वाणी से शक्तिशाली दुनिया की कोई वस्तु नहीं होती

एक दिन गुरुकुल के शिष्यों में बहस छिड़ गयी कि इस संसार की सबसे शक्तिशाली वस्तु क्या है? विवाद का कोई निर्णय ना निकला, तो सभी शिष्य गुरुजी के पास पहुंचे. गुरुजी ने शिष्यों की बातों को सुना. कुछ सोचने के बाद बोले-तुम सबों की बुद्धि ख़राब हो गयी है. ये अनाप-शनाप निरर्थक प्रश्न कर रहे हो? इतना कहकर वे वहां से चले गए. हमेशा शांत रहने वाले गुरुजी से किसी ने ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं की थी. शिष्य क्रोधित हो उठे. आपस में गुरुजी के व्यवहार की आलोचना करने लगे. वे आलोचना कर ही रहे थे कि तभी गुरुजी उनके समक्ष पहुंचे और बोले- मुझे तुम सब पर गर्व है, तुम लोग अपना एक भी क्षण व्यर्थ नहीं करते. अवकाश के समय भी ज्ञान चर्चा किया करते हो.

गुरुजी से प्रसंशा सुन शिष्य गदगद हो गए, उनका स्वाभिमान जागृत हो गया और सभी के चेहरे खिल उठे. गुरुजी ने फिर अपने उन सभी शिष्यों को समझाते हुए कहा – मेरे प्यारे शिष्यों. आज ज़रूर आप लोगों को मेरा व्यवहार विचित्र लगा होगा.दरअसल, मैंने ऐसा जानबूझ कर आपके प्रश्न का उत्तर देने के लिए किया. देखिए, जब मैंने आपके प्रश्न के बदले में भला-बुरा कहा, तो आप सभी क्रोधित हो उठे. मेरी आलोचना करने लगे, लेकिन जब मैंने प्रसंशा की तो आप प्रसन्न हो उठे.पुत्रों, संसार में वाणी से बढकर दूसरी शक्तिशाली वस्तु नहीं है. वाणी से ही मित्र को शत्रु और शत्रु को भी मित्र बना सकते हो. ऐसी शक्तिशाली वस्तु का प्रयोग प्रत्येक व्यक्ति को सोच समझ कर करना चाहिए. गुरुजी की बातें सुनकर शिष्यगण संतुष्ट होकर लौट आए और उस दिन से मीठा बोलने का अभ्यास करने लगे.

दोस्तों, हमारी हमारी वाणी बेहद शक्तिशाली होती है, ज़रूरत है इसका सही प्रयोग करने की. यदि हम अपनी बोली अच्छी रखते हैं. अपनी बात बिना औरों को ठेस पहुंचाए कहते हैं, तो ये हमारे व्यतित्व को संवारती है और हमें लोगों के बीच लोकप्रिय बनाती है. वहीं अगर हम सामान्य बात भी क्रोध के साथ कहते हैं तो ना हम ठीक से अपना संदेश पहुंचा पाते हैं और ना ही दूसरों के हृदय में अपने लिए कोई जगह बना पाते हैं. अतः हमें हमेशा सही शब्दों और सही लहजे का ही चुनाव करना चाहिए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. महर्षि वाल्मीकि
2. #ValmikiJayanti
3. #ARASAN
4. #NissanTekton
5. #PlutosONEatGFF
6. #FamilyReunion
7. महाकाव्य रामायण
8. Ramayana
9. Sant Shri Asharamji Ashram
10. खालसा पंथ

बहुरंग

करीना कपूर ने शेयर की दिलचस्प सेल्फी करण जौहर ने दिया मजेदार रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दायरा' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई है. इसी बीच आज बेबो ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी कई शानदार सेल्फी शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है. करीना की इन सेल्फी पर करण जौहर ने अपना मजेदार रिएक्शन किया है.

करीना का पोस्टः करीना कपूर खान ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार सेल्फी शेयर की हैं. इन लाजवाब सेल्फी के साथ करीना ने कैप्शन में लिखा, मैं तुम्हें मेरे पैचेज को घूरते हुए देख रही हूं.

करीना की पोस्ट पर करण का रिएक्शनः करीना कपूर की इन दिलचस्प सेल्फी पर बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक एक्टर करण जौहर ने अपना रिएक्शन दिया है. करण ने करीना की इस पोस्ट पर लिखा, मुझे ये चाहिए, मुझे इन बिक्री से कुछ हिस्सा मिलना चाहिए. दरअसल, करीना ने आज आई पैच के साथ अपनी सेल्फी शेयर की हैं. करण इन्हीं आई पैच की डिमांड करीना से कर रहे हैं.

करीना कपूर का वर्कफ्रंटः करीना कपूर खान इन दिनों मेघना गुलजार की आगामी फिल्म 'दायरा' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं. मेघना की इस फिल्म में करीना के साथ पहला बार साउथ एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे. इस फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार करेंगी.

रियल लाइफ में बेहद ग्लैमरस हैं मिर्जापुर की 'गोलू'

ओटीटी की मोस्ट पॉपुलर सीरीज मिर्जापुर में गोलू का किरदार निभाकर श्वेता त्रिपाठी ने खूब पॉपुलैरिटी बटोरी है. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी शानदार लुक की तस्वीरें शेयर कर फैंस के दिलों को धड़काती रहती हैं. श्वेता त्रिपाठी का जन्म 6 जुलाई 1985 को नई दिल्ली में हुआ था. उनके पिता एक आईएएस ऑफिसर थे और उनकी मां स्कूल टीचर थीं. उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशनल टेक्नोलॉजी से फैशन कम्यूनिकेशन में ग्रेजुएशन की डिग्री ली है. श्वेता बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थीं और उनका यह सपना उनकी पहली फिल्म मसान से साकार हुआ, जिसमें उन्होंने विक्की कौशल के साथ काम किया था.

नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने 2015 के कान फिल्म समारोह में दो पुरस्कार जीते थे. उसके बाद श्वेता त्रिपाठी ने गॉन केश, कार्गो, रात अकेली है और कंजूस मखीचूस जैसी कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया. श्वेता एक थिएटर प्रोडक्शन कंपनी ऑलमायटी प्रोडक्शंस की मालिक हैं. थिएटर ने उनकी लाइफ में एक अहम भूमिका निभाई है और उनकी मुलाकात उनके पति, रैपर चैतन्य सिंह, जिन्हें स्लो चीता के नाम से जाना जाता है, से मंच पर ही हुई थी. क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज़ मिर्ज़ापुर में गोलू उर्फ़ गजगामिनी गुप्ता का किरदार निभाने के बाद, श्वेता भारतीय स्ट्रीमिंग जगत में सनसनी बन गईं. वह 2018 से भारत की सबसे फेमस सीरीज़ में से एक के तीन सीज़न में मुख्य किरदार निभा चुकी हैं.

श्वेता ने ये काली काली आँखें, कालकूट, लाखों में एक, मेड इन हेवन और एस्केप लाइव जैसी अन्य वेब सीरीज़ में भी प्रमुख भूमिकाएँ निभाई हैं. श्वेता त्रिपाठी ने ऑफिशियली मच अवेटेड मिर्जापुरः द मूवी की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसमें वह एक बार फिर अपने फेमस किरदार गजगामिनी ₹गोलू₹ गुप्ता के किरदार में नजर आएंगी. वेब सीरीज में अपने पावरफुल किरजार लिए जानी जाने वाली श्वेता अब पहली बार गोलू को बड़े पर्दे पर लेकर आ रही हैं, जो फ्रैंचाइज़ी की जर्नी में एक नया चैप्टर शुरू कर रही है. वहीं श्वेता त्रिपाठी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और उनके इंस्टाग्राम पर 1.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं. श्वेता इंस्टा पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं जिन्हें फैंस काफी पसंद करते हैं.

सिलाम्बरासन ने की नई फिल्म अरासन की घोषणा

फिल्म 'ठग लाइफ' में अपने दमदार किरदार से दर्शकों का दिल जीतने वाले सिलाम्बरासन टीआर अब अपनी अगली फिल्म 'अरासन' को लेकर सुर्खियों में हैं.

फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है. वेत्रिमारन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में सिलाम्बरासन एक गैंगस्टर के किरदार में नजर आने वाले हैं. पोस्टर में उनका लुक काफी प्रभावशाली है, एक हाथ में कोयता और दूसरे हाथ में साइकिल का हैंडल पकड़े सिलाम्बरासन का यह अंदाज फैंस को बेहद पसंद आ रहा है. पहले इस फिल्म को 'एसटीआर 49' के नाम से जाना जा रहा था और लंबे वक्त से इसी नाम को लेकर चर्चाएं थीं. अब आखिरकार मेकर्स ने फिल्म के टाइटल और फर्स्ट लुक पोस्टर से पर्दा हटा दिया है.

हालांकि अभी तक फिल्म की रिलीज डेट या प्रोमो की जानकारी सामने नहीं आई है. निर्देशक वेत्रिमारन ने बताया है कि 'अरासन' की कहानी उनकी पिछली फिल्म 'वडा चेन्नई' से जुड़ी होगी. वहीं, रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म में एक्टर मणिकंदन कैमियो रोल में नजर आ सकते हैं.

सिलाम्बरासन टी आर को हाल ही में मणिरत्नम की फिल्म 'ठग लाइफ' में अमर के किरदार के लिए खूब सराहना मिली थी. इस फिल्म में उनके साथ त्रिशा कृष्णन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, अभिरामी और अशोक सेल्वन भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे. अब 'अरासन' के साथ सिलाम्बरासन फिर से बड़े पर्दे पर एक एक्शन-पैक्ड रोल में लौटने के लिए तैयार हैं, और उनके फैंस इस फिल्म के ट्रेलर और रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

बॉक्स ऑफिस रिव्यू

साउथ से नॉर्थ तक गूंजा कांतारा चैप्टर 1 का जादू

अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार धमाल मचा रही है. 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने रिलीज के बाद से हर दिन अपनी कमाई से नया रिकॉर्ड बनाया है. फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से जबरदस्त सराहना मिल रही है.

सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के पांचवें दिन यानी सोमवार को 30.50 करोड़ का कारोबार किया. इससे पहले फिल्म ने पहले दिन 61.85 करोड़, दूसरे दिन 45.4 करोड़, तीसरे दिन 55 करोड़ और चौथे दिन 63 करोड़ की शानदार कमाई की थी. इस तरह फिल्म की भारत में कुल कमाई अब 255.75 करोड़ तक पहुंच चुकी है. आंकड़ों से साफ है कि 'कांतारा चैप्टर 1' अब 300 करोड़ क्लब में शामिल होने के बेहद करीब है. कारोबार के लिहाज से यह फिल्म 2024 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर्स में से एक बन गई है. सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि फिल्म ने विदेशी बॉक्स ऑफिस पर भी जोरदार प्रदर्शन किया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने दुनियाभर में कुल 362.75 करोड़ की कमाई कर ली है. इसने रणवीर सिंह और दीपिका की 'बाजीराव मस्तानी' (2015) के ग्लोबल कलेक्शन (355 करोड़) को भी पीछे छोड़ दिया है. 'कांतारा चैप्टर 1' दरअसल साल 2022 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'कांतारा' का प्रीक्वल है. पहली फिल्म ने जहां लोककथाओं और संस्कृति के जादुई मेल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था, वहीं इसने ऋषभ शेट्टी की कहानी कहने की क्षमता और निर्देशन को नए स्तर पर पहुंचा दिया है. फिल्म में सिनेमैटोग्राफी, लोक संस्कृति का गहरा प्रभाव और दमदार परफॉर्मेंस इसे एक विजुअल ट्रीट बनाते हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. शुभांक-3-6-8

वृष : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. विद्यार्थियों को लाभ. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. शुभांक-6-7-9

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्घ होगा. शुभांक-3-4-8

कर्क : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. संतान की उन्नति के योग हैं. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. शुभांक-4-8-9

सिंह : संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें. भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-6-8-9

कन्या : पुराने मित्र से मिलन होगा. निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है. व्यापार में वृद्घि होगी. यश-प्रतिष्ठा में वृद्घि होगी. स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. शुभांक-4-2-9

तुला : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा. रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. शुभांक-6-8-9

वृश्चिक : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-2-6-7

धनु : कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग. अपने काम को प्राथमिकता से करें. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे हैं. शुभांक-3-7-9

मकर : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी. शुभांक-6-7-8

कुंभ : शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. आलस्य का त्याग करें. काम पर पैनी नजर रखिए. सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव. शुभांक-2-5-7

मीन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. सफलता मिलेगी. सेहत का पाया लगातार कमजोर रह सकता है. शुभांक-3-7-8

करवा चौथ पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करेंगे नेल आर्ट की ये डिजाइंस

अगर आप करवा चौथ पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं तो आप इस तरह के नेल आर्ट डिजाइंस करवा सकती हैं। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आपके नाखूनों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करेंगे

इन दिनों नेल आर्ट काफी ट्रेंड मे है और कई सारे खास मौके पर महिलाएं अपने हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए नाखूनो पर नेल आर्ट डिजाइन बनवाती है। वही अब करवा चौथ का त्योहर आने वाला है और इस खास मौके पर महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। वही अगर आप भी करवा चौथ के मौके पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं तो आप ये नेल आर्ट डिजाइंस अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं।

मार्बल डिजाइन नेल आर्ट

यह मार्बल डिजाइन नेल आर्ट इन दिनों काफी फैशन मे है और अगर आप अपने नाखूनों को न्यू लुक देना चाहती हैं तो आप इस तरह के नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनो पर बनवा सकती हैं। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आप लाइट कलर के आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं।

ग्लिटर नेल आर्ट

अगर आप डार्क कलर का आउटफिट पहन रही हैं तो आप इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। यह नेल आर्ट को बनाने के लिए आपको नेल पॉलिश साथ ही ग्लिटर की मदद से बना सकती हैं। यह नेल आर्ट भी हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। इस तरह के नेल आर्ट को आप नेल साथ ही ग्लिटर की मदद से बनाए साथ ही मार्केट से आप इस नेल आर्ट डिजाइन बनवा जा सकता है। रेड कलर का ये नेल आर्ट डिजाइन भी आपकी खूबसूरती में चार चाँद लगाना का काम करेगा और इस नेल आर्ट को आप घर पर ही दो नेल पॉलिश की मदद से बनवा सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन नेल आर्ट

नाखूनों को न्यू लुक देने के लिए इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन भी बेस्ट ऑप्शन हो सकता है और इस तरह का नेल आर्ट लाइट कलर की नेल पॉलिश से बना सकती हैं साथ ही इसमें फूल का डिजाइन भी बनवा सकती हैं।

स्पार्कल नेल आर्ट

यह नेल आर्ट डिजाईन भी काफी ट्रेंड में है और अगर आपको ये समझ नहीं आ रहा है कि कसी तरह नेल आर्ट डिजाइन आप अपने नाखूनों को बनवाएं तो आप इस तरह का स्पार्कल नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं।

अगर आप न्यू लुक चाहती है तो आप इस तरह का सूट करवा चौथ के मौके पर स्टाइल कर सकती है। इस तरह के सूट में जहां आपका लुक रॉयल नजर आएगा तो वहीं आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

करवा चौथ पर नजर आएंगी सबसे अलग

महिलाओं को सलवार-सूट पहनना काफी पसंद है और कई सारे मौके पर महिलाएं इन्हे स्टाइल करती हैं। वहीं अगर आप करवा चौथ पर सूट पहनने का सोच रही है और रॉयल लुक चाहती हैं तो आप अफगानी सूट स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले अफगानी सूट दिखा रहे हैं जो आप करवा चौथ के मौके पर स्टाइल कर सकती हैं। ये सूट न्यू लुक पाने के लिए बेट्स ऑप्शन हो सकते है और इस तरह के सूट में आप भीड़ से अलग नजर आएंगी।

प्रिंटेड अफगानी सूट

अगर आप सिंपल लुक चाहती है तो आप इस तरह के प्रिंटेड अफगानी सूट स्टाइल कर सकती है। इस तरह के सूट में जहां आप खूबसूरत नजर आएंगी तो वही आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा।

इस सूट को करवा चौथ पर दिन में होने वाली पूजा के दौरान वियर कर सकती हैं और इस सूट को 1,500 से 3,000 रुपये में खरीद सकती हैं।

सिल्क प्रिंटेड अफगानी सूट

यह सिल्क फैब्रिक वाला अफगानी सूट भी आप करवा चौथ पर स्टाइल कर सकती है। यह सूट सिल्क फैब्रिक में है और इस सूट बेहद ही खूबसूरत ब्लाक प्रिंट में है। इस तरह का सूट आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा और इस सूट को आप 2,500 रुपये की कीमत मिल जाएंगी।

एम्ब्रॉयडरी अफगानी सूट

यह एम्ब्रॉयडरी अफगानी सूट भी आप करवा चौथ पर न्यू लुक पाने के लिए आप वियर कर सकती है। इस सूट में बेहद ही खूबसूरत एम्ब्रॉयडरी की गई है। जिसमें आपका लुक रॉयल नजर आएगा। इस सूट को अप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 2,500 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं।

करवाचौथ के लिए खास हैं जॉर्जेट साड़ी की ये डिजाइंस

करवा चौथ पर ज्यादातर महिलाएं इस दिन साड़ी पहनना पसंद करती हैं लेकिन कुछ महिलाएं औसत से कम हाइट होने की वजह से साड़ी पहनने से हिचकने लगती है। उन्हें लगता है कि साड़ी उन पर अच्छी नहीं लगेगी या फिर साड़ी सिर्फ लम्बी हाइट की महिलाओं पर अच्छी लगती है लेकिन ऐसा नहीं है। आप अगर किसी भी ड्रेस को कुछ बेसिक स्टाइलिंग टिप्स के साथ कैरी करते हैं, तो आप पर हर ड्रेस अच्छी लगती है। साड़ी के साथ भी ऐसे ही कुछ स्टाइलिंग टिप्स जुड़े हैं।

फ्लोरल डिजाइन जॉर्जेट साड़ी

फ्लोरल डिजाइन एवरग्रीन फैशन ट्रेंड में रहता है। इस तरह की साड़ी में आपको ज्यादातर बॉर्डर और साड़ी के पल्लू में देखने को मिलेगा। वहीं सोबर लुक चाहती है तो इसमें आप पेस्टल कलर कॉम्बिनेशन की साड़िया ट्राई कर सकती हैं। लुक में जान डालने के लिएपर्ल ज्वेलरीको स्टाइल कर सकती हैं। मेकअप के लिए ग्लॉसी लुक को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा-पट्टी डिजाइन जॉर्जेट साड़ी

फैंसी डिजाइन में साड़ी ढूंढ रही है तो किसी भी प्लेन साड़ी में अपनी पसंद की गोटा-पट्टी लेस लगवा सकती हैं। इसमें आप एक से ज्यादा डिजाइन की लेस भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी के साथ में आप कानों में गोल्डन झुमकी को पहन सकती हैं। देखने में इस तरह का लुक काफी मिनिमल और फैंसी लुक देने में मदद करता है।

मल्टी-शेड जॉर्जेट साड़ी

आखिरी साल आलिया भट्ट ने एक फिल्म के दौरान एक के बाद एक जॉर्जेट साड़ी को पहना था, जिसके बाद बॉलीवुड स्टाइल प्लेन साड़ी काफी चर्चा में नजर आई है। ऐसे में मल्टी-शेड के कलर कॉम्बिनेशन वाली साड़ी को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। इस तरह की साड़ी के साथ में आप थोड़ी ज्वेलरी पहन सकते हैं।

ऐसे करें अपना श्रृंगार नहीं हटेगी पति की नजर

सुहागिनों का सबसे बड़ा पर्व माने जाने वाला करवा चौथ शादीशुदा महिलाओं के लिए बहुत खास माना जाता है. जिसमें करवा माता और शिव-पार्वती से अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती है इस दिन सभी सुहागिन महिलाएं पूरा दिन निर्जला व्रत रखती और रात में चांद दिखने के बाद ही पानी या अन्न ग्रहण करती है. करवाचौथ में शिव-पार्वती, कार्तिक और करवा चौथ माता की पूजा की जाती है.

करवा चौथ के दिन महिलाएं 16 श्रृंगार कर दुल्हन की तरह खुद को संवारती है. करवा चौथ के समय पार्लर और ब्यूटी शॉप पर महिलाओं की खासा भीड़ लगी रहती है. लेकिन इस साल कोरोना के कारण पार्लर जाना सुरक्षित नहीं है. तो ऐसे में हम आपके लिए कुछ खास ब्यूटी टिप्स लाए है, जिसे अपनाकर आप करवा चौथ के दिन एकदम परफेक्ट लग सकती है.

हाथों में लगाएं मेहंदी

मेहंदी हर त्योहार और सुहागिनों की पहचान होती है इसलिए करवाचौथ से एक दिन पहले अपने हाथों में मेहंदी जरूर लगाएं. मेहंदी मोहब्बत की पहचान है, क्योंकि इसके रंग की गहराई ये बताती है कि पति अपनी पत्नी को कितना प्यार करता है.

निखारें अपने हाथ और पैरों को

अपने हाथों और पैरों को और अधिक सुंदर बनाने के लिए आप वैक्सिंग, मैनिक्योर, पेडिक्योर आदि भी करा सकती हैं. नाखूनों के लिए बहुप्रचलित नेल आर्ट की ओर भी आप रुख कर सकती हैं.

फेस पैक का करें इस्तेमाल

त्वचा को स्वस्थ रखने और उसमें चमक बनाए रखने के लिए यह बहुत जरूरी है कि आप अधिक से अधिक पानी पीएं. मुल्तानी मिट्टी के साथ शहद वाले घर में बने घरेलू पैक का इस्तेमाल करें. अपने रोजाना की डाइट में फल और हरी सब्जियां लें.

ऐसे सजाएं अपने आंखों को

रंगीन या सबका ध्यान खींचने वाले रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें. आप डबल आई लाइनर का इस्तेमाल भी कर सकती है. पहले साधारण ब्लैक लाइनर का इस्तेमाल करें और फिर उसके ऊपर रंगीन लाइनर का. अगर आप बाकई आई शैडो का इस्तेमाल करना चाहती है तो फिर आप कच्चे रंग को चुनें या फिर उसके ऊपर भूरा या काले रंग का इस्तेमाल स्मूक के तौर पर करें. आंख के बीचों-बीच कुछ ऐसे रंग का इस्तेमाल करें जो सबका ध्यान खींचे.

इन लिपिस्टिक को करें ट्राई

लिप्स यानी होंठ हमेशा ही आपके लुक को पूरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. मरून और लाल रंग की लिपिस्टिक का इस्तेमाल यहां न करें. किसी दूसरे मुख्य रंगों में से एक को चुनें, जैसे गहरा भूरा, बरगंडी ताकि आप कुछ अलग और आकर्षक लग सकें.

चेहरे को ऐसे बनाएं सुंदर

चेहरे पर फाउंडेशन एकसार लगाएं जिससे कि आपका मेकअप ज्यादा भड़कीला नहीं लगे. इसके बाद कॉम्पैक्ट पाउडर से टचअप करें. वहीं चेहरे की ड्राईनेस दूर करने के लिए क्रीम या लोशन लेकर हल्के हल्के हाथों से लगाएं. इससे आपकी स्किन को नमी मिलती रहेगी और मेकअप लंबे समय तक बना रहेगा.

करवाचौथ पर पर ट्राई करें ये हेयर स्टाइल्स

करवाचौथ पर एथनिक आउटफिट्स के साथ जूलरी और हेयर स्टाइल पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है. खासतौर पर एथनिक आउटफिट्स पर हेयर स्टाइल का एक खास रोल है लेकिन फिर भी कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट के साथ मैचिंग जूलरी का तो खास ख्याल रखते हैं लेकिन बालों पर सिर्फ शैम्पू और कंडीशनर करके इन्हें भूल जाते हैं. ऐसे में करवा चौथ के लिए हम आपको सजेस्ट कर रहे हैं कुछ हेयर स्टाइल्स आप इनमें से कोई भी एक हेयर स्टाइल पिक कर सकते हैं.

मेसी बन

आपने अगर सिर्फ सेलिब्रिटीज को ही इस लुक में देखा है, तो इस बार आप खुद भी इस हेयर स्टाइल को खुद पर अप्लाई करके देखें. एथनिक आउटफिट्स खासकर साड़ी, लहंगा-चोली के साथ मेसी बन से लुक बहुत अच्छा लगता है.

वेव वॉटरफॉल

इस हेयर स्टाइल में आपने कृति सेनन को देखा होगा. इस हेयर स्टाइल में बाल वेवी बनाकर आपको सारे बाल एक साइड करने होते हैं. आप चाहें, तो अपर साइड में एक फ्रेंच स्टाइल चोटी भी बना सकते हैं.

फिशटेल

यह हेयर स्टाइल कुर्ती या फिर सलवार-कमीज के साथ बहुत अच्छा लगता है. इस हेयर स्टाइल में आपको एक साइड से चोटी करनी होती है. आलिया भट्ट ने कई फिल्मों में इस हेयर स्टाइल को अप्लाई किया है.

ट्रेडिशनल बन विद गजरा

यह हेयर स्टाइल कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता. आपको ट्रेडिशनल बन यानी जूड़ा बनाकर इसमें गजरा सेट करना है. आपको अगर गजरा हैवी लगता है या फिर पसंद नहीं है, तो फिर ट्रेडिशनल बन में आप गुलाब का फूल भी लगा सकते हैं.

रोहित शर्मा, विराट कोहली और अश्विन को संन्यास के लिए किया मजबूर

गौतम का पुराना दोस्त ही बना दुश्मन, लगाए आरोप

एजेंसियां। नयी दिल्ली

गौतम गंभीर जब से टीम इंडिया के कोच बने हैं, तभी से भारतीय क्रिकेट में बवाल मचा हुआ है. कई दिग्गज खिलाड़ी अलग-अलग फॉर्मेट से गंभीर के आने के बाद रिटायर हो चुके हैं. वहीं टीम चयन में भी गंभीर के आने के बाद से लगातार बवाल चलता ही आ रहा है. अब हेड कोच गौतम गंभीर को लेकर उन्हीं के एक पुराने दोस्त ने गहरे आरोप लगाए हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने हेड कोच गौतम गंभीर पर टीम के मौजूदा माहौल को बिगाड़ने का आरोप लगाया है. तिवारी का कहना है कि गंभीर के कोच बनने के बाद से टीम में कई विवादित घटनाएं हुई हैं. हाल ही में रोहित शर्मा को वनडे कप्तानी से हटाकर शुभमन गिल को कप्तान बनाए जाने के फैसले ने सोशल मीडिया पर काफी हलचल मचा दी है. इस बदलाव को लेकर फैंस के बीच बहस छिड़ गई है. कुछ लोग तो यह सवाल भी उठा रहे हैं कि क्या रोहित और विराट कोहली 2027 वर्ल्ड कप में खेल पाएंगे. रोहित और विराट 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले हैं. उन्होंने इसी साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था.

तीन खिलाड़ी ले चुके हैं संन्यास : हालांकि किसी को उम्मीद नहीं थी कि वे इंग्लैंड के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सीरीज से पहले इस तरह से विदा लेंगे. रविचंद्रन अश्विन ने भी पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच में ही संन्यास ले लिया था. अब गंभीर पर इन खिलाड़ियों को संन्यास लेने के लिए मजबूर करने का आरोप लग रहा है. तिवारी ने कहा कि मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर को यह पसंद नहीं है कि उनके फैसलों पर सवाल उठाए जाएं. मनोज तिवारी ने कहा, अगर सीनियर खिलाड़ी मौजूद हैं, अगर अश्विन हैं, अगर रोहित हैं, तो ये खिलाड़ी बहुत क्रिकेट खेल चुके हैं. ये खिलाड़ी हेड कोच या बाकी स्टाफ से कहीं ज्यादा स्थापित हैं. अगर वे किसी बात से सहमत नहीं होंगे, तो सवाल जरूर उठाएंगे. आपने बस यह सुनिश्चित कर लिया कि ये खिलाड़ी वहां न रहें. मनोज तिवारी ने आगे कहा, मैंने देखा है कि जब से यह कोच बने हैं, तब से बहुत सारे विवाद हुए हैं. जो चीजें हो रही हैं, उनमें से कई भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छी नहीं हैं. मेरा मानना है कि जब से गौतम गंभीर हेड कोच बने हैं, अश्विन ने संन्यास ले लिया है. रोहित और विराट ने भी ऐसा ही किया है. इसके अलावा भी कई चीजें हुई हैं जैसे खिलाड़ियों को अचानक टीम में शामिल करना और फिर सीधे प्लेइंग इलेवन में जगह देना. हमने देखा है कि गंभीर लगातार एक जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं.

दोनों पुराने दोस्त रहे हैं

हालांकि, मनोज तिवारी जिनका गौतम गंभीर के साथ पुराना नाता रहा है उन्होंने गंभीर को थोड़ी राहत देते हुए कहा कि मौजूदा हेड कोच शायद रोहित और विराट को वनडे टीम से बाहर नहीं करेंगे. इसका कारण इन दोनों खिलाड़ियों का इस फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड है. मनोज तिवारी ने कहा, मुझे लगता है कि जो हालात बने हैं जो माहौल बना है इन खिलाड़ियों पर जो दबाव है मुझे लगता है कि रोहित और विराट भारतीय क्रिकेट के लिए शानदार सेवक रहे हैं. उन्होंने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है. जो खिलाड़ी अपना दिल और जान लगा देते हैं, हमने देखा है कि उन्होंने अपना सब कुछ दिया है.

बीसीसीआई वनडे ट्रॉफी के लिए हिमाचल की पुरुष अंडर-19 टीम घोषित, त्रिपुरा के साथ पहला मुकाबला

एजेंसियां। धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई वीनू मांकड़ वन डे एलीट टूर्नामेंट के लिए पुरुष अंडर-19 टीम घोषित कर दी है. टीम की कमान आदित्य कटारिया को सौंपी गई है.

प्रतियोगिता में हिमाचल अपना पहला मुकाबला त्रिपुरा के साथ खेलेगा. प्रतियोगिता के सभी मैच देहरादून में खेले जाएंगे. उधर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने पुरुष अंडर-19 टीम का चयन कर लिया है. बिलासपुर के आदित्य कटारिया को कप्तान की जिम्मेदारी दी गई है. इसके अलावा टीम में ऋषव ठाकुर बिलासपुर, अक्षय वशिष्ठ हमीरपुर, अग्रिम चंबियाल कांगड़ा, सोहम मिश्रा कांगड़ा, सिद्धक ढिल्लों कांगड़ा, अंश धीमान कांगड़ा, अनीश किन्नौर, सचिन मेहता कुल्लू, लक्ष्य ठाकुर मंडी, सुजल ब्रोटा शिमला, जपनीत सिंह सिरमौर, जयादित्य डोगरा सोलन, नौनिहाल सोलन तथा कबीर सिंह सोलन और ऊना से अर्पित सिंह को जगह दी गई है. वहीं टीम के साथ अंकित अग्रवाल कोच, रोहित कालिया सहायक कोच, मयंक बालासुंदरम फिजियो, अंकुश आदित्य प्रशिक्षक, संदीप कुमार वीडियो विश्लेषक, संदीप कुमार साइड आर्म, विवेक धीमान को प्रबंधक बनाया गया है. उधर बात हिमाचल के मैचों की करें तो हिमाचल प्रदेश और त्रिपुरा 9 अक्टूबर को पहले मैच में आमने सामने होंगे. इसी तरह 11 अक्टूबर को दूसरा मैच छत्तीसगढ़, तीसरा मैच 13 अक्टूबर को चंडीगढ़ के साथ, 15 अक्टूबर को कर्नाटक के साथ तथा 17 अक्टूबर को हैदराबाद के साथ हिमाचल की भिड़ंत होगी.

क्रिकेटर मिताली राज को मिलेगा रोहित, कोहली वाला सम्मान

एजेंसियां। मुंबई

महिला क्रिकेट में मिताली राज एक बड़ा नाम है, जिन्होंने अपने योगदान से टीम को ऊंचाइयों तक पहुंचाया. उन्हें आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के बीच एक बड़ा सम्मान मिलने जा रहा है. आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन ने विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में 2 स्टैंड को भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान कप्तान मिताली राज और आंध्र की खिलाड़ी रवि कल्पना के नाम पर करने का फैसला लिया है. मिताली और कल्पना को ये सम्मान भारतीय महिला क्रिकेट बनाम ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट मैच के दौरान मिलेगा. ये टीम इंडिया का आईसीसी विश्व कप 2025 में चौथा मुकाबला होगा, जो 12 अक्टूबर को एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा.

पहली बार है जब एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में महिला क्रिकेटर्स को इस तरह का सम्मान मिलने जा रहा है. मिताली राज को भारतीय महिला टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का श्रेय दिया जाता है. वह दुनिया की सबसे सफल बल्लेबाजों में शुमार हैं. रवि कल्पना की बात करें तो वह एक विकेटकीपर बल्लेबाज हैं. उन्होंने अपनी लगन और मेहनत से राज्य स्तर से नेशनल टीम का सफर तय किया, उनका क्रिकेट सफर अन्य युवा लड़कियों के लिए प्रेरणादायक है.

मिताली राज का क्रिकेट करियर : 42 वर्षीय मिताली राज ने 1999 में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था. उन्होंने 2022 में अपना आखिरी मैच खेला, उनका करियर 23 साल का रहा. मिताली 200 से अधिक वनडे मैच खेलने वाली एकमात्र महिला खिलाड़ी हैं. वह 6 अलग-अलग वनडे वर्ल्ड कप खेलने वाली भी पहली खिलाड़ी हैं. उनकी कप्तानी में भारतीय टीम 2 बार (2005, 2017) वर्ल्ड कप फाइनल तक पहुंची. टेस्ट फॉर्मेट में दोहरा शतक लगाने वाली मिताली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं. मिताली ने 232 वनडे मैचों में 50.68 की एवरेज से 7805 रन बनाए, इसमें 7 शतक और 64 अर्धशतक शामिल हैं. 89 टी20 में उन्होंने 2364 रन बनाए, इस फॉर्मेट में उन्होंने 17 अर्धशतकीय पारियां खेली. अपने करियर में मिताली ने 12 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 43.68 की एवरेज से 699 रन बनाए, इसमें 1 शतक और 4 अर्धशतक लगाए.

मो. कैफ का बड़ा दावा, अगरकर पर साधा निशाना!

शुभमन कप्तान बनना नहीं चाहते थे, बीसीसीआई ने दबाव डाला

एजेंसियां। मुंबई

टीम इंडिया के पूर्व स्टार खिलाड़ी मोहम्मद कैफ ने एक बड़ा खुलासा किया है. उनका दावा है कि शुभमन गिल खुद वनडे टीम की कप्तानी नहीं चाहते थे, लेकिन बीसीसीआई और चयनकर्ताओं ने उन पर दबाव बनाकर यह जिम्मेदारी थमा दी. यह बयान ऐसे समय में आया है जब गिल ने रोहित शर्मा की जगह भारत की वनडे टीम की कमान संभाली है और इस फैसले ने क्रिकेट जगत में बहस छेड़ दी है.

यह फैसला वर्ल्ड कप के बाद होना चाहिए था : कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, यह सब तय था, लेकिन मुझे लगा कि यह फैसला 2027 वर्ल्ड कप के बाद होगा. शुभमन में क्वालिटी है, उन्होंने फिटनेस पर काफी काम किया है. वे वर्ल्ड कप 2027 खेलने की वास्तविक संभावना रखते हैं. लेकिन उन पर बहुत जल्दी बहुत कुछ डाल दिया गया है. ऐसा जल्दी-जल्दी सब मिलना नुकसानदायक भी हो सकता है. कैफ के मुताबिक, गिल पर अचानक कप्तानी का बोझ डालना एक जोखिम भरा कदम हो सकता है क्योंकि इससे उनके प्रदर्शन और आत्मविश्वास दोनों पर असर पड़ सकता है.

खिलाड़ी कप्तानी नहीं मांगता, दबाव बनाया जाता है : कैफ ने कहा कि शुभमन गिल ने खुद कप्तानी नहीं मांगी, बल्कि चयनकर्ताओं, खासकर अजित अगरकर के दबाव में यह जिम्मेदारी ली. उन्होंने कहा, मेरी बात यह है कि खिलाड़ी को ज्यादा बोझ मत दो. गिल टेस्ट में कप्तानी कर रहे हैं, नंबर चार पर बल्लेबाजी कर रहे हैं. एशिया कप में उन्हें उपकप्तान बनाया गया था, अब वनडे में कप्तान बना दिया. सबकुछ बहुत जल्दी किया जा रहा है. खिलाड़ी कभी कप्तानी की मांग नहीं करता. सबको पता है कि उसने खुद यह नहीं चाही थी. लेकिन चयनकर्ता, जिनमें अजित अगरकर भी हैं, उन्होंने दबाव बनाया. इस बयान से कैफ ने चयन समिति के निर्णयों पर सीधा सवाल उठा दिया है.

बीसीसीआई का तर्क-2027 वर्ल्ड कप की तैयारी : बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने कहा था कि टीम प्रबंधन चाहता है कि गिल को लंबी अवधि तक कप्तान के रूप में तैयार किया जाए, ताकि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह सेट हो सकें. हालांकि, इस फैसले से रोहित शर्मा को पूरी तरह कप्तानी भूमिका से अलग कर दिया गया है, जबकि वे ऑस्ट्रेलिया सीरीज की टीम में शामिल जरूर हैं.

तीन फॉर्मेट में जिम्मेदारी, बढ़ता दबाव

वर्तमान में शुभमन गिल भारत के टेस्ट और वनडे दोनों टीमों के कप्तान हैं और टी20 टीम के उपकप्तान भी हैं. कैफ का मानना है कि इतनी बड़ी जिम्मेदारी एक युवा खिलाड़ी पर डालना जल्दबाजी है. उन्होंने कहा, जब किसी खिलाड़ी पर तीनों फॉर्मेट में इतनी जिम्मेदारी डाल दी जाती है, तो थकान और मानसिक दबाव बढ़ता है. इससे उसका नैचुरल गेम प्रभावित हो सकता है.

नई चुनौती को किस प्रकार संभालेंगे गिल

रोहित शर्मा, जिन्होंने भारत को कई यादगार जीतें दिलाईं, अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में सिर्फ खिलाड़ी के तौर पर शामिल हैं. ऐसे में गिल पर अब न केवल कप्तानी का दबाव है, बल्कि रोहित की विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती भी. गिल भारतीय क्रिकेट के भविष्य माने जाते हैं, लेकिन जिस तरह से उन्हें लगातार जिम्मेदारियां दी जा रही हैं, वह सवाल खड़े करता है. अब देखना होगा कि गिल इस अचानक आई कप्तानी के दबाव को किस तरह संभालते हैं.

बीसी प्लेस में इतिहास रचने को तैयार 'कनाडा सुपर 60'

एजेंसियां। वैंकूवर (कनाडा)

कनाडा के वैंकूवर स्थित प्रतिष्ठित बीसी प्लेस स्टेडियम में कल यानी 8 अक्टूबर 2025 से शुरू हो रहा है 'कनाडा सुपर 60', जो एक ऐतिहासिक टी10 क्रिकेट लीग है. इस टूर्नामेंट की सबसे खास बात यह है कि पहली बार पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताओं की शुरुआत एक साथ होने जा रही है. यह आयोजन न केवल कनाडा की विश्व क्रिकेट में बढ़ती ताकत को दर्शाता है, बल्कि समावेश, विविधता और खेल उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है. सप्ताहभर चलने वाले इस मेगा इवेंट में दुनिया के कई बड़े क्रिकेट सितारे हिस्सा ले रहे हैं — जिनमें सुरेश रैना, शिखर धवन, शोएब मलिक, शाकिब अल हसन और जेसन रॉय जैसे नाम शामिल हैं. इनके साथ कनाडा के शीर्ष क्रिकेटर भी मैदान पर उतरेंगे. महिला वर्ग में भी देश-विदेश की कई स्टार क्रिकेटर हिस्सा लेंगी, जिनमें अफगान शरणार्थी खिलाड़ी भी शामिल हैं — जो साहस, उम्मीद और अवसर की प्रतीक हैं.

क्रिकेट के अलावा यह आयोजन मनोरंजन, संगीत और संस्कृति का संगम बनने जा रहा है. दर्शकों के लिए लाइव कॉन्सर्ट, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और फूड फेस्टिवल जैसी आकर्षक गतिविधियाँ होंगी — जिससे यह आयोजन एक खेल महोत्सव का रूप ले लेगा. कनाडा सुपर 60 के ग्लोबल एम्बेसडर युवराज सिंह, ने एक बयान में कहा,"कनाडा सुपर 60 का साकार होना वाकई अद्भुत एहसास है.

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की ऑस्ट्रेलियाई टीम में हो रही वापसी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम में वापसी कर रहे हैं. यह सीरीज 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी. स्टार्क के साथ मैथ्यू शॉर्ट और मिशेल ओवेन भी चोट से उबरने के बाद 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए हैं. वहीं मैथ्यू रेनशॉ को भी टीम में जगह मिली है. टीम की कमान मिशेल मार्श के हाथों में ही रहेगी. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आगामी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी के तहत 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए भी टीम की घोषणा की है. यह स्टार्क का मौजूदा सीजन का पहला असाइनमेंट होगा. उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे से आराम लिया था ताकि इस गर्मी में होने वाली एशेज सीरीज के लिए अपनी फिटनेस और वर्कलोड को संभाल सकें. गौरतलब है कि स्टार्क पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं. वनडे टीम से कुछ खिलाड़ियों को बाहर किया गया है.

मुनिबा अली का रन आउट निर्णय पूरी तरह सही था: एमसीसी

एजेंसियां। लंदन

मैरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने सोमवार को पुष्टि की कि भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए महिला विश्व कप 2025 मैच में पाकिस्तान की बल्लेबाज़ मुनिबा अली को रन आउट दिए जाने का अंपायर का निर्णय पूरी तरह से नियमों के अनुरूप था. यह घटना पाकिस्तान की पारी के चौथे ओवर में घटी, जब भारत की दीप्ति शर्मा ने एक असफल एलबीडब्ल्यू अपील के तुरंत बाद गेंद को स्टंप्स पर मार दिया. उस समय मुनिबा क्रीज़ से बाहर खड़ी थीं और उन्हें रन आउट घोषित कर दिया गया. विवाद इस बात को लेकर था कि क्या एलबीडब्ल्यू अपील के बाद गेंद "डेड" हो चुकी थी, और क्या बल्लेबाज़ को रन आउट किया जा सकता है यदि वह रन लेने का प्रयास नहीं कर रही थी.

एमसीसी ने अपने बयान में कहा, "यहां कई नियमों पर विचार करना आवश्यक है. सबसे पहले और सरल बात यह है कि सिर्फ अपील होने से गेंद डेड नहीं हो जाती. अपील 'नॉट आउट' दी गई थी, गेंद विकेटकीपर के पास स्थिर नहीं थी, और दीप्ति शर्मा की कार्रवाई से स्पष्ट था कि सभी खिलाड़ियों ने गेंद को डेड नहीं माना था. इसलिए, गेंद खेल में थी." क्लब ने आगे स्पष्ट किया कि कानून 30.1.2 (लॉ 30.1.2) इस स्थिति में लागू नहीं होता, क्योंकि मुनिबा "दौड़ते या कूदते हुए क्रीज़ की ओर नहीं बढ़ रही थीं" बल्कि उन्होंने क्रीज़ के बाहर से ही गार्ड लिया हुआ था और अपने पैर कभी वापस क्रीज़ में नहीं रखे. एमसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह रन आउट का मामला है, स्टंपिंग का नहीं, क्योंकि स्टंप्स विकेटकीपर द्वारा नहीं, बल्कि एक फील्डर (दीप्ति शर्मा) द्वारा फेंकी गई गेंद से टूटे थे. इस तरह, एमसीसी ने साफ कर दिया है कि मुनिबा अली का आउट होना पूरी तरह नियमों के दायरे में और वैध निर्णय था.

पीकेएल-12: दबंग दिल्ली की चौथी जीत, जयपुर को हराया

एजेंसियां। चेन्नई

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 67वें मुकाबले में दबंग दिल्ली केसी ने जयपुर पिंक पैंथर्स को रोमांचक मैच में 29-26 से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की. यह इस सीजन में दिल्ली की 10वीं जीत रही, जिससे उसने अंक तालिका में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली. जयपुर के लिए यह 12 मैचों में छठी हार रही. दिल्ली की जीत में डिफेंस का अहम योगदान रहा — संदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 अंक लिए, जबकि आशू ने 8 अंक और नीरज ने 4 अंक जुटाए. कप्तान फजल अत्राचली ने भी डिफेंस में तीन महत्वपूर्ण शिकार किए. जयपुर की ओर से रेजामीर बघेरी और दीपांशु ने हाई-5 हासिल किए, लेकिन टीम के रेडर्स उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए, जो हार का मुख्य कारण रहा. मैच की शुरुआत में दिल्ली के आशू ने एक सुपर रेड से टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन जल्द ही जयपुर के दीपांशु ने उन्हें लपक लिया. पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और हाफटाइम तक जयपुर 13-12 से आगे रही. दूसरे हाफ में दिल्ली ने जबरदस्त वापसी की. नीरज और आशू की जोड़ी ने लगातार अंक जुटाए और जयपुर को ऑल आउट कर दिल्ली को 18-16 की बढ़त दिलाई. दिल्ली की डिफेंस लाइन ने बाद के मिनटों में दबाव बनाए रखा और जयपुर की कोशिशों को नाकाम कर दिया. अंतिम मिनटों में मैच बेहद रोमांचक हो गया.

मोटिवेशन तो सुन, जाके अपने बाप के साथ ऑटो चला...

जब गालियों पर सिराज के लिए महागुरु बन गए धौनी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का सफर फर्श से अर्श तक पहुंचने की एक प्रेरणादायक कहानी है.

हैदराबाद की गलियों से निकलकर, एक ऑटो रिक्शा चालक के बेटे, सिराज ने ट्रोलिंग और आर्थिक तंगी जैसी हर चुनौती का सामना किया. आज वह जसप्रीत बुमराह के बाद भारत के दूसरे सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाज माने जाते हैं और उनकी सफलता में एमएस धौनी की एक सीधी-सी सलाह का बड़ा हाथ है. आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए एक खराब सीजन के दौरान, सिराज को सोशल मीडिया पर फैंस की कड़ी आलोचना झेलनी पड़ी. उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे फैंस का रुख पल भर में बदल जाता था. एक दिन उन्हें बेहतरीन गेंदबाज कहा जाता था, तो अगले ही दिन खराब प्रदर्शन पर कहा जाता था, जा के अपने बाप के साथ ऑटो चलाओ. इन अपमानजनक बातों ने सिराज को बुरी तरह प्रभावित किया था.

इस बुरे दौर में एमएस धौनी की सलाह सिराज के लिए मानसिक मजबूती का आधार बनी. धौनी ने सिराज से साफ कहा था कि किसी की बातों में नहीं आना. जब तू अच्छा करेगा, तो पूरी दुनिया तेरे साथ रहेगी और जब खराब करेगा, यही दुनिया तुझे गाली देगी. धौनी की यह सलाह सिराज के दिल में उतर गई. उन्होंने बाहरी प्रशंसा या आलोचना पर ध्यान देना बंद कर दिया और सिर्फ अपने खेल, टीम के साथी और परिवार के विचारों पर ही ध्यान दिया.

गरीबी और संघर्ष से टीम इंडिया तक का सफर

सिराज का इंटरनेशनल सफर गरीबी और संघर्ष से भरा था. उन्होंने कभी भारत के लिए खेलने का सपना नहीं देखा था, क्योंकि उनके पास पैसे नहीं थे. वह टेनिस बॉल क्रिकेट से जो भी कमाते थे, वह अपने माता-पिता को दे देते थे. उनकी प्रतिभा को पहली बार तब पहचान मिली जब उनकी मुलाकात चारमीनार क्रिकेट क्लब के मालिक से हुई, जिन्होंने उनकी आर्थिक तंगी को देखते हुए उन्हें मुफ्त में ट्रेनिंग और स्पाइक्स वाले जूते दिए. इसके बाद रणजी ट्रॉफी सीजन से पहले नेट बॉलिंग करते समय तत्कालीन भारतीय गेंदबाजी कोच भरत अरुण की नजर उन पर पड़ी. अरुण ने हैदराबाद का कोच बनने के बाद सिराज को ढूंढा और टीम में शामिल कराया. उसी साल सिराज रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने. सिराज आज के दिन भारत के लिए हर उस मैच में अच्छा करते हैं जब-जब टीम को उनकी जरूरत होती है.

अबरार की शादी में पहुंचे मोहसिन नकवी की बेशर्मी

ट्रॉफी चोरी के सवाल पर सिर्फ हंसते रहे

एजेंसियां। कराची

पाकिस्तान के क्रिकेटर अबरार अहमद की कराची में शादी हुई, जिसमें पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने भी शिरकत की. वह पिछले कई दिनों से चर्चा में है, क्योंकि वह भारत की जीती हुई एशिया कप ट्रॉफी को अपने साथ लेकर चले गए थे. अबरार की शादी में भी वह इस सवाल से बच नहीं पाए, उनसे एक पत्रकार ने पूछा कि सूर्यकुमार यादव ने ट्रॉफी लेने से मना नहीं किया था. एक और सवाल नकवी से पूछा गया कि अब एशिया कप का भविष्य क्या है? इस पर एसीसी अध्यक्ष से बेशर्मी वाली प्रतिक्रिया देखने को मिली.

एशिया कप 2025 का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच 28 सितंबर को दुबई में खेला गया था. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को हरा कर अपना 9वां एशिया कप ख़िताब जीता. मोहसिन नकवी चाहते थे कि वह चैंपियन टीम को ट्रॉफी दें, वह एसीसी के प्रमुख भी है. लेकिन वह पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं और भारत के खिलाफ युद्ध की बात कर चुके हैं. इस कारण सूर्या ने उनके हाथों ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था. इसके बाद नकवी ने टीम इंडिया को ट्रॉफी नहीं सौंपी, वह उसे अपने साथ लेकर चले गए. मोहसिन नकवी अबरार अहमद की शादी में पहुंचे. इसमें पाकिस्तान टीम के कई प्लेयर्स भी पहुंचे थे. शादी से निकलते हुए एक पत्रकार ने उनसे पूछा कि सूर्यकुमार यादव ने तो मना किया है कि उन्होंने ट्रॉफी लेने से मना नहीं किया था. इस पर नकवी बेशर्मी से हंसते रहे, शायद उनके पास कोई जवाब नहीं था. फिर पत्रकार ने पूछा कि एशिया कप का भविष्य क्या है? इस पर भी नकवी सिर्फ हंसते रहे, लेकिन कुछ नहीं बोले.

न्यूज अपडेट

गंगा स्नान के दौरान डूबा शख्स रेस्क्यू में जुटी एनडीआरएफ की टीम

पटना। नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत सबलपुर विष्णु मंदिर गंगा घाट पर मंगलवार सुबह एक व्यक्ति के गंगा स्नान के दौरान डूब जाने की घटना सामने आई है. जानकारी के अनुसार, गुलमहियाचक निवासी हरेंद्र महतो रोज की तरह आज भी गंगा स्नान के लिए घाट पर पहुंचे थे. स्नान के दौरान वे गंगा की गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके और तेज बहाव में बह गए. घटना के तुरंत बाद घाट पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना नदी थाना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया. एनडीआरएफ की टीम के साथ स्थानीय गोताखोर भी डूबे व्यक्ति की तलाश में जुटे हुए हैं. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हरेंद्र महतो नियमित रूप से सुबह गंगा स्नान के लिए आते थे, लेकिन आज दुर्भाग्यवश यह हादसा हो गया. घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है.

गया : जन सुराज पार्टी के नेता गजेंद्र सिंह पर फायरिंग, बाल-बाल बचे

गया। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र में जन सुराज पार्टी के संभावित प्रत्याशी गजेंद्र सिंह पर अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. यह हमला उस वक्त हुआ जब वे अपने घर लौट रहे थे. हमलावरों ने एक सुनसान मोड़ पर अंधेरे का फायदा उठाकर उन पर गोलियां चलाईं. इस फायरिंग में उनकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि गजेंद्र सिंह और उनका ड्राइवर सुरक्षित बच निकले. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दो बाइक सवार अपराधियों ने काले कपड़े पहन रखे थे और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए. गजेंद्र सिंह ने बताया कि ड्राइवर की सतर्कता से उनकी जान बच पाई, क्योंकि उसने गाड़ी तुरंत मोड़ ली. सूचना मिलते ही रामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. गया एसपी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. साथ ही गजेंद्र सिंह को सुरक्षा मुहैया कराई गई है. इस घटना को लेकर जन सुराज पार्टी ने राजनीतिक रंजिश की आशंका जताई है.

आचार संहिता के बीच गोपालगंज में 7.30 लाख रुपये नकद बरामद

गोपालगंज। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद जिले में प्रशासन की सख्ती रंग लाने लगी है. नगर थाना क्षेत्र में देर रात वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 लाख 30 हजार रुपए नकद जब्त किए हैं. यह कार्रवाई नगर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार प्रभाकर के नेतृत्व में की गई. पुलिस टीम जब नियमित वाहन जांच कर रही थी, तभी एक संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई. वाहन चालक नकदी के स्रोत के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसके बाद पुलिस ने वाहन को भी जब्त कर लिया. मौके पर आसपास के इलाके में भी सघन तलाशी अभियान चलाया गया. बरामद नकदी को सील कर थाना लाया गया है. एसपी अवधेश दीक्षित ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत बड़े नकद लेन-देन पर रोक है. उन्होंने कहा कि अगर बरामद राशि वैध निकली तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, लेकिन यदि यह अवैध या चुनाव से जुड़ी गतिविधियों के लिए उपयोग हो रही थी, तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान, राजद राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने एनडीए पर कसा तंज

एक्स पर लिखा- 'छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह'

शुभम संदेश। पटना

बिहार में एक बार फिर सियासी संग्राम छिड़ चुका है. चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों की आधिकारिक घोषणा कर दी है. इस बार चुनाव दो चरणों में संपन्न होंगे. पहले चरण में 6 नवंबर को 121 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी, जबकि दूसरे चरण में 11 नवंबर को 122 सीटों पर मतदान होगा. मतगणना 14 नवंबर को होगी और 16 नवंबर तक चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी. चुनावी तारीखों की घोषणा के साथ ही सियासी पारा चढ़ गया है. सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ चुके हैं. राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने एक बार फिर एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह. इस तंज के जरिए लालू यादव ने यह दावा किया कि एनडीए की सत्ता से विदाई तय है और इस बार जनता बदलाव के मूड में है.

लालू यादव लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन को घेरते आ रहे हैं. हाल ही में उन्होंने बयान दिया था कि ₹बिहार की जनता दुखी है, क्योंकि यह 20 साल वाली सरकार पूरी तरह से झूठ और भ्रष्टाचार की नींव पर टिकी हुई है.₹ उन्होंने कहा कि इस बार जनता भ्रष्ट व्यवस्था को उखाड़ फेंकेगी और नए मुख्यमंत्री के साथ नई सरकार बनेगी. राजद के साथ-साथ महागठबंधन की अन्य पार्टियां भी जोर-शोर से मैदान में उतर चुकी हैं. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी लगातार एनडीए पर हमलावर हैं. वहीं दूसरी ओर जन सुराज पार्टी भी इस बार मजबूती से दावा कर रही है कि वे तीसरा विकल्प बनकर उभरेंगे. चुनावी समीकरणों को और रोचक बनाते हुए तेजप्रताप यादव भी अलग रणनीति के साथ सामने आए हैं. उनके बयानों और चालों से राजद और जदयू दोनों की चिंता बढ़ गई है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार बिहार चुनाव कई मायनों में बेहद दिलचस्प और निर्णायक होगा. महागठबंधन और एनडीए के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी, वहीं अन्य छोटे दल भी समीकरण बिगाड़ने का काम कर सकते हैं. अब देखना होगा कि लालू यादव का यह दावा ₹छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह₹ हकीकत में तब्दील होता है या नहीं. लेकिन इतना तय है कि आगामी चुनाव में बिहार की सियासत एक नई करवट लेने जा रही है.

दूसरी तरफ मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने के मामले पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसे 'दलित विरोधी मानसिकता' करार देते हुए गहरी नाराज़गी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि यह जूता मुख्य न्यायाधीश पर नहीं, बल्कि भारत के संविधान और उसके शिल्पकार डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की विरासत पर फेंका गया है. तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया कि जब अंबेडकर की विचारधारा को मानने वाले लोग भी न्यायपालिका में सुरक्षित नहीं हैं, तो लोकतंत्र किस दिशा में जा रहा है? उन्होंने इसे देश के लिए खतरनाक संकेत बताया और दावा किया कि 2014 के बाद से देश में ₹घृणा और हिंसा को राजकीय संरक्षण₹ मिला है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोलते हुए पूछा कि "संविधान और दलित विरोधी ताक़तें इस शर्मनाक घटना पर चुप क्यों हैं?" उनका आरोप है कि यह चुप्पी साजिशन है और मौजूदा सत्ताधारी व्यवस्था दलितों की आवाज़ को दबाने की कोशिश कर रही है. घटना के बाद यह बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है कि क्या भारत की संवैधानिक संस्थाएं, खासकर न्यायपालिका, अब राजनीति की नफरत से सुरक्षित रह पाएंगी? क्या यह सिर्फ एक असंतुलित व्यक्ति की करतूत थी या फिर यह उस बढ़ती वैमनस्यता का संकेत है जो अब न्याय के मंदिर तक पहुंच चुकी है? देश को अब यह तय करना होगा कि संविधान की रक्षा सिर्फ बयानबाज़ी से होगी या उस पर अमल भी किया जाएगा.

ओवैसी की महुआ में हुंकार: नासिर शाह की मौत पर सरकार को घेरा, बोले-

नासिर की मौत नीतीश सरकार की विफलता

शुभम संदेश। वैशाली

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी तेज हो चुकी है और इसी बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने वैशाली जिले के महुआ में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है. गांधी मैदान में आयोजित इस सभा में ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान और रालोसपा नेता उपेंद्र कुशवाहा पर तीखा हमला बोला. अपने भाषण में ओवैसी ने हाल ही में पुलिस हिरासत में मारे गए नासिर शाह की मौत के लिए सीधे वैशाली पुलिस और बिहार सरकार को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने कहा, "जिस पुलिस ने नासिर शाह को पकड़ा, वह बहादुर नहीं बल्कि हिजड़े थे. अगर नासिर शाह ज़िंदा होते, तो यह सरकार चौकीदार से लेकर थानाध्यक्ष तक को निलंबित कर चुकी होती." ओवैसी के इस बयान ने सभा में मौजूद लोगों की भावनाओं को झकझोर दिया और सभा में भारी संख्या में मुस्लिम

समुदाय के लोग शामिल रहे. महुआ विधानसभा सीट से एआईएमआईएम ने अमित कुमार उर्फ बच्चा राय को उम्मीदवार बनाया है, जिससे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पारंपरिक एमवाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण पर असर पड़ सकता है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ओवैसी की यह सभा महागठबंधन के वोटबैंक में सेंध लगा सकती है, जिसका परोक्ष लाभ एनडीए को मिल सकता है. सभा के दौरान ओवैसी ने प्रशासन पर भी तीखे सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि सुशासन की बात करने वाली सरकार के राज में आम आदमी की सुरक्षा और न्याय की उम्मीदें टूट रही हैं. उन्होंने वैशाली के एसपी और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े करते हुए जनता से इंसाफ, सुशासन और न्याय के मुद्दे पर मतदान करने की अपील की. विश्लेषकों के अनुसार, सीमांचल और मिथिलांचल में सक्रियता के बाद अब एआईएमआईएम की यह तिरहुत क्षेत्र में बड़ी दस्तक मानी जा रही है. ओवैसी की इस सभा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी अब बिहार की राजनीति में न केवल उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने की मंशा भी रखती है. इस सभा ने जहां एक ओर ओवैसी को मुस्लिम मतदाताओं के बीच मजबूत किया है, वहीं दूसरी ओर राजद और अन्य दलों के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है.

पूर्णिया से हैदराबाद के लिए 26 अक्टूबर से सीधी उड़ान, किराया 4000 रुपये

पूर्णिया। छठ महापर्व से पहले सीमांचल और कोसी क्षेत्र की जनता को एक और बड़ी सौगात मिली है. अब पूर्णिया से हैदराबाद के लिए सीधी हवाई सेवा 26 अक्टूबर से शुरू होने जा रही है. इंडिगो एयरलाइंस ने इस रूट पर एयरबस विमान तैनात किया है, जो हर दिन उड़ान भरेगा. टिकट बुकिंग भी शुरू हो चुकी है और शुरुआती किराया मात्र 4000 रखा गया है, जो बागडोगरा की तुलना में आधा है. फ्लाइट का शेड्यूल तय कर दिया गया है. हैदराबाद से विमान दोपहर 12:15 बजे उड़ान भरकर 2:25 बजे पूर्णिया पहुंचेगा, जबकि वापसी में 3:25 बजे रवाना होकर 5:50 बजे हैदराबाद पहुंचेगा. खास बात यह है कि उड़ान की शुरुआत 26 अक्टूबर, यानी छठ महापर्व के खरना व्रत के दिन होगी. दिल्ली के बाद अब हैदराबाद से भी सीधी कनेक्टिविटी मिलने से सीमांचल और कोसी के प्रवासी लोग सीधे अपने घर आ सकेंगे. एयरपोर्ट डायरेक्टर डीपी गुप्ता ने पहले ही दोनों रूट की घोषणा की थी. पूर्णिया एयरपोर्ट का लगातार विस्तार हो रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 सितंबर को इसका उद्घाटन किया था. अब यहां से कोलकाता, अहमदाबाद, दिल्ली और हैदराबाद के लिए उड़ानें संचालित हो रही हैं.

स्कॉर्पियो-ऑटो में टक्कर, तीन की मौत

डेहरी आन सोन। रोहजतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र के सासाराम -आरा पथ के गंगहर टोला के पास सोमवार देर रात टेंपो और स्कॉर्पियो के बीच हुई टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई. दो गंभीर रूप से जख्मी हो गए. सभी सासाराम से बिक्रमगंज की ओर लौट रहे थोघायलों को सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस के अनुसार गंगहर टोला के पास अनियंत्रित स्कॉर्पियो सीजी 04 एम के 0101 ने सासाराम से बिक्रमगंज जा रहे टेंपू में जबरदस्त टक्कर मार दी. टककर में टेम्पू बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. सड़क दुर्घटना में टेमो सवार आशीष केशरी, श्रीकांत प्रसाद व साहिल गुप्ता की घटनास्थल पर मौत हो गई. जबकि विश्वास कुमार व बिरजू कुमार बुरी तरह घायल हो गए. घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है.थानाध्यक्ष दिनेश मालाकार के अनुसार पुलिस ने तीनों मृतक का पोस्टमॉर्टम कराकर शव को परिजन को सौंप दिया गया है.

लखनदेई नदी का रौद्र रूप

जमींदारी बांध टूटा, ग्रामीण क्षेत्रों में घुसा बाढ़ का पानी

संवाददाता। मुजफ्फरपुर

नेपाल में हो रही लगातार बारिश का असर अब बिहार के मुजफ्फरपुर जिले पर भी साफ दिखाई दे रहा है. पहले से ही बागमती नदी के उफान से जूझ रहे जिले के औराई प्रखंड में अब लखनदेई नदी ने भी रौद्र रूप धारण कर लिया है. नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे औराई प्रखंड के राजखंड उतरी पंचायत स्थित रामखेतारी गांव में क्षतिग्रस्त जमींदारी बांध टूट गया है. इस बांध के टूटने से निचले इलाकों में तेजी से बाढ़ का पानी प्रवेश कर रहा है.

ग्रामीण क्षेत्रों में पानी भरने से हजारों हेक्टेयर में लगी धान की फसल बर्बादी के कगार पर पहुंच चुकी है, वहीं कई घरों में भी पानी घुस गया है. स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष भी इसी बांध को बाढ़ से नुकसान पहुंचा था. इसके बावजूद प्रशासन द्वारा सिर्फ औपचारिक मरम्मत कर खाना पूर्ति की गई. समय रहते तटबंध की उचित मरम्मत नहीं की गई, जिसका नतीजा आज ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है. बाढ़ के खतरे को देखते हुए लोग ऊंचे स्थानों की ओर पलायन की तैयारी में हैं. हालात दिन-प्रतिदिन गंभीर होते जा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे हैं. ग्रामीणों में प्रशासन की उदासीनता को लेकर भारी नाराजगी है और अब लोग सरकार से तत्काल राहत और सहायता की मांग कर रहे हैं. यदि जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है.

त्रिवेणीगंज व पिपरा एनएच पर बस पलटी, एक की मौत

पटना। सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज-पिपरा मुख्यमार्ग एनएच-327 ई पर यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई है. हादसे में एक यात्री की मौत हो गई है, जबकि दर्जन भर यात्री जख्मी हो गए हैं. मृतक की पहचान संतोष राम उम्र 38 साल निवासी महेशुआ पंचायत के वार्ड नंबर 11 के रूप में हुई है. घायलों में पिपरा थाना क्षेत्र की सरस्वती कुमारी, कृष्ण कुमार ठाकुर, रबीना खातून, मो. अरशद, आशु खातून ईद मोहम्मद, सहनिया खातून, मंजू देवी, लक्ष्मण मेहता, अजय कुमार, राजा कुमार शामिल है. पुलिस के मुताबिक संतोष राम (मृतक) अपनी पत्नी मंजू देवी के साथ चिकित्सक के पास इलाज कराने के लिए जा रहे थे. मिली जानकारी के अनुसार बस त्रिवेणीगंज से सुपौल जा रही थी.

कारोबार

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद रियल एस्टेट पर निवेशकों का भरोसा कायम

नयी दिल्ली। वैश्विक चुनौतियों और व्यापार विवादों का असर भारतीय रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश पर दिख रहा है. इस साल पहले 9 माह के दौरान रियल एस्टेट उद्योग में संस्थागत निवेश में गिरावट दर्ज की गई है. संपत्ति सलाहकार फर्म कॉलियर्स इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की जनवरी-सितंबर अवधि में भारतीय रियल एस्टेट में 4.26 अरब डॉलर का संस्थागत निवेश हुआ, यह पिछले साल की अवधि में हुए 4.67 अरब डॉलर निवेश से 9 फीसदी कम है. लेकिन यह रियल एस्टेट में बीते 5 साल के औसत संस्थागत निवेश 4 अरब डॉलर से अधिक है. सालाना आधार पर तीसरी तिमाही में निवेश सुधरा है.

आज से यूपीआई पेमेंट में आएगा बायोमिट्रिक फीचर, होगी आसानी

नयी दिल्ली। 8 अक्टूबर 2025 से भारत में डिजिटल भुगतान और आसान और सुरक्षित बनने जा रहा है. राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने घोषणा की है कि अब यूजर्स लोकप्रिय घरेलू भुगतान नेटवर्क यूपीआई के माध्यम से अपने लेन-देन को चेहरे की पहचान और फिंगरप्रिंट से कर पाएंगे. इस नई सुविधा के तहत अब केवल पिन डालकर भुगतान करना जरूरी नहीं होगा. बायोमेट्रिक डेटा का इस्तेमाल आधार प्रणाली से जुड़े डेटा के जरिए किया जाएगा. यूजर्स अपने फोन में सुरक्षित रूप से यह पहचान दर्ज करके भुगतान को स्वीकृति दे सकेंगे. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया दिशा-निर्देशों के अनुसार वैकल्पिक ऑथेंटिकेशन की अनुमति दी गई है. एनपीसीआई इस नई तकनीक को अपनाकर लेन-देन को और तेज तथा सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रहा है.

सोने की कीमत 4,000 डॉलर के पार, फिर भी केंद्रीय बैंकों की खरीद जारी

चीन सबसे आगे,आरबीआई सुस्त

एजेंसी। नयी दिल्ली

सोने की कीमतों में रिकॉर्डतोड़ तेजी देखी जा रही है. पहली बार सोने का भाव 4,000 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया है. यह साल 2025 में अब तक 40 से ज्यादा बार ऑल टाइम हाई बना चुका है. विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी थमती नहीं दिख रही है. अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि दिसंबर 2026 तक सोने की कीमतें 4,900 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती हैं. हालांकि कीमतों में भारी उछाल के बावजूद दुनिया भर के केंद्रीय बैंक लगातार सोने की खरीदारी कर रहे हैं. अगस्त 2025 में केंद्रीय बैंकों ने कुल 15 टन सोने की खरीद की है. यह दिखाता है कि भले ही सोना महंगा हो रहा है, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच केंद्रीय बैंक इसे एक सुरक्षित निवेश मानकर इसमें भरोसा जता रहे हैं. चीन के केंद्रीय बैंक ने लगातार 11वें महीने सोने की खरीद की है और अगस्त में 2 टन सोना और खरीदा, जिससे उसका कुल भंडार बढ़कर 2,301 टन हो गया है. यह पहली बार है जब चीन का गोल्ड रिजर्व 2,300 टन के पार पहुंचा है. दूसरी ओर, भारतीय रिजर्व बैंक की स्थिति इससे उलट रही. उसने अगस्त महीने

में कोई खरीदारी नहीं की. यह लगातार दूसरा महीना है जब आरबीआई ने सोने से दूरी बनाए रखी. वर्ष 2025 के पहले आठ महीनों में आरबीआई ने केवल 3 बार सोने की खरीदारी की है, जबकि पिछले साल यानी 2024 में लगभग हर महीने गोल्ड खरीद हो रही थी.

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, जनवरी से अगस्त 2025 के बीच आरबीआई ने सिर्फ 3.8 टन सोना खरीदा, जबकि 2024 की समान अवधि में यह आंकड़ा 45.4 टन था. 29 अगस्त तक आरबीआई के पास कुल 879.98 टन सोना था. काउंसिल का कहना है कि सोने की कीमतों में आई तेज़ी ने कुछ देशों को खरीद से रोक दिया है और उन्होंने इसका लाभ उठाकर आंशिक बिक्री भी की है. हालांकि काउंसिल यह भी कहता है कि खरीदारी में हालिया कमी का यह मतलब नहीं है कि केंद्रीय बैंक अब सोने में रुचि नहीं ले रहे. विशेषज्ञों का मानना है कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं बढ़ रही हैं, जिससे निवेशकों और बैंकों की नजर फिर से सोने पर जा टिकेगी. मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच यह एक सुरक्षित निवेश विकल्प बना हुआ है. जानकार बताते हैं कि सोने का उत्पादन सीमित है, जबकि इसकी मांग स्थिर बनी हुई है. यह असंतुलन कीमतों को और ऊपर ले जा सकता है. अगर ऐसा होता है, तो जिन देशों के पास पहले से ज्यादा सोना है, उन्हें इस तेजी से लाभ मिलेगा.

सोढानी कैपिटल की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई, निवेशक खुश

नई दिल्ली। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म सोढानी कैपिटल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 51 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 56.86 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 80 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी ही देर में 84 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 64.71 प्रतिशत का मुनाफा हो गया. सोढानी कैपिटल का 10.71 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.85 गुना सब्सक्राइब हुआ था.

कमजोर लिस्टिंग से ओम मेटलॉजिक ने किया निराश

नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी। नई दिल्ली

मेटल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ओम मेटलॉजिक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 86 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1 रुपये के डिस्काउंट के साथ 85 रुपये के स्तर पर ही हुई. लिस्टिंग के बाद ये शेयर सीमित दायरे में कारोबार करता रहा. दोपहर 12:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 85 रुपये के स्तर पर ही कारोबार कर रहे थे. ओम मेटालॉजिक का 22.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.47 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह

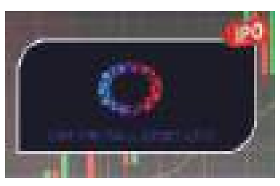

रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.53 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25,98,400 नए शेयर जारी किए गए हैं. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी. कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.22 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. इस दौरान कंपनी की आय 55 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 60.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.

शेयर बाजार

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का आईपीओ खुला : सस्ता वैल्यूएशन और भारत में मजबूत बाजार

मजबूती के दम पर निवेशकों को लुभाने की कोशिश

एजेंसी। नयी दिल्ली

दक्षिण कोरिया की दिग्गज उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की भारतीय इकाई, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड, का बहुप्रतीक्षित आईपीओ आज से निवेशकों के लिए खुल गया है. यह इश्यू 9 अक्टूबर तक खुला रहेगा और पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, जिसमें कोरियाई पेरेंट कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक. अपनी हिस्सेदारी बेचकर 11,607 करोड़ रुपये जुटाने की योजना में है. इसका मतलब यह है कि इस आईपीओ से जुटाई गई पूरी राशि कोरियाई पेरेंट कंपनी के पास जाएगी, न कि सीधे कंपनी के विकास या विस्तार में लगेगी. यही वजह है कि कुछ

निवेशक ओएफएस को लेकर संदेह में रहते हैं, क्योंकि इसमें कंपनी के ग्रोथ प्लान्स के लिए पूंजी नहीं जुटाई जाती. एलजी ने इस संशय को दूर करने के लिए खास रणनीति अपनाई है. कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 1,080 रुपये से 1,140 रुपये प्रति शेयर तय किया है, जिससे कंपनी का वैल्यूएशन 73,000 करोड़ से 77,000 करोड़ रुपये के बीच बैठता है. यह पहले तय किए गए 1.3 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित मूल्यांकन से काफी कम है.

बाजार विशेषज्ञ इसे एक "इन्वेस्टर-फ्रेंडली" कदम मान रहे हैं, जो कंपनी में निवेश को आकर्षक बना सकता है. यह कदम हाल ही में हुंडई इंडिया के आईपीओ की याद दिलाता है, जिसने वैल्यू अनलॉक करने के लिए अपनी भारतीय यूनिट को लिस्ट किया था. हालांकि, हुंडई की लिस्टिंग को भारी सब्सक्रिप्शन के बावजूद उम्मीद से कम रिटर्न मिला. एलजी ने इससे सीख लेते हुए वैल्यूएशन कम रखा है और भारत में अपने मजबूत मार्केट शेयर को हाइलाइट किया है. भारत में एलजी की पकड़ बेहद मजबूत है. एछ1सीवाई25 के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी ने कई प्रोडक्ट कैटेगरीज में बाजार में टॉप पोजिशन हासिल की है.

वहीं कंपनी का देश भर में मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर है, जो इसे ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में एक भरोसेमंद ब्रांड बनाता है. भले ही आईपीओ से पैसा सीधे कंपनी में न जाए, लेकिन एलजी की पेरेंट कंपनी ने भरोसा दिलाया है कि वह भारत में अपने मैन्युफैक्चरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में 600 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी. इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और घरेलू निर्माण को बढ़ावा मिलेगा. हालांकि एलजी का आईपीओ एक ओएफएस है, लेकिन इसकी कम कीमत, मजबूत बाजार स्थिति और पेरेंट कंपनी द्वारा दोबारा निवेश की प्रतिबद्धता इसे निवेश के लिहाज से आकर्षक बना सकती है. अब देखना यह है कि क्या निवेशक इन संकेतों को सकारात्मक रूप में लेते हैं या फिर ओएफएस की पुरानी धारणा इस इश्यू पर भारी पड़ती है.

फैबटेक टेक्नोलॉजीज ने निवेशकों को किया निराश

फ्लैट लिस्टिंग के शेयरों में गिरावट का रुख

- आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 191 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे

एजेंसी। नई दिल्ली

फार्मास्यूटिकल, बायोटेक और हेल्थकेयर इंडस्ट्री को टर्नकी इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस प्रोवाइड कराने वाली कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने सोमवार को स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया. निवेशकों की निराशा तब और बढ़ गई, जब लिस्टिंग के बाद बिकवाली के कारण कंपनी के शेयरों की गिरावट और बढ़ गई. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 191 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 191 रुपये के स्तर पर ही हुई, जबकि एनएसई पर 1

रुपये के मामूली प्रीमियम के साथ 192 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई.

दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 181.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे. इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9.50 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है. फैबटेक टेक्नोलॉजीज का 230.35 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था. वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.97 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.09 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 2.01 गुना सब्सक्राइब हुए थे. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,20,60,000 नए शेयर जारी किए गए हैं. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

न्यूज अपडेट

कॉल सेंटर मामले में ईडी की दिल्ली समेत कई 15 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को एक 'फर्जी' कॉल सेंटर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत दिल्ली-एनसीआर सहित 15 ठिकानों पर छापेमारी की. आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ईडी ने टेक सपोर्ट स्कैम से जुड़े धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मुंबई के अलावा दिल्ली, नोएडा और हरियाणा स्थित गुरुग्राम सहित 15 ठिकानों पर छापेमारी की है. इस कॉल सेंटर पर कई विदेशियों से लाखों अमेरिकी डॉलर की ठगी करने का आरोप है. दरअसल, दिल्ली पुलिस ने करण वर्मा नाम के एक व्यक्ति और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की थी.

60 करोड़ रुपये की ठगी मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी से हुई पूछताछ

मुंबई । अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पिछले काफी समय से एक कथित 60 करोड़ की ठगी मामले को लेकर चर्चा में हैं. अब इस मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने अभिनेत्री से लंबी पूछताछ की है. ईओडब्ल्यू की टीम ने शिल्पा से उनके मुंबई स्थित आवास पर जाकर बीती रात करीब 4 घंटे 30 मिनट तक पूछताछ की. जांच एजेंसी ने शिल्पा से उस एड कंपनी के बैंक खातों और लेन-देन से जुड़ी जानकारी मांगी, जिसके जरिए कथित रूप से यह वित्तीय गड़बड़ी की गई थी. बताया जा रहा है कि अभिनेत्री ने ईओडब्ल्यू को कई जरूरी दस्तावेज और बैंक डिटेल्स सौंपे हैं, जिनकी अब जांच जारी है. ईओडब्ल्यू से जुड़े सूत्र के मुताबिक शिल्पा और राज, दोनों उसी कंपनी के डायरेक्टर थे, जिसके माध्यम से यह पूरा लेन-देन हुआ था.

पंजाब में खांसी के लिए इस्तेमाल होने वाला 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप बैन

चंडीगढ़ । पंजाब सरकार ने राज्य में 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप की बिक्री और इसके उपयोग पर रोक लगा दी है. सरकार ने यह फैसला मध्य प्रदेश में इस सिरप के इस्तेमाल से 17 बच्चों की मौत होने के बाद लिया है. इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग निदेशालय की तरफ से सोमवार की शाम आदेश जारी किए गए, जिसे मंगलवार को राज्य के सभी जिला अधिकारियों को भेज दिया गया. सरकार के आदेशों में कहा गया है कि पंजाब के सभी खुदरा विक्रेता, वितरक, पंजीकृत चिकित्सक, अस्पताल, स्वास्थ्य सेवा संस्थान आदि इस प्रोडक्ट की खरीद, बिक्री या इसका उपयोग नहीं करेंगे. तमिलनाडु में बने इस सिरप को डायथिलीन ग्लाइकॉल की मिलावट के चलते बैन किया गया है.

कटक में कर्फ्यू प्रतिबंधों में ढील, सामान्य हो रही स्थिति

भुवनेश्वर । हाल ही में हुई हिंसा के बाद कटक में लगाए गए 36 घंटे के कर्फ्यू प्रतिबंधों में अब ढील दी गई है. प्रशासन ने कहा है कि शहर में स्थिति सामान्य हो रही है. पुलिस आयुक्त एस. देवदत्त सिंह ने जानकारी दी कि कटक में लागू कर्फ्यू प्रतिबंधों में राहत दी गई है. कर्फ्यू रविवार रात 10 बजे से प्रभावी हुआ था और यह तय समयानुसार मंगलवार की सुबह 10 बजे समाप्त हो गया. फिलहाल कर्फ्यू की अवधि बढ़ाने को लेकर कोई नई अधिसूचना जारी नहीं की गई है. उल्लेखनीय है कि कटक में अशांति के बाद पहले 13 स्थानों पर कर्फ्यू लागू किया गया था. पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है. इससे पहले कटक में इंटरनेट सेवाओं के अस्थायी निलंबन को 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया गया था.

मोदी ने व्लादिमीर पुतिन को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को अपना 73वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रपति पुतिन से बात की और उन्हें उनके जन्मदिन की बधाई दी। सरकारी के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बातचीत में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर बातचीत भी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन के जन्मदिन के अवसर पर उनसे बात की और दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

पाक : जाफर एक्सप्रेस में विस्फोट, 4 बोगियां पटरी से उतरी, 7 घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में सिंध के शिकारपुर जिले में मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट में जाफर एक्सप्रेस की चार बोगियां पटरी से उतर गईं जिससे कम से कम 7 लोग घायल हुए हैं. घायलों को संयुक्त सैन्य अस्पताल और सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. समाचार पत्र डॉन ने शिकारपुर के उपायुक्त शकील अब्रो के हवाले से बताया है कि मंगलवार सुबह करीब सवा 8 बजे रेल पटरी पर उस समय विस्फोट हुआ जब जाफर एक्सप्रेस सुल्तान कोट रेलवे स्टेशन से एक किमी की दूरी पर वहां से गुजर रही थी. विस्फोट में ट्रेन की चार बोगियां पटरी से उतर गईं, जिसमें 7 लोग घायल हुए. घायलों में से 4 को संयुक्त सैन्य अस्पताल ले जाया गया. जबकि शेष 3 घायलों को शिकारपुर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया.

उत्तराखंड में बारिश जारी, ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी से मौसम सर्द

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड में बारिश जारी है. बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, हेमकुंड साहिब क्षेत्र में बर्फबारी होने से पहाड़ों में ठंडक बढ़ गई है. मैदानी जिलों में भी बारिश से बारिश से सर्दी का आगाज हो गया है. मौसम विभाग ने आज प्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है. उत्तराखंड में सोमवार सुबह से रुक-रुक कर बारिश जारी है. केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री के साथ ही हेमकुंड साहिब सभी ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी से मौसम सर्द हो गया है. वहीं गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के चारों तरफ की चोटियां बर्फ से ढक गई हैं. बर्फबारी के बाद धामों में ठंड भी बढ़ गई है. देश-विदेश से पहुंचे तीर्थ यात्री बर्फबारी का आनंद ले रहे हैं. बर्फबारी के कारण हेलीकाप्टर सेवाएं भी उड़ान नहीं भर पा रही हैं. जबकि बर्फबारी के बाद ठंड से यात्रियों को राहत दिलाने के लिये अलाव की व्यवस्था की गई है.

मौसम केंद्र का पूर्वानुमान : राज्य के सभी जनपदों के अधिकांश स्थानों में हल्की से मध्यम वर्षा, गर्जन के साथ बौछार होने की संभावना है. 3500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने की संभावना है. राज्य के पिथौरागढ़ बागेश्वर, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग एवं चमोली जनपदों में कहीं-कहीं भारी वर्षा व बर्फबारी होने की संभावना है.

रेलवे की चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट समिति ने की बैठक

एजेंसी । नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों से होकर गुजरने वाली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है. इससे भारतीय रेल नेटवर्क में 894 किलोमीटर का इजाफा होगा. परियोजना पर 24,634 करोड़ रुपये (लगभग) की लागत आयेगी.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने मंगलवार को रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी. ये परियोजनाएं हैं - वर्धा - भुसावल - तीसरी और चौथी लाइन - 314 किलोमीटर (महाराष्ट्र). गोंदिया - डोंगरगढ़ - चौथी लाइन - 84 किलोमीटर (महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़). वडोदरा - रतलाम - तीसरी और चौथी लाइन - 259 किलोमीटर (गुजरात और मध्य प्रदेश). इटारसी - भोपाल - बीना चौथी लाइन - 237 किलोमीटर (मध्य प्रदेश). केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कैबिनेट के फैसले के बारे में राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकारों को जानकारी दी. उन्होंने कहा कि स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 85.84 लाख की आबादी के लगभग 3,633 गांवों और दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक कनेक्टिविटी बढ़ाएगी. उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुसार बनाई गई हैं. इनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है. ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी. परियोजना खंड सांची, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, भीमबेटका की शैलाश्रय, हजारा जलप्रपात, नवेगांव राष्ट्रीय उद्यान आदि जैसे प्रमुख स्थलों के लिए रेल संपर्क भी प्रदान करेगी. इससे देशभर से पर्यटक यहां आकर्षित होकर आयेंगे. वैष्णव ने कहा कि यह कोयला, कंटेनर, सीमेंट, फ्लाई ऐश, खाद्यान्न, इस्पात आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए एक आवश्यक मार्ग है. क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 78 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) का अतिरिक्त माल यातायात होगा. रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन साधन होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (28 करोड़ लीटर) को कम करने और सीओ2 उत्सर्जन (139 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा.

रक्षामंत्री ने युद्ध को नई परिभाषा देने वाली तकनीकों के विकास का किया आग्रह

भविष्य में एल्गोरिदम व एआई से लड़े जाएंगे युद्ध

- मंगलवार को विज्ञान भवन में 'रक्षा नवाचार संवाद : आइडेक्स स्टार्टअप्स के साथ संवाद' के दौरान कहा कि ड्रोन, एंटी-ड्रोन सिस्टम, क्वांटम कंप्यूटिंग और निर्देशित-ऊर्जा हथियार भविष्य की रूपरेखा तैयार करेंगे.

एजेंसी । नई दिल्ली

आईटी, दूरसंचार और अंतरिक्ष के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान

रक्षा मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आइडेक्स से पहले भारतीय प्रतिभाएं विश्व स्तर पर विशेष रूप से आईटी, दूरसंचार और अंतरिक्ष के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही थीं, लेकिन रक्षा क्षेत्र में उनका कम उपयोग हो रहा था. अब आइडेक्स के माध्यम से हमने सुनिश्चित किया कि भारत की प्रतिभाएं भारत की सुरक्षा के लिए काम करें. आज यह पहल केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक आंदोलन है, जो भारतीय रक्षा विनिर्माण के भविष्य को आकार दे रहा है. राजनाथ सिंह ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत के तहत रक्षा विनिर्माण अब निजी निवेश, अनुसंधान एवं विकास तथा रोजगार सृजन के लिए सबसे आशाजनक क्षेत्रों में से एक बन गया है.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैज्ञानिकों से मौजूदा समाधानों से आगे सोचने और युद्ध को नई परिभाषा देने वाली तकनीकों के विकास का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि हमें तकनीक में न तो नकलची बनना है और न ही अनुयायी, बल्कि हमें दुनिया के लिए निर्माता और मानक निर्धारक बनना है. उन्होंने मंगलवार को विज्ञान भवन में 'रक्षा नवाचार संवादः आइडेक्स स्टार्टअप्स के साथ संवाद' के दौरान कहा कि ड्रोन, एंटी-ड्रोन सिस्टम, क्वांटम कंप्यूटिंग और निर्देशित-ऊर्जा हथियार भविष्य की रूपरेखा तैयार करेंगे. हमने ऑपरेशन सिंदूर में भी ऐसा ही एक प्रदर्शन देखा है.

'देश में रक्षा विनिर्माण के अवसर' विषयक सम्मेलन में रक्षा मंत्री ने कहा कि युद्धक्षेत्र बदल गया है, अब भविष्य के युद्ध एल्गोरिदम और एआई से लड़े जाएंगे. उन्होंने नव प्रवर्तकों से भारत का पहला रक्षा यूनिकॉर्न बनाने का आह्वान करते हुए युवाओं से भारत के तकनीकी परिवर्तन का नेतृत्व करने का आग्रह किया.

नव प्रवर्तकों के सामूहिक प्रयास की सराहना की : रक्षा मंत्री ने पिछले वित्तीय वर्ष में 1.5 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन और 23,000 करोड़ रुपये से अधिक के निर्यात में रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धियों में योगदान देने वाले नव प्रवर्तकों के सामूहिक प्रयास की सराहना की.

उन्होंने कहा कि आप एक ऐसे नए भारत के निर्माता हैं जो अपने लिए डिजाइन, विकास और उत्पादन करने में विश्वास रखता है. साल 2018 में आइडेक्स की शुरुआत भारत के युवाओं की प्रतिभा को सशस्त्र बलों की तकनीकी आवश्यकताओं से जोड़ने के मकसद से की गई थी. आज केवल सात वर्षों में 650 से अधिक रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार किये जा चुके हैं और 3,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के प्रोटोटाइप की खरीद सुनिश्चित की गई है. यह भारत के रक्षा नवाचार परिदृश्य में एक क्रांति का प्रतीक है.

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनें : उन्होंने कहा कि साल 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए आवश्यक है कि हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनें और एक प्रमुख वैश्विक निर्यातक के रूप में उभरें. साथ ही अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में विश्व का नेतृत्व भी करें. रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता स्पष्ट रूप से दिख रही है. इस दिशा में पिछले 10 वर्षों में सरकार ने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत कई नीतिगत पहलें की हैं, जिनका उद्देश्य देश में रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करना है.

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल 'मेक इन इंडिया' या निर्यात के आंकड़ों तक सीमित नहीं है. 'आत्मनिर्भरता' उस भरोसे का नाम है कि संकट की घड़ी में हम अपनी रक्षा के लिए किसी और पर निर्भर न हों.

रक्षा मंत्री ने नव प्रवर्तकों से बातचीत की और उनकी तकनीकी सफलताओं की सराहना की. रक्षा स्टार्टअप का विस्तार, नवाचार और उत्पादन को जोड़ना और अनुसंधान एवं विकास सहयोग के माध्यम से आत्मनिर्भरता को गति देना जैसे विषयों पर पैनल चर्चाएं और अनुभव-साझाकरण सत्र आयोजित किए गए. इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत, सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार के साथ-साथ रक्षा मंत्रालय, रक्षा विकास विभाग, नवप्रवर्तक, स्टार्टअप, एमएसएमई, सशस्त्र बलों के प्रतिनिधि और विभिन्न रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारी उपस्थित थे.

बिहार विधानसभा चुनाव 2025

बूथों पर बुर्कानशीनों की जांच करेंगी आंगनबाड़ी सेविकाएं

एजेंसी । नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अब कुछ ही दिन बच गए हैं. बीते सोमवार को चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया. इसी के साथ अब सभी राजनीतिक दलों ने भी अपनी कमर कस ली है. चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराने का फैसला लिया है. पहले चरण में 6 नवंबर को मतदान होगा और दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा. इसी के साथ 14 नवंबर को चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे. चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव को लेकर कई जुरूरी दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं. चलिए जानते हैं बिहार चुनाव को लेकर चुनाव आयोग की क्या खास तैयारियां रहने वाली हैं किसी भी राज्य के चुनावों में मुस्लिम महिलाओं द्वारा बुर्के में वोट डालने का मुद्दा गरमा जाता है. राजनीतिक दलों द्वारा आरोप लगाया जाता है कि बुर्के की आड़ में फर्जी वोटिंग कराई जाती है. दिल्ली, यूपी और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में इसको लेकर हंगामा हुआ. अब बिहार चुनाव के लिए चुनाव आयोग इस परेशानी को तोड़ निकाल लिया है, जिससे चुनाव की पारदर्शिता भी बनी रहेगी और मुस्लिम महिलाओं की धार्मिक भावना को भी ठेंस नहीं पहुंचेगा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने साफ निर्देश दिए कि हर बूथ पर आंगनवाड़ी सेविकाएं तैनात की जाएंगी. ये आंगनवाड़ी सेविकाएं स्थानीय स्तर पर जानी पहचानी होंगी. यह उनकी जिम्मेदारी होगी कि बुर्के वाली महिलाओं की पहचान हो. सेविकाएं उनकी आईटी चेक करेंगी और अगर उन्हें किसी पर शक होगा तो वे बुर्का हटाकर वोटर की जांच करेंगी.

चीन ने की बलोच आर्मी और मजीद ब्रिगेड पर प्रतिबंध लगाने की मांग

न्यूयॉर्क । चीन ने बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसके सहयोगी मजीद ब्रिगेड पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है. चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार संयुक्त राष्ट्र में चीन के प्रतिनिधि गेंग शुआंग ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह मुद्दा उठाया. शुआंग महासभा के 80वें सत्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद समाप्त करने के उपाय विषय पर चीन का पक्ष रख रहे थे. शुआंग ने कहा कि आतंकवाद के वैश्विक स्तर पर फैलने और दोबारा सिर उठाने से अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद प्रतिरोधी स्थिति गंभीर और जटिल होती जा रही है. चीन ने आतंकवाद के खात्मे के लिए तीन प्रस्ताव रखे हैं.

बलोचिस्तान में जज सहित सेना ने चार लोगों को अगवा किया

क्वेटा (बलोचिस्तान) । पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के खारान जिले में हथियारबंद लोगों ने अदालत की इमारत में आग लगा दी और न्यायाधीश मोहम्मद जान बलोच का अपहरण कर लिया. अभी तक किसी ने भी इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है. उधर, पाकिस्तान की सेना ने एक महिला समेत चार लोगों को अगवा कर लिया है. द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की 06 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, खारान में बड़ी संख्या में हथियारबंद लोगों ने अदालत की इमारत को घेर कर आग लगा दी. इसके बाद न्यायाधीश जान का अपहरण कर लिया. गौरतलब है कि बलोचिस्तान में हाल के दिनों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के अपहरण की घटनाओं में वृद्धि हुई है. इससे पहले, केच जिले के तांप क्षेत्र के डिप्टी कमिश्नर और जियारत जिले के डिप्टी कमिश्नर के बेटे का भी अपहरण हो चुका है. बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने डिप्टी कमिश्नर के अपहरण की जिम्मेदारी ली थी. उन्हें बाद में रिहा कर दिया गया, जबकि जियारत डीसी का बेटा समित अभी भी लापता है.

धमकी : सैफुल्लाह ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पीएम नरेंद्र मोदी को दी धमकी

मुनीर सिखाएगा भारत को सबक : सैफुल्लाह

खास बात

- पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड है सैफुल्लाह कसूरी

एजेंसी । नई दिल्ली

पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी चीफ और पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकी दी है. वायरल हो रहे क्लिप में सैफुल्लाह पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की जमकर तारीफ की. आतंकी सैफुल्लाह कासूरी 4 सितंबर को पाकिस्तानी सेना के सीनियर अधिकारियों के साथ भी देखा गया था. आतंकी सैफुल्लाह ने कहा, मैं फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से अनुरोध करता हूं कि वे पीएम मोदी को वैसा ही सबक सिखाएं जैसा हमने 10 मई 2025 को सिखाया था.₹ हालांकि पूरी दुनिया को ये पता है कि 10 मई की रात को भारतीय सेना ने पाकिस्तान में ऐसी तबाही मचाई थी, जिसे वह सदियों तक भूल नहीं पाएगा. पाकिस्तानी पीएम अपनी जनता को खुश करने के लिए

भारत के साथ जीतने की फेक खबरें फैला रहे हैं.

भारत पर वाटर टेररिज्म का आरोप लगाया : न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में भारत विरोधी बयानबाजी के वीडियो भी बड़े स्तर पर प्रसारित किए गए. पाकिस्तानी न्यूज चैनलों पर आतंकी सैफुल्लाह को यह कहते हुए दिखाया गया कि वह बाढ़ में राहत बचाव का कार्य कर रहा है. आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के सबसे करीबी सैफुल्लाह ने भारत पर वाटर टेररिज्म का आरोप लगाया है. उसने दावा किया भारत ने जानबूझकर पाकिस्तान में बाढ़ लाने की चाल चली. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 26 सितंबर 2025 को सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाते हुए भारत पर इसके प्रावधानों का उल्लंघन करने और समझौते को स्थगित करने का आरोप लगाया. उनके बयान के बाद आतंकी सैफुल्लाह का बयान सामने आया है, जो दिखाता है कि कैसे पाकिस्तान की आतंकी मशीनरी और नेता भारत के खिलाफ मिलकर दुष्प्रचार कर रहे हैं.

आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान की चुप्पी : संयुक्त राष्ट्र महासभा में शहबाज शरीफ ने एक बार भी आतंकवाद को रोकने के लिए पाकिस्तान को कोशिशों का जिक्र नहीं किया. बेइज्जती से बचने के लिए पाकिस्तान हर बार आतंकवाद के मुद्दे पर चुप रहा है. भारत ने दो टूक कहा है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को बंद नहीं करता तब तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी.

मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं को बस ने कुचला, 3 की मौत, 4 घायल

कोप्पला । कर्नाटक के कोप्पल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 50 पर कूकनपल्ली गांव में हुलिगेम्मा मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं को निजी बस ने कुचल दिया, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई और 4 अन्य घायल हो गए. मृतकों की पहचान अन्नपूर्णा (40), प्रकाश (25) और शरणप्पा (19) के रूप में हुई है. हादसे में चारों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. ये सभी सिंदगी से बेंगलुरु जा रही एक निजी बस की चपेट में आ गए थे. सभी श्रद्धालु रोना तालुका के तारिहाला गांव के रहने वाले थे और शनिवार को कोप्पल तालुका के हुलिगी गाँव स्थित हुलिगम्मा मंदिर की पैदल यात्रा पर निकले थे. पुलिस अधीक्षक डॉ. राम अरासिद्दी ने घटनास्थल का दौरा कर जायजा लिया.

गाजा संघर्ष के बीच एर्दोगन का 'डबल गेम'

नेतन्याहू को बताते हैं हिटलर फिर भी उसे बेच रहे कच्चा तेल

एजेंसी । अंकारा

नेतन्याहू हिटलर के रिश्तेदार जैसे हैं... जिस तरह हिटलर अपने सामने आने वाली हार को नहीं देख सका था, उसी तरह नेतन्याहू को भी आखिर में वही अंजाम भुगतना पड़ेगा- ये बयान तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन का है जो उन्होंने पिछले महीने दोहा पर इजरायली हमले के बाद दिया था. गाजा पर इजरायल के जारी हमलों की लगातार निंदा करने वाले एर्दोगन ने कतर पर हमले के लिए भी इजरायल की कड़ी आलोचना की थी. लेकिन अब एक ऐसी खबर सामने आ रही है जिससे फिलिस्तीनियों को लेकर एर्दोगन के समर्थन पर सवाल खड़े हो रहे हैं. इजरायल के साथ व्यापार पर बैन लगाने की बात करने वाला तुर्की चोरी-छिपे उसे कच्चा तेल भेज रहा है. मिडिल-ईस्ट कवर करने वाली ब्रिटेन स्थित वेबसाइट 'मिडिल ईस्ट आई' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल को कच्चा तेल पहुंचाने वाला एक तेल टैंकर तुर्की के जेहान बंदरगाह से 'अज्ञात गंतव्य' की तरफ रवाना हो गया है फिलिस्तीनी यूथ मूवमेंट और नो हार्बर फॉर जेनोसाइड नामक संगठनों के शोधकर्ताओं ने वाणिज्यिक व्यापार और ट्रैकिंग डेटा का हवाला देते हुए बताया कि निसोस टिनोस नाम का टैंकर 4 अक्टूबर को जयहान बंदरगाह पर पहुंचा था और उसमे करीब 33,830 टन कच्चा तेल लादा टैंकर इजराइल के लिए है .

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.